

कानून के साथ संघर्षरत् बच्चे



बच्चों तथा किशोरों हेतु मानसिक स्वास्थ्य, मनोसामाजिक देखभाल और सुरक्षा
प्रशिक्षण शृंखला 3

सामुदायिक बाल और किशोर मानसिक स्वास्थ्य सेवा परियोजना,
बाल और किशोर मनोरोग विभाग, निमहेंस, बैंगलोर द्वारा विकसित
महिला एवं बाल विकास विभाग, कर्नाटक सरकार, द्वारा समर्थित

जिस छोटी सी दुनिया में बच्चों का अस्तित्व होता है, और जो कोई भी उन्हें यहाँ लाता है, ऐसा कुछ भी नहीं जो इतनी सूक्ष्मता से समझा या महसूस किया जा सके जितना की अन्याय।

चार्ल्स डिकेंस, ग्रेट एक्सपेक्टेडेंस

“In the little world in which children have their existence, whosoever brings them up, there is nothing so finely perceived and so finely felt as injustice.”

— Charles Dickens, *Great Expectations*

विषयवस्तु

क्र० सं०	विषय	पृष्ठ सं०
1	जोखिम लैस के दृष्टिगत: कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों को समझना	
1.1	कानून के साथ संघर्ष में आने वाले रास्तों की पहचान	
1.2	कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों के जोखिमों का आगे का विश्लेषण	
2	कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों का मूल्यांकन	
2.1	कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों हेतु मनोसामाजिक व मानसिक स्वास्थ्य मूल्यांकन	
2.2	कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों हेतु प्रारंभिक मूल्यांकन	
3	कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों हेतु मनोसामाजिक तथा मानसिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप	
3.1	मनोसामाजिक तथा मानसिक स्वास्थ्य चिंताओं पर प्रथम स्तरीय प्रतिक्रियायें	
3.2	मनोसामाजिक तथा मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों हेतु गहन हस्तक्षेप	
4	क्षेत्र अभ्यास	
4.1	पर्यवेक्षित क्षेत्र अभ्यास	
4.2	गृह कार्य	
अनुलग्नक 1	कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों हेतु मनोसामाजिक तथा मानसिक सवास्थ्य मूल्यांकन प्रारूप	
अनुलग्नक 2	कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों के लिए मूल्यांकन प्रारूप का विकास करना	
अनुलग्नक 3	कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों का मनोसामाजिक तथा मानसिक सवास्थ्य (16 से 18 आयुवर्ग) किशोर न्याय बोर्ड हेतु व्यक्तिगत प्रारंभिक मूल्यांकन रिपोर्ट	
अनुलग्नक 4	कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों की प्रारंभिक मूल्यांकन रिपोर्ट	
अनुलग्नक 5	संभावित प्रशिक्षण कार्यक्रम	

1. जोखिम लैंस के दृष्टिगत:
कानून के साथ संघर्षरत्
बच्चों को समझना

1.1 कानून के साथ संघर्ष में आने वाले रास्तों की पहचान

उद्देश्य

- कानून के साथ संघर्ष में आने वाले रास्तों को समझने से शुरू करें।
- बच्चों के कथित अपराधों तक पहुँचने के रास्तों को समझने के ढाँचों को विकसित करना अर्थात्, मनोसामाजिक और आस-पास के वातावरण संबंधी कारक और मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं।

समय

2 घंटा

अवधारणा

कुछ त्वरित अनुस्मारक

कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों में निम्न शामिल हैं:

- जिन बच्चों ने कथित अपराध किया है
- जिन बच्चों ने वास्तव में अपराध नहीं किया है, लेकिन वे 'गलत' स्थान/ 'गलत' समय/ 'गलत' दोस्तों के समूह में शामिल हैं।

कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों के साथ मनोसामाजिक कार्य का आधार

कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों के साथ हमारे कार्य के मुख्य आधार निम्न हैं:

- i) बच्चा अपने व्यवहार के लिए निश्चित रूप से चिंतनशील और जवाबदेह होना चाहिए यानी निश्चित ही गलत व्यवहारों के परिणाम होते हैं और होने चाहिए परंतु जवाबदेही के तरीके वो नहीं हो सकते जो वयस्कों के लिए या वयस्क आपराधिक न्याय प्रणालियों में उपयोग किये जाते हों, और न ही परिणाम समान हो सकते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि वयस्क और किशोर न्याय प्रणाली अपने मूल उद्देश्यों में भिन्न हैं; वयस्क प्रणाली का लक्ष्य दंड देना है, जबकि दूसरी ओर, किशोर न्याय प्रणाली का लक्ष्य, नाबालिग के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुये उसे पुनर्वास प्रदान करना है।
- ii) एक सहज विश्वास है कि सभी बच्चे, और जिसमें वे बच्चे भी शामिल हैं जिन्होंने कथित तौर पर अपराध किए हैं और कानून के साथ संघर्ष कर रहे हैं, उनमें (व्यवहार) परिवर्तन की क्षमता है। इसमें यह निहित है कि कोई भी उपचार या

चिकित्सीय हस्तक्षेप यह भी मानता है कि बच्चों और किशोरों में परिवर्तन की क्षमता है। यदि हम इस पर विश्वास नहीं करते हैं, तो हमें हस्तक्षेप करने की कोशिश करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

- iii) क्या परिवर्तन हो सकता है या नहीं, यह केवल तब ही निर्धारित किया जा सकता है जब किशोरों को प्रक्रिया-उन्मुख प्रतिबिंब व जीवन कौशल अधिग्रहण तथा प्रशिक्षण, व अन्य आवश्यक उपचार और हस्तक्षेपों हेतु अवसर मिलें। इनका प्रावधान नहीं करना बाल अधिकारों के उल्लंघन के समान और किशोर न्याय अधिनियम द्वारा परिकल्पित देखभाल और संरक्षण उद्देश्यों से विरोधाभासी है।

हर बच्चे का जीवन एक यात्रा है, जिसमें वे भी शामिल हैं जो संप्रेक्षण गृहों में आते हैं। रास्ते में बहुत से व्यक्ति, घटनायें और अनुभव होते हैं... जिनमें से कुछ ने उन्हें कानून के साथ संघर्ष में आने के मार्ग के लिए अग्रसरित किया है। हम केवल तभी बच्चों से मिलते हैं जब वे संप्रेक्षण गृह में आते हैं – जहाँ हम प्राथमिक रूप में जानते हैं कि उन्हें किस व्यवहार या अपराध के लिए यहाँ आवासित कराया गया है। लेकिन यह बच्चे कौन हैं? यहाँ तक पहुँचने की उनकी क्या यात्रा थी... इससे पहले की सभी चीजें क्या हैं जो उसके जीवन में या इस दौरान घटित हुईं, जिसके कारण यह बच्चे अंत में कानून के साथ संघर्ष में आ गये? इस सत्र में हम इन चीजों पर एकसाथ काम करने जा रहे हैं... इसलिए हम उन संदर्भों या परिस्थितियों को समझते हैं जिनसे एक बच्चे को कथित अपराध का सामना करना पड़ता है। यह जरूरी नहीं है कि कोई भी दो बच्चे जिन्होंने एक ही कथित अपराध किया है, उनकी यहाँ तक पहुँचने की यात्रा भी एक जैसी हो... और इसलिए, अगर हम इस यात्रा को समझते हैं, तो हम उन मुद्दों को संबोधित करने के लिए विशिष्ट हस्तक्षेपों की पहचान कर सकते हैं, जो किसी दिए गए बच्चे को संप्रेक्षण गृहों तक ले जाते हैं।

ऐसे कई कारक हो सकते हैं जो किसी विशेष बच्चे को जोखिम में डालते हैं – जैसे कि खराब सामाजिक-आर्थिक स्थिति, हिंसा/शोषण/उपेक्षा, विद्यालय छोड़ने आदि के अनुभव। हालांकि, ये निश्चित रूप से एक सामान्य जोखिम विश्लेषण के लिए सही होंगे, यह तय है कि सभी कारक आवश्यक रूप से या सीधे कथित तौर पर अपराध के लिए बच्चे हेतु रास्ते नहीं बन सकते हैं अर्थात् सभी बच्चे जो शोषित हैं/या विद्यालय छोड़ दिये हैं, जरूरी नहीं है कि वे कानून के साथ संघर्ष की स्थितियों में आयें। ऐसे में, एक बच्चे के प्रकरण में क्या विशेष कारक हैं जो उसे अपराध की ओर आगे बढ़ाते हैं? उदाहरण के लिए, दो बच्चों में, जो दोनों कानून के साथ संघर्ष में आए थे, मादक द्रव्यों के सेवन के मुद्दे हो सकते हैं; हालाँकि, एक बच्चे ने नशे की हालत में कथित अपराध किया हो (जिसके प्रकरण में नशीली दवाओं का सेवन अपराध का एक प्रमुख मार्ग है), जबकि दूसरे बच्चे ने क्रोध की

स्थिति में शोषण किया हो सकता है, जिसका उसके मादक द्रव्यों के सेवन के मुद्दों से किसी प्रकार का कोई वास्ता नहीं है, (जिसके प्रकरण में मादक द्रव्यों का सेवन अपराध का रास्ता नहीं हो सकता है)।

अपराध के रास्तों की पहचान हेतु गतिविधि

विधि: मानचित्रण और कहानी निर्माण

सामग्री: फिलप चार्ट—पेपर की बड़ी शीट, पेन/मार्कर

प्रक्रिया:

- प्रतिभागियों को लगभग 5 सदस्यों के छोटे उप-समूहों में विभाजित करें।
- प्रत्येक उप-समूह को फिलप-चार्ट पेपर की एक शीट और पेन/मार्कर दें।
- उन्हें, पृष्ठ के शीर्ष पर, बच्चे का नाम और उम्र लिखने के लिए कहें, जो संप्रेक्षण गृह में आया हो।
- उन्हें, पृष्ठ के निचले भाग में, उस अपराध को लिखने के लिए कहें जो उसने किया हो।
- आगे, समूह उन प्रश्नों के उत्तर लिखना शुरू कर सकते हैं जो उन्हें बच्चे की कहानी (यात्रा) बनाने में मदद करते हैं। प्रश्न निम्न हैं:
 - परिवार: परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति? क्या दोनों माता-पिता मौजूद हैं? पिता का व्यवसाय/माता का व्यवसाय? माता-पिता के मध्य रिश्ता? बच्चे और माँ/पिता (अच्छा लगाव/उपेक्षा/शोषण) के बीच संबंध? माता-पिता या देखरेखकर्ता में शराब की आदत/बीमारी/विकलांगता।
 - संस्थाएँ: क्या बच्चा घर पर था या अन्य स्थानों/संस्थाओं में रहता था? इन संस्थाओं में बच्चे का अनुभव कैसा था?
 - विद्यालय: बच्चा विद्यालय में है या छोड़ दिया है? छोड़ने के कारण? शैक्षणिक प्रदर्शन/सीखने के मुद्दे? विद्यालय द्वारा शोषण/धमकाने के अनुभव?
 - साथी: क्या बच्चे के कई दोस्त थे? वृद्ध/छोटे/हमउम्र? बच्चा दोस्तों के साथ क्या गतिविधियाँ करता था? दोस्तों के साथ बहुत समय बिताता था? दिन/रात में अधिकांश बाहर रहता था? बच्चे के फैसलों ने साथियों पर क्या प्रभाव डाला (विद्यालय/लैंगिकता/नशीले पदार्थों का उपयोग?)
 - शोषण/आघात: शारीरिक शोषण के अनुभव? भावनात्मक शोषण/अपमान/अस्वीकृति के अनुभव? यौन शोषण के अनुभव?
 - बाल श्रम: कार्य स्थलों में शोषण और अन्य अनुभव (पारिश्रमिक/उपचार?)
 - मादक पदार्थों का सेवन: किस उम्र में और कैसे (किन कारणों से) बच्चे ने पदार्थों का उपयोग करना शुरू किया?
 - कथित अपराध कैसे हुआ/कैसे किया गया, इसका एक विवरण अर्थात् उस दिन/उस समय वास्तव में क्या हुआ था।

- परिवार: परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति? क्या दोनों माता-पिता मौजूद हैं? पिता का व्यवसाय/माता का व्यवसाय? माता-पिता के मध्य रिश्ता? बच्चे और माँ/पिता (अच्छा लगाव/उपेक्षा/शोषण) के बीच संबंध? माता-पिता या देखरेखकर्ता में शराब की आदत/बीमारी/विकलांगता।
- जब कहानी पूरी हो जाये, तो उप-समूहों को प्रत्येक कहानी/कथा के सभी विवरणों की जांच करने के लिए कहें, और उन प्रमुख कारकों (व्यक्तियों/रिश्तों/घटनाओं/अनुभवों) को चुने जो बच्चे को कथित अपराध की ओर बढ़ाने में सहायक थे – इस विशेष बच्चे के रास्ते क्या थे?
- प्रतिभागियों को अपने उप-समूहों के भीतर चर्चा करने और पहचाने गए महत्वपूर्ण कारकों को लाल रंग में सर्कल करने के लिए कहें।

चर्चा:

- प्रत्येक उप-समूह को एक के बाद एक, अपने बच्चे की कहानी प्रस्तुत करने और बच्चे के अपराध के मार्ग के बारे में बताने को कहें – उन्हें उन अपराधों के लिए एक स्पष्ट औचित्य पेश करने के लिए कहें, जो उन्होंने तय किए हैं।
- सभी प्रतिभागियों से टिप्पणियों और प्रश्नों को आमंत्रित करें, उन्हें प्रतिबिंबित करने के लिए सक्षम करें; 1) अपराध के विभिन्न रास्ते; 2) विभिन्न बच्चों में ये मार्ग कैसे भिन्न होते हैं; 3) निहितार्थ है कि, हस्तक्षेप के लिए यह अंतर समझ होगी (उदाहरण के लिए, यदि यौन शोषण अपराध के लिए एक बच्चे का मार्ग सहकर्मि प्रभाव था, जबकि दूसरे बच्चे का यौन शोषण अपराध का मार्ग शोषण का अनुभव/उसी का बदला लेना था, तो ऐसे में पहले बच्चे के प्रकरण में हस्तक्षेप उसे सहकर्मि के दबाव का सामना करने में उसकी मदद करने पर केंद्रित होगा, जबकि दूसरे प्रकरण में यह बच्चे द्वारा अनुभव किए गए यौन शोषण के उपचार पर केंद्रित होगा)।
- सारांश: कोई बच्चा 'अपराधी' 'पैदा नहीं होता है; जीवन की विभिन्न परिस्थितियां और भिन्न कारक हैं (जो विभिन्न बच्चों को उनके जीवन की स्थितियों को अलग-अलग तरीकों से प्रतिक्रिया देने का कारण बनाते हैं) जो बच्चों को कथित अपराधों के लिए प्रेरित करते हैं।

1.2 कानून से संघर्षरत् बच्चों के जोखिमों का आगे का विश्लेषण

उद्देश्य

कानून से संघर्षरत् बच्चों के जोखिमों की आगे की जांच व विश्लेषण और समस्या की अधिक बारीक समझ प्राप्त करना यानी 'वास्तविक' या अंतर्निहित समस्याओं को समझना जिससे एक बच्चे के व्यवहार में परिवर्तन आये, जो उसे कानून के साथ संघर्ष में लाये।

समय

2.5 घंटा

अवधारणा

कुछ अवधारणाएं और रूपरेखाएं हैं जो हमें कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों की विशिष्ट समस्याओं और जोखिमों को बेहतर ढंग से समझने में मदद करती हैं। मोटे तौर पर, जोखिम के 7 क्षेत्र हैं जिनमें कानून के साथ संघर्षरत् बच्चे सबसे अधिक बार मौजूद हैं। ये जोखिम उनकी समस्याओं का आधार और उनके कानून के साथ संघर्षरत् होने का कारण बनते हैं। आप उनमें से कई से परिचित हो सकते हैं लेकिन इस सत्र में, हम बारीकियों का पता लगाएंगे। उदाहरण के लिए, यह कहना कि परिवार की शिथिलता एक जोखिम या मार्ग है, इसका तब तक कोई अर्थ नहीं है जब तक कि हम वास्तव में यह पता करने में सक्षम नहीं हैं कि कैसे और किस तरह से (साथ ही, हर बच्चा जो एक शिथिल परिवार से आता है, जरूरी नहीं की वह कानून के साथ संघर्षरत् हो) और हस्तक्षेप से संबंधित निर्णय लेने के लिए ये बारीकियाँ महत्वपूर्ण हैं; यदि कोई बच्चा स्कूल ड्रॉप-आउट है, तो वास्तव में इस परिस्थिति ने उसे अपराध करने के लिए कैसे प्रेरित किया? इसलिए, हमें दिए गए बच्चे के जोखिमों की पहचान करने और समझने के लिए यथासंभव विस्तार और बारीक से बारीक चीजों को समझना होगा।

कानून से संघर्षरत् बच्चों के जेखिमों को समझने हेतु ढांचा

कानून से संघर्षरत् बच्चों के जेखिमों का आधार (1) पारिवारिक कारक	प्रभाव तथा परिणाम/ कथित अपराध के रास्ते
लगाव संबंधी मुद्दे, उपेक्षा, शोषण	भावनात्मक अनियंत्रित (गुस्सा/चिंता के नियंत्रण में कठिनाई)
<ul style="list-style-type: none"> ● इन बच्चों के परिवार और घर का माहौल अक्सर वैवाहिक समस्याओं, घरेलू हिंसा और शराब पर निर्भरता से भरा होता है। ● जिन बच्चों को उन परिवारों में पाला जाता है, जहां शक्ति-आधारित नियंत्रण, आक्रामकता, चोरी या दूसरों के अधिकारों का अतिक्रमण जैसे व्यवहार को आदर्श माना जाता है। ● एकल-पालन-पोषण, बच्चे की देखभाल के लिए माता-पिता की ओर से समय की कमी (आमतौर पर वित्तीय समस्याओं और घर के बाहर लंबे समय तक काम करने की आवश्यकता के कारण)। ● कठोर/दंडात्मक, पालन/अस्वीकृति, परित्याग, या किसी संस्थान को त्यागने के अन्य अनुभव। ● समग्र बाल विकास/निगरानी और पर्यवेक्षण के लिए शुरुआती प्रेरणा और विकास के अवसरों की कमी। ● प्राथमिक देखभरेख कर्ता की मृत्यु/से अलगाव (आघात के लिए अग्रणी, बच्चे के लिए लगाव करने वाला कोई नहीं)। 	<ul style="list-style-type: none"> ● गुस्से को नियंत्रित करने /परेशानी को व्यक्त करने में सक्षम नहीं। ● अत्यधिक प्रतिक्रिया से क्रोध या शारीरिक हिंसा हो सकती है। ● ऐसे समय में, बच्चे किसी भी कारण या चर्चा के लिए तैयार नहीं होते हैं। ● यह लगभग वैसा ही है जैसे कि एक बार आक्रामकता स्विच चालू किया गया है और इसे बंद नहीं किया जा सकता है। ✓ समस्यात्मक प्रारंभिक जीवन तनाव/आघात की प्रतिक्रिया में होने वाले न्यूरोबायोलॉजिकल परिवर्तन जीवन के लंबे मनोरोग संबंधी मुद्दों को जन्म दे सकते हैं। ✓ परिवारों/रोल मॉडल से सीखी गई व्यवहार की समस्यायें (हिंसा, शोषण आदि) ✓ दूसरों के लिए सहानुभूति का अभाव है और इसलिए जोखिम लेते हैं मजे लेने के अवसर ढूँढते हैं तथा जोड़ तोड़ करते हैं।

कानून से संघर्षरत् बच्चों के जोखिमों का आधार (2) शैक्षणिक मुद्दे	प्रभाव तथा परिणाम/ कथित अपराध के रास्ते
<ul style="list-style-type: none"> ● सीखने में कठिनाई तथा खराब शैक्षणिक प्रदर्शन। ● वित्तीय कठिनाइयाँ जिनकी बजह से विद्यालय छोड़ना की आवश्यकता हो (बल्कि बच्चों को बाल श्रम में जाना पड़े) ● शोषण/शारिरिक सजा/विद्यालय में धमकाना। 	<ul style="list-style-type: none"> ✓ प्रोत्साहन की कमी या शिक्षा जारी रखने की अक्षमता। ✓ कामचोरी/निलंबन/विद्यालय से ड्रॉपआउट संबंधी मुद्दे। ✓ पड़ोसी/अन्य विद्यालय छोड़ने वाले साथियों के साथ बिताए जाने हेतु बहुत से बेकार समय के लिए अग्रणी। ✓ मादक द्रव्यों के सेवन का अधिक खतरा और असामाजिक व्यवहार।

कानून से संघर्षरत् बच्चों के जोखिमों का आधार (3) साथियों का प्रभाव	प्रभाव तथा परिणाम/ कथित अपराध के रास्ते
<ul style="list-style-type: none"> ● अन्य आक्रामक/नियम तोड़ने वाले बच्चों को पसंद करना और पसंद करवाने की प्रवृत्ति ● अधिक सामाजिक रूप से उपयुक्त साथियों द्वारा अस्वीकृत ● सहकर्मी समूह के संदर्भ में आक्रामक/नियम-तोड़ने वाला प्रबल व्यवहार। ● गिरोह का हिस्सा होने के कारण ऐसे बच्चों की आत्म खंडित भावना/पहचान/आत्म सम्मान को भी मजबूत करती है। 	<ul style="list-style-type: none"> ✓ सहकर्मी दबाव के साथ लड़ने में असमर्थ/खुद को नहीं कहने के लिए जोर देना ✓ सहकर्मी समूह मानदंडों के साथ उच्च जोखिम वाले व्यवहार में संलग्न रहें।

<p>कानून से संघर्षरत् बच्चों के जोखिमों का आधार (4) बाल श्रम</p>	<p>प्रभाव तथा परिणाम/ कथित अपराध के रास्ते</p>
<ul style="list-style-type: none"> ● कम सामाजिक आर्थिक तबके के बच्चों को अक्सर दूर स्थानों पर काम करने के लिए भेजा जाता है। ● कम पारिश्रमिक ● काम की शोषणकारी परिस्थितियाँ। ● नियोक्ताओं द्वारा क्रूर व्यवहार। 	<ul style="list-style-type: none"> ✓ कार्य स्थल में, बच्चे बड़े किशोरों और वयस्कों के साथ रहते हैं/से रूबरू होते हैं। ✓ जो आपराधिक व्यवहार में लिप्त हो सकते हैं और रोल मॉडल के रूप में कार्य कर सकते हैं। ✓ जो बच्चों को इस तरह के व्यवहार में संलग्न रहने हेतु मजबूर करते हैं (मनोरंजन/खुशी के लिए या यह सुनिश्चित करने के लिए कि बच्चे कृत्यों में पकड़े जाते हैं और वे खुद सजा से बच जाते हैं)। ✓ जो उन्हें मादक द्रव्यों के सेवन में संलग्न करते हैं। ✓ बच्चे परिवार से बहुत दूर हो सकते हैं, परिवारों से बहुत कम संपर्क में हो सकते हैं—उपेक्षा का अनुभव/लगाव के रिश्तों की हानि... असामाजिक वयस्कों के लिए उन्हें प्रभावित करना आसान बनाता है।

<p>कानून से संघर्षरत् बच्चों के जोखिमों का आधार (5) मादक पदार्थों का सेवन</p>	<p>प्रभाव तथा परिणाम/ कथित अपराध के रास्ते</p>
<ul style="list-style-type: none"> ● पदार्थ का उपयोग अक्सर प्रयोग के रूप में/सहकर्मी समूह के संदर्भों में शुरू होता है (कुछ साथियों द्वारा खराब अनुनय/दूसरों से इनकार ना कर पाना और मुखरता कौशल से...)। ● जैसे-जैसे उपयोग की आवृत्ति बढ़ती है (मनोरंजन प्रयोजनों के लिए), वैसे ही नशे की सहनशीलता बढ़ती है... जिसके परिणामस्वरूप नशे की अधिक मात्रा का सेवन होता है/अधिक बार... निर्भरता और लत के लिए अग्रणी। ● कुछ पदार्थों का उपयोग कर सकते हैं (तनाव/कठिन भावनाओं का मुकाबला करने के लिए)। 	<ul style="list-style-type: none"> ✓ बच्चे पदार्थ खरीदने हेतु धन प्राप्त करने के लिए अपराध (चोरी/डकैती) कर सकते हैं (क्योंकि कि वे आश्रित/आदि हो सकते हैं)। ✓ बच्चे नशे की हालत में अपराध (जैसे हिंसा आदि) करते हैं।

<p>कानून से संघर्षरत् बच्चों के जोखिमों का आधार (6) मानसिक स्वास्थ्य विकार</p>	<p>प्रभाव तथा परिणाम/ कथित अपराध के रास्ते</p>
<p>अ. बाहरी विकार ध्यान आभाव सक्रियता विकार (ए0डी0एच0डी0)</p> <ul style="list-style-type: none"> ● न्यूरो डेवलपमेंटल प्रॉब्लम, दवा/व्यवहार प्रशिक्षण की आवश्यकता (अक्सर कानून से संघर्षरत् किशोरों में पहचानने योग्य नहीं और अनुपचारित) ● असक्रियता/बेचैनी/कार्य पूर्ण करने तथा उसमें ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई/ निर्णय लेने में जल्दबाजी ● अनियंत्रित आक्रामक व्यवहार/खराब भावनात्मक विनियमन ● खराब सामाजिक कौशल, अपर्याप्त सामाजिक निर्णय और आवेग 	<ul style="list-style-type: none"> ✓ खराब निर्णय लेने का कौशल। ✓ मादक पदार्थ, अनुचित यौन व्यवहार और अन्य उच्च जोखिम वाले व्यवहार की मांग की गतिविधि करना।
आचरण विकार	
<ul style="list-style-type: none"> ● नियम तोड़ने, चोरी करने, हिंसा/आक्रामकता/लोंगों तथा जानवरों के प्रति क्रूरता की प्रवृत्ति। ● संपत्ति का विनाश/हथियारों का उपयोग ● कामचोरी ● दूसरों के अपनी तरफ से दूसरों को बरगलाना, धमकी देना। ● यौन शोषण/जबरदस्ती में संलिप्तता। ● सहानुभूति और पश्चाताप/अपराधबोध (?) 	<ul style="list-style-type: none"> ✓ इनमें से अधिकांश व्यवहार सीधे कानून के साथ संघर्ष का कारण बनते हैं। ✓ कुछ व्यवहार, खासकर यदि वे लंबे समय से (बचपन से) हैं, तो बाद में कानून के संघर्ष की समस्याएं हो सकती हैं।
<p>ब. आंतरिक विकार चिंता व अवसाद</p> <ul style="list-style-type: none"> ● ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, चिड़चिड़ापन ● बिना किसी चिकित्सकीय कारण शरीर में दर्द और पीड़ा होना ● कम ऊर्जा/थकान/मांसपेशियों की परेशानी ● नींद और भूख की समस्या ● खराब आत्म सम्मान/निराशा की भावना ● दैनिक कार्यों और गतिविधियों को करने में कठिनाई ● आत्महत्या के विचार/प्रयास 	<ul style="list-style-type: none"> ✓ भावनात्मक अनियंत्रण क्रोध या हिंसक व्यवहार को बढ़ाता है। ✓ सबसे आम जोखिम मादक द्रव्यों का सेवन है... यह उच्च जोखिम यौन व्यवहार भी हो सकता है जो कानून से संघर्षरत् करने में सहायक होगा।

<p>कानून से संघर्षरत् बच्चों के जोखिमों का आधार (7) जीवन कौशल का अभाव</p>	<p>प्रभाव तथा परिणाम/ कथित अपराध के रास्ते</p>
<ul style="list-style-type: none"> ● देखभाल करने वालों द्वारा पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन की कमी के कारण, बच्चों को दैनिक आधार पर (जैसे सहकर्मी दबाव, मादक पदार्थ का उपयोग आदि) खुद में कई स्थितियों से निपटने में सक्षम होने हेतु अपेक्षित जीवन कौशल विकसित नहीं होता है। ● इस प्रकार, निम्न (डब्ल्यू0एच0ओ0) जीवन कौशल का अभाव— ● निर्णय लेना ● समस्या को सुलझाना ● रचनात्मक सोच ● गहन सोच ● प्रभावी संचार ● पारस्परिक संबंध कौशल ● आत्म-जागरूकता ● सहानुभूति ● भावनाओं के साथ मुकाबला ● तनाव से निपटना ● विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य विकारों वाले बच्चों और/या मादक द्रव्यों के सेवन को भी महत्वपूर्ण जीवन कौशल की कमी के रूप में देखा जा सकता है। 	<ul style="list-style-type: none"> ✓ समस्याओं को संसाधित करने और हल करने की सीमित क्षमता ■ अपनी भलाई या आत्मसम्मान के लिए एक खतरे के रूप में देखना ■ किसी समस्या के बारे में सोचना बच्चे के दिमाग में नहीं आता है ■ आक्रामकता से या तो स्थिति का प्रतिकार या स्थिति को कम करना ■ आक्रामक (बनाम गैर-आक्रामक) संघर्ष के समाधान के रूप। ✓ घटनाओं के संबंध में विकृत धारणा ■ बच्चे गलत घटनाओं की व्याख्या करते हैं। ■ दूसरों पर हानिकारक इरादे का अधिक अनुमान लगाना, यह मानना कि परिणाम पर्यावरणीय परिस्थितियों का परिणाम नहीं था, और दूसरा व्यक्ति उस व्यवहार के नियंत्रण में था जो नकारात्मक परिणाम का कारण बना। ■ 'आपने वह किसी उद्देश्य से किया है' ■ जहाँ परिणामों की व्याख्या इरादतन किये गये कृत्य सोख्या की जाती है और इरादे को शत्रुतापूर्ण माना जाता है, गुस्सा/आक्रामक प्रतिक्रिया की संभावना बहुत अधिक हो जाती है। ✓ उच्च जोखिम (यौन & मादक द्रव्यों के सेवन और आत्म-नुकसान) व्यवहार

अवधारणा

मादक पदार्थों के उपयोग से संबंधित मुद्दों की व्याख्या करते हुए, मादक द्रव्यों के सेवन पर अतिरिक्त जानकारी विश्लेषण (ऊपर) की चर्चा के दौरान प्रस्तुत की जा सकती है, क्योंकि यह कानून के साथ संघर्षरत् किशोरों में एक सामान्य जोखिम है, और यहाँ गहन समझ की आवश्यकता है।

जैसे-जैसे बच्चे किशोरावस्था में बढ़ते हैं, सामाजिक और सहकर्मी दबाव होते हैं, जो उन्हें शराब, निकोटीन, तंबाकू आदि पदार्थों का उपयोग करने की आवश्यकता को महसूस कराते हैं। जहाँ पदार्थों की अधिक पहुँच और उपलब्धता होती है, और जहाँ

यह 'सामान्य' है या उनका उपयोग करना 'सामान्य' होता है, किशोरों में उनके उपयोग की संभावना बढ़ जाती है। आसानी से समझने के लिए, मादक दृव्यों के उपयोग के चरणों को मोटे तौर पर निम्न प्रकार से देखा जा सकता है:

प्रथम स्तर: प्रयोग

बहुत से किशोर शुरु में मादक पदार्थों का प्रयोग, आमतौर पर जिज्ञासा और/या सहकर्मी दबाव में कर सकते हैं। कई किशोरों के लिए, उनके पदार्थों का उपयोग यहीं रुक सकता है। लेकिन दूसरों के लिए, यह इसकी लत में पहला कदम हो सकता है। वास्तव में, जितना जल्दी वे इसे शुरु करते हैं (जैसे जब वे 12 से 15 साल या उससे कम होते हैं), नशे की लत का खतरा उतना अधिक होता है।

दूसरा स्तर: नितरत मनोरंजन के तौर पर उपयोग

उन लोगों का एक निश्चित अनुपात जिन्होंने किसी पदार्थ का प्रयोग या प्रयास करना शुरु किया, वह कभी-कभार या यहां तक कि नियमित रूप से पदार्थों के उपयोग करेंगे। कुछ जोखिम भरे व्यवहार इस स्तर पर भी शुरु हो सकते हैं – जैसे किशोर शराब पीने के साथ या पदार्थ के प्रभाव में ड्राइविंग कर सकते हैं। अवसाद, चिंता और/या विरोध/अवहेलना जैसे लक्षण भी उभरने शुरु हो सकते हैं।

तीसरा स्तर: समस्याग्रस्त उपयोग

उन पदार्थ का नियमित उपयोग खपत में वृद्धि, अधिक बार और ज्यादा मात्रा में उपयोग, और सबसे महत्वपूर्ण बात, बिगड़ते परिणामों के साथ आगे बढ़ता है: परिवार, विद्यालय और दोस्तों के साथ संबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है विद्यालयों में समस्याएँ उभर सकती हैं (नियम तोड़ने, कामचोरी आदि के साथ); अन्य असामाजिक गतिविधियों से अधिकारियों और कानून के साथ संघर्ष भी हो सकता है।

चौथा स्तर: सहनशीलता

मादक पदार्थों के उपयोग के शुरुआती चरणों में, किशोरों को 'चरम' प्राप्त करने या आनंददायक प्रभाव महसूस करने के लिए पदार्थ की अपेक्षाकृत कम मात्रा का सेवन करने की आवश्यकता होती है। लेकिन समय के साथ, वे समान सुखदायक प्रभाव (या 'चरम' के समान स्तर) का आनंद लेने के लिए पदार्थ की बढ़ती मात्रा का उपभोग करने की आवश्यकता महसूस करते हैं, यानी उदाहरण के लिए, उन्हें तब अधिक शराब का उपयोग करना पड़ता है जितना उपयोग वे पहले करते थे। ऐसा इसलिए है क्योंकि पदार्थों की बढ़ती मात्रा के साथ, मस्तिष्क के सुख देने वाले मार्ग कम कुशल हो जाते

हैं... उन्हें उत्तेजित करने के लिए अधिक पदार्थ की आवश्यकता होती है। लेकिन क्योंकि व्यक्ति को चरम पाने के लिए मादक द्रव्यों की अधिक मात्रा का सेवन करना पड़ता है, इसका मतलब यह नहीं है कि उनका शरीर सुरक्षित रूप से उस मात्रा को संभाल सकता है। वास्तव में, यह बढ़ती हुई सहनशीलता है (और पदार्थ की अधिक मात्रा की आवश्यकता महसूस होती है) जो अक्सर ओवरडोज हो जाती है।

पाँचवा स्तर: निर्भरता

जैसे-जैसे व्यक्ति की सहनशीलता बढ़ती रहती है, और वे पदार्थ के उपयोग की मात्रा और आवृत्ति में वृद्धि करते हैं, जब तक कि वे नशे के पूर्ण प्रभाव में न हों, वे किसी भी सुख का अनुभव करने की क्षमता खो देते हैं। इसलिए, वे जीवन की अन्य गतिविधियों जैसे खेल, शिक्षा, शौक आदि में रुचि खो देते हैं क्योंकि वे अब उनका आनंद नहीं ले पाते हैं। वे इस प्रकार अत्यधिक और मुख्य रूप से अन्य चीजों की बजाये पदार्थ के सेवन में व्यस्त हो जाते हैं (इसे प्रमुखता के रूप में जाना जाता है)।

वास्तव में, जब भी उनकी पसंद की दवा उपलब्ध नहीं होती है, तो दवा-निर्भर व्यक्ति वापसी में जा सकता है। निकासी कठोर-नापसन्दी का एक सेट है – और कभी-कभी खतरनाक – मानसिक और शारीरिक लक्षण है (सिरदर्द, मचलन, पसीना, भूख कम लगना...) जिसके परिणामस्वरूप शरीर 'सदमे' में चला जाता है क्योंकि उसका पसंदीदा पदार्थ उपलब्ध नहीं है। वापसी का दर्द और असहजता अक्सर व्यक्ति को वापसी में धकेलती है।

छठा स्तर: लत

अंतिम चरण लत लगना है – एक चिकित्सकीय-निदान योग्य विकार जिसमें पहचान योग्य लक्षण हैं, अर्थात:

- सहनशीलता
- नियंत्रण की हानि – आवृत्ति या खपत की मात्रा का चयन करने में असमर्थता
- वापस कम करनेया छोड़ने में विफलता
- उपयोग से प्राप्त करने, उपयोग करने, या पुनर्प्राप्त करने के बारे में सोचने में समय व्यतीत करना – एक जुनून जो आपके जीवन में हस्तक्षेप करता है
- अन्य जिम्मेदारियों और रुचियों का परित्याग
- वापसी
- नकारात्मक परिणामों के बावजूद निरंतर उपयोग

मादक द्रव्यों का आदी मस्तिष्क, ड्रग्स प्राप्त करना और लेना वास्तव में जीवन और मृत्यु के मामले की समान महसूस कर सकता है – यही कारण है कि पदार्थ का उपयोग बच्चों को कानून के विरोध में आने का कारण बनता है – यह पदार्थ पर निर्भरता व लत और इसे प्राप्त करने की सख्त जरूरत है जो लोगों को चोरी और हिंसा जैसी असामाजिक गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रेरित करती है।

मुद्दा यह है कि मादक द्रव्यों के सेवन और लत को 'नैतिक कमजोरी' के संकेत के रूप में देखा जाता है लेकिन यह (और होने की जरूरत है) एक समस्या के रूप में है जो मस्तिष्क के परिवर्तनों से उत्पन्न होती है जो नशे की लत और पदार्थों के उपयोग की प्रतिक्रिया में होते हैं। इसलिए, किसी किशोर के लिए पदार्थों का उपयोग बंद करने के लिए अकेले 'इच्छा शक्ति' काफी नहीं है – उसे, मादक द्रव्यों के सेवन की समस्याओं को दूर करने के लिए, दवा और चिकित्सा/परामर्श (गंभीरता के आधार पर) दोनों के माध्यम से व्यवस्थित सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।

● **संशोधित सामाजिक तनाव मॉडल¹:** यह मॉडल मादक पदार्थों के उपयोग के संदर्भ में विकसित किया गया था – बच्चों में मादक पदार्थ के उपयोग के जोखिम को समझने के लिए लेकिन इसे कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों में अपराध करने के जोखिम को समझने के लिये व्यापक अर्थों में लागू किया जा सकता है...। मॉडल के अनुसार:

जोखिम = (गैर)तनाव+सामान्यीकरण+प्रभाव
मुकाबला+सहयोग+संसाधन

जिसमें: जोखिम से तात्पर्य है कि बच्चे को पदार्थ उपयोग व्यवहार में संलिप्त होने की कितनी संभावना है।

¹विश्व स्वास्थ्य संगठन: मॉड्यूल 3: फुटपाथ पर जीवन यापन करने वाले बच्चों के मध्य मादक द्रव्यों के सेवन को समझना। एच0आई0वी0/एड्स और एस0टी0डी0 सहित मादक पदार्थों के उपयोग और यौन व प्रजनन स्वास्थ्य पर एक प्रशिक्षण पैकेज। मानसिक स्वास्थ्य निर्धारक और जनसंख्या स्वास्थ्य और पदार्थ निर्भरता विभाग जिनेवा, स्विट्जरलैंड का जनसंख्या विभाग। WHO/MSD/MDP/00-14 [अग्रलिखित पर उपलब्ध है: https://www-unodc-org/pdf/youthnet/who_street_children_module3-PDF 17 जनवरी 2019 को एक्सेस किया गया]।

(गैर) तनाव वास्तविक या कथित तनावों के जवाब में एक ऐसा तरीका है जो व्यक्ति महसूस करता है (जैसे, चिंतित, तनाव, बोझ)। तनाव दिखाई देने वाला हो सकता है (जैसे, हिंसा, खराब जीवनयापन स्थिति, एक शारीरिक विकलांगता), या यह दूसरों को कम दिखाई दे सकता है (जैसे, भावनात्मक शोषण, आघात)। इस प्रकार, तनाव जीवन की एक अहम घटना हो सकता है (दुर्घटना/शोरषण/हानि अनुभव), जीवनका एक स्थायी तनाव (मनोवैज्ञानिक कठिनाइयों/बीमारी/शैक्षिक और मनोरंजक अवसरों की कमी...) या रोजमर्रा की समस्या (भोजन/आश्रय से संबंधित उत्तरजीविता के मुद्दे)...। जितने अधिक तनाव में एक बच्चा रहेगा उतनी ही अधिक संभावना है कि वह मादक पदार्थों का उपयोग करे।

- **व्यवहार और स्थितियों का सामान्यीकरण यह दर्शाता है कि बच्चे के आसपास के वातावरण में मादक पदार्थों का उपयोग कितना सामान्य और स्वीकार्य है।** संशोधित सामाजिक तनाव मॉडल के अनुसार, किसी व्यक्ति के आसपास के वातावरण में यदि मादक पदार्थों का उपयोग सामान्य माना जाता है तो यह संभव है कि वहाँ उसके मादक पदार्थों में शामिल होने की संभावना अधिक हो यानि, यदि अन्य बच्चों/साथियों और वयस्कों द्वारा मादक पदार्थों के उपयोग को स्वीकारा या सामान्य माना जाता है तो ऐसे में बच्चों के भी पदार्थों का उपयोग करने की अधिक संभावना है। वैधता और कानून प्रवर्तन, उपलब्धता, मूल्य, विज्ञापन/मीडिया और सामुदायिक संस्कृतियां व्यवहार और स्थितियों के सामान्यीकरण को प्रभावित करती हैं।
- **व्यवहार और स्थितियों के प्रभाव/मादक पदार्थ के उपयोग का अनुभव:** कई बच्चे मादक पदार्थों का उपयोग करते हैं क्योंकि मादक पदार्थ उनके जीवन में कुछ, जैसे मनोरंजन, जोड़ते हैं या यह अस्थायी रूप से एक समस्या का हल करते हैं। कठिन सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों में बच्चे मादक पदार्थों का उपयोग करते हैं क्योंकि मादक पदार्थ भूख को कम करते हैं, उत्तेजना को बढ़ाते हैं, शारीरिक और भावनात्मक दर्द को कम करते हैं, नींद बढ़ाते हैं, काम करने के लिए ऊर्जा के स्तर को बढ़ा सकते हैं, सतर्कता में सुधार कर सकते हैं, मनोरंजन का एक रूप प्रदान कर सकते हैं, सहकर्मी से संबंध की भावना प्रदान कर सकते हैं, समूह या जोखिम व्यवहार में संलिप्त होने का साहस भी दे सकते हैं। यदि कोई मादक पदार्थ किसी फुटपाथ पर रहने वाले बच्चे के लिए सकारात्मक या वांछित अनुभव पैदा करता है, तो वह उसका अधिक बार उपयोग कर सकता है।
- **मुकाबला या मुकाबला करने का कौशल** योग्यता को संदर्भित करता है। इनमें रोजमर्रा की गतिविधियों के लिए शारीरिक और प्रदर्शन क्षमता, और मनो-सामाजिक कौशल (जैसे आत्म-जागरूकता, मुखरता, समस्या को हल करना आदि) रोजमर्रा की जीवन की मांगों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए आवश्यक हैं। इन कौशलों को

अक्सर जीवन कौशल कहा जाता है। एक बच्चेमें मुकाबला करने की जितनी अधिक रणनीतियाँ होती है या उसके जीवन कौशल जितने बेहतर होते हैं, उतना ही कम वह पदार्थों का उपयोग करता/ इसके पदार्थों के उपयोग की संभावना होती है।

- **समर्थन** या अटैचमेंट लोगों, जानवरों, वस्तुओं और संस्थानों यानि बच्चों के सामाजिक नेटवर्क के लिए व्यक्तिगत संपर्क को संदर्भित करता है। कम से कम एक व्यक्ति जिसके साथ किसी का करीबी संबंध है और स्वीकृति की भावना को, सकारात्मक आत्म-सम्मान की भावना विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण पाया गया है। ऐसे लोगों के साथ सामाजिक संबंध और नेटवर्क, जो बच्चे पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं, वह उसमें मादक पदार्थों का उपयोग करने की संभावना को कम कर देते हैं।

- **संसाधनों** का उपयोग शारीरिक और भावनात्मक जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाता है। आंतरिक संसाधनों में बुद्धिमत्ता, कार्य करने की क्षमता, शिक्षा, व्यावसायिक कौशल, धार्मिक विश्वास, आशावाद, हास्य की भावना आदि शामिल हैं; बाहरी संसाधनों में सूचना, परिवार, सहकर्मी नेटवर्क, शिक्षक, सकारात्मक भूमिका मॉडल, सामुदायिक संगठन, शैक्षिक और व्यावसायिक प्रशिक्षण सेवाएं, स्वास्थ्य सेवाएं, मनोरंजक सुविधाएं आदि शामिल हैं। बच्चों तक संसाधनों की पहुँच जितनी अधिक होगी, उतना ही संभव है कि वे मादक पदार्थों का उपयोग ना करें।

जबकि, मॉडल को बच्चों द्वारा पदार्थ के उपयोग के जोखिम का आंकलन करने के लिए विकसित किया गया था, यह कानून के साथ संघर्ष में आने के उनके जोखिम के संदर्भ में भी लागू है।

कानून से संघर्षरत् बच्चों के जोखिमों के आगे के विश्लेषण हेतु गतिविधि (1)

विधि: केस स्टडी विश्लेषण तथा चर्चा

सामग्री: केस स्टडीज़ (ऐसी कई हैं जिन्हें हमने नीचे उल्लेख किया है, लेकिन यदि प्रतिभागियों अपनी खुद की केस स्टडीज़ उपयोग करें तो इसके लिये उन्हें प्रोत्साहित किया जा सकता है) – आप अपनी इच्छानुसार उपलब्ध समय के आधार पर कई केस स्टडीज़ का चयन और उपयोग कर सकते हैं।

प्रक्रिया:

- समझाएँ: "हमने यह समझने के लिए कि कैसे बच्चे कानून के साथ संघर्ष में आते हैं कुछ व्यापक रूपरेखाएँ स्थापित की हैं – मानसामाजिक मुद्दे, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं सहित वातावरणीय और व्यक्तिगत कारक; और हमने उन रूपरेखाओं का उपयोग किया है ताकि प्रत्येक व्यक्तिगत बच्चे के अपराध के मार्ग को समझने हेतु आंकलन निर्माण किया जा सके। लेकिन कथित अपराध अंतिम व्यवहार है जिसके परिणामस्वरूप बच्चा कानून से संघर्ष में आता है... 'वास्तविक' अंतर्निहित समस्याएं क्या हैं, जिनके कारण वह वहाँ था? आइए अब हम एक स्तर और नीचे गहराई से जाएं और अंतर्निहित समस्याओं की पहचान करने के लिए हमारे पास मौजूद जानकारी का विश्लेषण करें... हमें समस्या की जड़ में जाने की जरूरत है या अपराध/व्यवहार के पीछे क्या है ताकि हम उचित हस्तक्षेप विकसित कर सकें। यदि हम गहन स्तर पर विश्लेषण नहीं करते हैं, तो हम यह नहीं जान पायेंगे कि हस्तक्षेप के लिए लक्षित करने के लिए वास्तव में क्या समस्याएँ हैं।
- 3 से 5 सदस्यों के उप-समूहों में प्रतिभागियों को विभाजित करें और प्रत्येक उप-समूह को 1 (या 2 प्रश्न यदि कम प्रतिभागी हों) केस स्टडी काम करने को दें।
- प्रतिभागियों से प्रत्येक केस स्टडी को पढ़ने और उस अवलोकन में अवधारणाओं का उपयोग करके विश्लेषण करने के लिए कहें जो आपने अभी प्रदान किया है और:
 - बच्चे के (संभव) परेशानी वाले स्थानों की पहचान करें यानी 'वास्तविक' या अंतर्निहित समस्या क्या है?

- इन अंतर्निहित समस्याओं का क्या असर हो सकता है? या बताएं कि कैसे ये अंतर्निहित समस्यायें आखिरकार बच्चे, के व्यवहार को प्रभावित करती हैं/को कानून के साथ संघर्ष में लाती हैं।
- तो, आपके हस्तक्षेप को किन मुद्दों और समस्याओं को संबोधित करने की आवश्यकता होगी जिससे यह बच्चा बदले और कानून के साथ फिर से संघर्ष में ना आये?
- प्रत्येक उप-समूह को एक के बाद एक, अपने विश्लेषण साझा करने के लिए कहें, दूसरों को टिप्पणी करने और अतिरिक्त दृष्टिकोण प्रदान करने के लिए आमंत्रित करें।

चर्चा:

- पूर्व में चर्चा किये गये जोखिमों के ढांचे पर वापस आये और केस स्टडी पर की गई चर्चाओं का उपयोग जोखिमों और प्रभाव को केस स्टडी से जोड़ने के लिए करें।
- प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करें कि वे कम से कम हस्तक्षेप के लिए स्पष्ट रूप से 2 से 3 दें, जैसे कि गुस्सा नियंत्रण/विशिष्ट जीवन कौशल की कमी या नशामुक्ति कार्यक्रम, जैसा भी प्रकरण हो।

नोट: 1.1 और 1.2 कुछ मायनों में दोहराव से प्रकट हो सकते हैं और वास्तव में वे कुछ हद तक समान हैं जैसे कि वे दोनों कथित तौर पर अपराध के मार्ग को संबोधित करते हैं। हालांकि, गतिविधि 1.1 प्रकृति में परिचयात्मक है, यह एक शुरुवाती दृष्टिकोण का उपयोग करते हुये केवल कुछ बुनियादी समझ को स्थापित करने में मदद करती है, अर्थात् प्रतिभागियों द्वारा कानून से संघर्षरत् बच्चों के अपने स्वयं के अवलोकन और अनुभवों का उपयोग कर बच्चों के व्यवहार/अपराधों हेतु कुछ स्पष्टीकरण विकसित करने हेतु। जबकि, गतिविधि 1.2 का उद्देश्य अधिक व्यावहारिक दृष्टिकोण का उपयोग करके विश्लेषणात्मक सोच को गहन करना है, अर्थात् प्रतिभागियों को कुछ अवधारणाओं, सिद्धांतों और निष्कर्षों का उपयोग करने के लिए व्यक्तिगत व्यवहार की व्याख्या करना है। ये दो गतिविधियां एक दूसरे को समर्थन देते हुये प्रतिभागियों को पुर्नवृत्ति प्रक्रियाओं के माध्यम से अपनी सीख को मजबूत करने हेतु सक्षम बनाती हैं।

चर्चा हेतु केस स्टडीज़:

केस 1: 'क' निम्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि का एक 15 वर्षीय बालक है। पिता को शराब की गंभीर लत है, जिसके कारण घरेलू हिंसा और घर में माता-पिता के बीच वैवाहिक संघर्ष है; बच्चे का उसके पिता द्वारा भी लगातार शारीरिक शोषण किया गया था। बच्चा 8 वीं कक्षा तक विद्यालय में नियमित था। फिर वह पड़ोस/विद्यालय के लड़कों के एक समूह के संपर्क में आया, उसने अपने साथियों के साथ घूमने के लिए विद्यालय छोड़ना शुरू कर दिया। वे नवनिर्मित भवनों से तारों को चुरा लेते थे और भोजन के लिए धन का उपयोग करते थे; वे मादक द्रव्यों के सेवन, मुख्य रूप से बीड़ी-धूम्रपान और सौल्येशन के प्रयोग में शामिल थे। आखिरकार, बच्चा कानून के साथ विवाद में आ गया जब वह अपने दोस्तों के समूह के साथ एक वाहन चोरी करते पकड़ा गया।

केस 2: 'ख' एक निम्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि का 16 वर्षीय बालक है। उसके पिता का निधन हो गया जब वह 12 साल का था, उसकी माँ एक कूड़ा बीनती थीं, और सड़कों पर रहती थीं। घर में गंभीर अभाव और कठिनाइयों के बावजूद, बच्चे को जो कुछ भी वह मांगता था, वह विशेष रूप से उसके पिता द्वारा दिया जाता था, क्योंकि वह एक 'लड़का' था। अपने पिता की मृत्यु के बाद, 'ख' ने विद्यालय जाना बंद कर दिया, और अपने पड़ोस में बड़े लड़कों के एक समूह के साथ घूमना शुरू कर दिया और वह जुआ, भांग धूम्रपान और सौल्येशन के उपयोग में शामिल था। आमतौर पर, मादक पदार्थों के प्रभाव में उसके साथ क्रोध/आक्रामकता के मुद्दे भी थे। ऐसे ही एक अवसर पर, उसने एक अन्य व्यक्ति पर चाकू से हमला किया, जिसके कारण वह कानून के साथ संघर्ष में आ गया।

केस 3: 'ग' मोबाइल फोन चोरी हेतु कानून के साथ संघर्ष में आया – यह संप्रेक्षण गृह में उसका चौथी बार आना है। वह एक विद्यालय से ड्रॉप-आउट है, उसने छठवीं कक्षा तक विद्यालय में पढ़ाई की है, जिसके बाद वह 2 साल के लिए घर पर खाली बैठा रहा। तब से, वह कभी-कभार जब उसे 'पैसे की जरूरत होती है काम कर रहा है, लेकिन नियमित या निरंतर आधार पर कभी उसने काम नहीं किया। उसके पास व्यवहार संबंधी विभिन्न दीर्घकालिक समस्याएं हैं— मादक पदार्थ का सेवन, अभिप्रेरणा की कमी, असावधानी, अति सक्रियता और आवेगशीलता, (इस प्रकार ए0डी0एच0डी0 होन की पुष्टि है)। इन समस्याओं ने उसे विद्यालय और घर पर परेशानी में डाल दिया, जिसमें उसके पिता अक्सर उसका शारीरिक शोषण करते थे। घर पर उसे 'अनुशासित' करने 'के सभी प्रयास विफल हुए। लगभग 1.5 साल पहले, उसकी माँ का निधन हो गया (बच्चा इस बात से अनभिज्ञ है कि उसे किस प्रकार की बीमारी का सामना करना पड़ा) और उसने जो हानि और दुःख का अनुभव किया था, उसके

कारण उसे शराब का उपयोग फिर से शुरू करना पड़ा (जिसे उसने अस्थायी रूप से छोड़ दिया था)।

केस 4: 'घ' निम्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि का एक 16 वर्षीय लड़का है, और उसकी बहुत ही कठिन वित्तीय परिस्थितियां हैं। उसके पिता को दिल की बीमारी है। उसने परिवार को सहयोग करने और निर्माण कार्य में एक दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करने हेतु विद्यालय छोड़ दिया। उसने अपने एक दोस्त को बताया कि उसके पिता बहुत बीमार थे और माँ आवश्यक चिकित्सा उपचार की व्यवस्था करने के लिए संसाधनों को इकट्ठा करने के लिए अत्यधिक चिंतित थी। उसके दोस्त ने उस दिन बाद में उससे मिलने के लिए कहा, यह कहते हुए कि वह उसे कुछ पैसों की मदद कर सकेगा। जब 'घ' मिलने की जगह पर गया, तो उसे अपने दोस्त की योजनाओं के बारे में पता नहीं था और पहली बार में चौंक गया जब उसका दोस्त उसे एक खाली घर में ले गया और उसने वहाँ ताला तोड़ दिया। हालांकि, बच्चे ने उस घर में अपने दोस्त को पैसे और कीमती सामान खोजने में मदद की, जो उन्होंने आपस में बाँट लिया। बच्चा घर गया और उसने अपनी माँ को अपने पिता के इलाज के लिए पैसे दिए। बाद में, उसके दोस्त को पकड़ने वाली पुलिस उसके घर भी आई और उसे भी लूट में शामिल होने हेतु गिरफ्तार कर लिया।

केस 5: 'च' एक 17 वर्षीय लड़का था, जो 6 लोगों में से एक था जिन्होंने एक निजी बस में एक छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार किया था, जो एक पुरुष मित्र के साथ यात्रा कर रही थी। इमरजेंसी में इलाज के दौरान, तेरह दिन बाद छात्रा की मौत हो गई। दिल्ली पुलिस ने किशोर को छह आरोपियों में से सबसे क्रूर बताया। 'च' दस या ग्यारह वर्ष का था जब उसने अपना घर छोड़ा था। सात सदस्यों के एक परिवार का हिस्सा, 'च' सबसे बड़ा बच्चा था। पिता मनोरोग के मरीज थे। काम होने पर बेटियां खेत में मजदूर के रूप में प्रतिदिन 50 रुपये कमाती हैं। जबसे वह शहर में काम करने गया, 'च' की माँ ने उसे पिछले छह-सात वर्षों में दो-तीन बार ही देखा था। उनकी माँ उस्पष्ट रूप से उस समय को याद करती हैं जब उसका जन्म हुआ था। गाँव का बुजुर्ग उसे याद करते हुये एक अन्य ग्रामीण को बताता है कि 'च' एक अच्छा लड़का था, जिससे उसका मतलब था कि उसे याद है कि उसे उसके बारे में याद करने लायक कुछ भी बुरा नहीं है। ढाबे के मालिक के रूप में वह व्यक्ति उसे एक लड़के के रूप में याद करता है जिसके पास मोबाइल फोन नहीं था, वह लड़कियों या क्रिकेट या फिल्मों में शामिल नहीं था। उसकी नौकरियां बिना किसी शिक्षा के एक गरीब लड़के की नौकरियां थीं – बस क्लीनर, बरतन धोने वाला, दूधवाले के लिए सहायक, ढाबा सहायक।

केस 5: 'छ' एक एकल अभिभावक वाले परिवार से 14 वर्षीय बालक है। वह कभी विद्यालय नहीं गया और एक बाल मजदूर था। वह आमतौर पर अपने पड़ोस के दोस्तों के साथ समय बिताता था, जो ज्यादातर उससे उम्र में बड़े थे। एक बार, उन्होंने उसे अश्लील वीडियो दिखाया था जिसके बाद बच्चा यौन संबंधों को लेकर उत्सुक था। अगले दिन, बच्चे ने अपने पड़ोस में रहने वाले 8 साल के एक लड़के को पास की एक खाली इमारत में ले जाकर उसके गुप्तांगों को अनुचित तरीके से छुआ, जिसके बाद वह तब कानून के साथ संघर्ष में जब छोटे बच्चे ने अपने माता-पिता से शिकायत की।

केस 7: 'ज' एक उच्च मध्यम वर्गीय परिवार का 15 वर्षीय लड़का है। वह एक महंगे निजी विद्यालय में पढ़ता था जहाँ वह अपनी सहपाठी के साथ रोमांटिक रिश्ते में था। कुछ महीनों के बाद, लड़की अब उसके साथ नहीं रहना चाहती थी, उसने उसे बताया और दूसरे लड़के के साथ बाहर जाना शुरू कर दिया। 'ज' बहुत गुस्से में था। उसने लड़की के ई-मेल को हैक कर लिया, जिसमें उसने पाया कि लड़की की कुछ नग्न तस्वीरें थीं (जो वह अपने नये प्रेमी के पास भेज रही थी)। 'ज' ने उन तस्वीरों को अपनी कक्षा में (लड़की सहित) सभी को भेज दिया। लड़की के माता-पिता ने विद्यालय और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद 'ज' पर पॉक्सो के अंतर्गत आरोप लगाये गये।

केस 8: 'म' मध्यम सामाजिक-आर्थिक परिवार से एक 17 वर्षीय लड़का है। उसने दसवीं की पढ़ाई पूरी की थी और एक गैराज में काम करने लगा। वह एक 16 साल की लड़की, जो उसके पड़ोस में रहती थी, के साथ एक आपसी सहमति से, रोमांटिक संबंध में था। हालाँकि दोनों परिवारों ने इस रिश्ते का विरोध किया और जिससे उन्हें यह डर था कि वे अलग हो जाएंगे, वे दूसरे शहर भाग गए और उन्होंने एक मंदिर में 'शादी कर ली' और 6 महीने तक एक साथ रहे (लड़का किसी की संपत्ति में काम कर रहा था)। लड़की के माता-पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और जब लड़का और लड़की उन्हें वापस मिले, तो लड़के पर अपहरण और बलात्कार (पॉक्सो) का आरोप लगाया गया।

केस 9: 'भ' अपनी कक्षा की एक लड़की के साथ आपसी सहमति से रोमांटिक संबंध में एक 16 वर्षीय लड़का है। उन्होंने विवाह की दीर्घकालिक योजनाएँ पहले ही बना ली थीं। लड़की ने 'भ' को बताया कि उसे डर था कि उसके माता-पिता उसकी शादी किसी और से कर सकते हैं। इसलिए, उसने उनकी एक साथ की नग्न तस्वीरें

लेने और अपने माता-पिता को भेजने का सुझाव दिया-ताकि 'जिससे उन्हें हमारी शादी करनी पड़े'। 'भ' को यकीन नहीं था कि यह सही काम है। लेकिन जब उसने मना कर दिया, तो लड़की ने कहा कि 'अगर तुम मुझसे प्यार करते हो, और तुम सच में मुझसे शादी करना चाहते हो, तो तुम यह करोगे... वरना, इसका मतलब है कि तुम ऐसा नहीं चाहते... और मैं आत्महत्या कर लूंगी'। तो, 'भ' ने अंततः नग्न तस्वीरें लीं और उन्हें दोनों के माता-पिता के पास भेज दिया, जिसके बाद लड़की के माता-पिता ने शिकायत की और उस पर पॉक्सो के अंतर्गत आरोप लगाए गए।

केस 10: 'स' एक एकल-अभिभावक वाले परिवार से एक 15 वर्षीय किशोर है; उसके पिता (जिनकी मृत्यु हो गई) एक शराबी थे और घर पर घरेलू हिंसा थी और जिसका बच्चा भी शिकार था। उसने विद्यालय छोड़ने का फैसला किया और मादक द्रव्यों के सेवन में मुख्य रूप से शराब और सौल्यूशन लेना शुरू कर दिया। उसने अपने साथियों के साथ, मादक पदार्थों की खरीद के लिए, चोरी करना शुरू कर दिया।

उसके पास अपने साथियों के साथ, उन मादक पदार्थों को साझा करने की एक प्रणाली थी जिन्हें वे खरीदने में कामयाब होते थे। ऐसे में एक बार उनमें आपस में संघर्ष हुआ। बच्चे ने अपने दो साथियों को उसे मारने की साजिश रचते हुए सुना; इसलिए, जब वे सो गए, तो उसने उन्हें वास्तव में बुरी तरह से चोट पहुंचाने का फैसला किया ताकि वे उससे डरें। लेकिन ऐसा करने में, उसने उन्हें मार दिया। जिसके बाद वह हत्या के लिए कानून के साथ संघर्ष में आया।

केस 11: 'ह' एक मध्यम वर्गीय परिवार से है जिसमें कोई महत्वपूर्ण पारिवारिक समस्या नहीं है (यानी कोई घरेलू हिंसा/माता-पिता का वैवाहिक संघर्ष/मानसिक तनाव नहीं)। बच्चे की कोई बौद्धिक या विकासात्मक अक्षमता नहीं है और न ही उसे कोई भावनात्मक समस्या है; उसे शोषण और आघात का कोई कठिन अनुभव भी नहीं था। उसके पास चोरी, आक्रामकता, कामचोरी और अन्य नियम तोड़ने वाले व्यवहारों के साथ-साथ मादक द्रव्यों के सेवन (जैसे शराब, तंबाकू और भांग) से संबंधित व्यवहार की समस्याओं का एक लंबा इतिहास है। वह एक बड़े किशोर द्वारा अक्सर परेशान किया गया था - जो पड़ोस में बच्चों और युवाओं को धमकाने के लिए जाना जाता था। इस प्रकार, 'ह' ने उसे 'खत्म' करने का फैसला किया और एक दिन, शराब के प्रभाव में (जिसे उसने 'अधिक साहस' के लिए पिया था), किशोर को मार डाला, जिसके बाद वह कानून के साथ विवाद में आ गया।

कानून से संघर्षरत् बच्चों के जोखिमों के आगे के विश्लेषण हेतु गतिविधि (2)

विधि: फिल्म दिखाना और विचार लेना।

सामग्री: काका मुताई की एक तमिल फिल्म (अंग्रेजी उप-शीर्षक के साथ)। यह फिल्म एक झुग्गी समुदाय में रहने वाले दो बच्चों के बारे में है, जो अपने घर के पास खुलने वाली पिज्जा की दुकान से पिज्जा का स्वाद लेने के लिए कैसे तरस रहे हैं; यह इस बारे में है कि कैसे वे पिज्जा खरीदने के लिए पैसों का इंतजाम करने की कोशिश करते हैं और उसके बाद क्या होता है... हमारे समाज में विभिन्न वर्ग विभाजित होते हैं और बच्चों की आकांक्षाएं वैश्वीकरण और उपभोक्तावाद की संस्कृति से कैसे प्रभावित होती हैं... जो इच्छा का अर्थ है।

प्रक्रिया:

- फिल्म दिखना

चर्चा:

- हम प्रसंस्करण के 3 स्तरों के माध्यम से फिल्म पर प्रतिबिंबित करते हैं:
 - फिल्म में प्रभावशाली और अविस्मरणीय पात्रों/छवियों/मुद्दों/दृश्यों की बुनियादी भावना और सहानुभूति साझा करना।
 - आप फिल्म में किस मनोवैज्ञानिक विषय के उपयोग का अनुभव करते हैं? विशेष रूप से कानून से संघर्षरत् बच्चों से संबंधित प्रासंगिक विषय क्या हैं?
 - हम कानून से संघर्षरत् बच्चों के साथ अपने काम को सूचित करने के लिए इन विषयों की समझ का उपयोग कैसे कर सकते हैं?
- यदि आप इस फिल्म का उपयोग कानून से संघर्षरत् बच्चों के समूह के साथ कर रहे हैं, तो आप किस प्रकार के प्रश्नों और विषयों पर चर्चा करेंगे? (प्रतिभागियों से सवालों की सूची विकसित करने के लिए कहें क्योंकि वे फिल्म देखते हैं)।

नोट: इस गतिविधि के साथ प्रशिक्षण के दिन (विशेष रूप से दिवस 1 और 2) को समाप्त करना उपयोगी होगा। इसे शाम 5 बजे के बाद भी किया जा सकता है क्योंकि यह सुखद है और प्रतिभागियों को आराम व मनोरंजन करने की अनुमति देती है, लेकिन साथ ही प्रशिक्षण और बच्चों के साथ काम करने के लिए प्रासंगिक मुद्दों की पहचान को जारी रखता है।

2. कानून से संघर्षरत् बच्चों का मूल्यांकन

2.1 कानून से संघर्षरत् बच्चों हेतु मनोसामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य मूल्यांकन

उद्देश्य

- यह सीखना कि कानून के साथ संघर्ष में बच्चों के लिए मनोसामाजिक मूल्यांकन कैसे करें।
- मूल्यांकन के माध्यम से प्राप्त जानकारी के आधार पर एक सारांश और देखरेख योजना विकसित करने में सक्षम होना।

समय

२ घण्टा

अवधारणा

हमें कानून के साथ संघर्ष प्रत्येक बच्चे का एक विस्तृत मनोसामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य मूल्यांकन करने की आवश्यकता क्यों है? मूल्यांकन के उद्देश्य क्या हैं?

- अपराध के लिए रास्ते की पहचान करना (किसी बच्चे के जोखिम में होने की क्या परिस्थितियाँ हैं, और वह कानून के साथ संघर्ष में कैसे आया?)।
- किसी भी मनोचिकित्सा/मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों की जाँच करना जिनके लिए बच्चे को इलाज की आवश्यकता है।
- एक देखरेख योजना विकसित करना जो बच्चे की सहायता करेगी:
 - व्यवहार परिवर्तन
 - सामाजिक पुनर्वास

मनोसामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य मूल्यांकन के विकास के लिए विचार ...

- गुणवत्तापूर्ण मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन को सुनिश्चित करना जो कि अपराध की परिस्थितियों की एक स्पष्ट तस्वीर प्रदान करता है – एक वह भी जो सही अनुपात के मुद्दों पर विचार करता है, बच्चों के घर में, विद्यालय में, काम के स्थान पर, दुर्व्यवहार और आघात तथा मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं पर बच्चों के अनुभवों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त करने के माध्यम से। इस उपकरण को एक सामाजिक-जनसांख्यिकी रिपोर्ट से अधिक होना चाहिए, जो बच्चे के परिवार और उसकी शिक्षा पर कुछ सामान्य जानकारी और उसके द्वारा कृत्य अपराध के बारे में जानकारी प्रदान करता हो।
- 'मान्य' उपकरणों (टूल) का उपयोग करने के कानूनी विचारों को समायोजित करना। इस उपकरण (टूल) में कुछ मान्य जाँच सूची और मानक शामिल हैं, मुख्य रूप से मानसिक स्वास्थ्य विकार के निदान के लिए। मानक और जाँच सूची (चेकलिस्ट)

मानकीकृत तरीकों से निदान प्रदान करने तथा गंभीरता और परिणामों के बारे में निर्णय लेने और दवा, चिकित्सा और रेफरल जरूरतों के बारे में निर्णय लेने में सहायता प्रदान करते हैं। इसके साथ ही, ये जाँच सूची (चेकलिस्ट) और मानक परामर्शदाताओं के लिए बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य विकारों के लिए बच्चों का आकलन करना तीव्र और आसान बनाते हैं।

- जबकि उपकरण (टूल) विस्तृत है और इसके लिए कुछ अभ्यास की आवश्यकता है (जिसके बाद इसका उपयोग आसान और तीव्र हो जाता है), यह इस आधार पर विकसित किया गया है कि: प) बाल देखरेख सेवाओं में हमेशा तकनीकी रूप से कुशल कार्मिकों की कमी होगी और इसलिए मौजूदा कार्मिकों के कौशल को तेज और उन्नत करने की आवश्यकता है। दूसरे शब्दों में, बाल देखरेख सेवाओं के कम-कुशल कर्मचारियों/क्षमताओं को पूरा करने के लिए सभी उपकरणों (टूल) निरंतर उन्नत नहीं किया जा सकता है, फिर उनकी प्रासंगिकता और योगदान क्या होगा? इस उपकरण को विकसित करने के दौरान एक अधिक प्रगतिशील दृष्टिकोण लिया गया है, जिसमें हमें लगता है कि कार्मिकों को प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है और उन्हें चुनौती देने की आवश्यकता है, ताकि वे बच्चों की जटिल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दृढ़ रहें।
- बाल मनोचिकित्सा देखरेख में सामुदायिक सेवा प्रदाताओं के लिए एक आकलन विकसित करना जिसे वे कुछ प्रशिक्षण की सहायता से अत्यंत सरलता के साथ उपयोग करने में सक्षम हो य लेकिन यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि प्रारूप (प्रोफार्मा) इतना सरलीकृत नहीं हो कि जानकारी बहुत व्यापक या कम हो या पर्याप्त नहीं हो, ताकि बच्चे को सहायता प्रदान करने के लिए या परिवर्तन के लिए हस्तक्षेप विकसित करने के लिए आवश्यक समझ प्रदान की जा सके।

(नीचे प्रस्तुत मनोसामाजिक-मानसिक स्वास्थ्य प्रोफार्मा को कई सौ बच्चों के साथ वास्तविक कार्यक्षेत्र के माध्यम से विकसित किया गया है और अब इसका उपयोग न केवल NIMHANS में कानून से संघर्ष में बच्चों के साथ ही नहीं के लिए बल्कि अन्य राज्यों में भी किया जा रहा है।)

याद रखें कि कुछ बाल देखरेख कार्यकर्ता/सेवा प्रदाता/कार्यकर्ता द्वारा कोई आकलन न किये जाने का निर्णय लेना मददगार नहीं है ! कोई भी कानून से संघर्षरत बच्चों के साथ आंकलन और काम करने के कौशल के साथ पैदा नहीं हुआ है.... और इसलिए, हमें उन्हें सीखने और विकसित करने की आवश्यकता है। तथाकथित तकनीकी विशेषज्ञता की कमी का कारण यह नहीं हो सकता है कि हम आंकलन न करें... क्योंकि अगर हम व्यवस्थित आकलन नहीं करते हैं, तो हम इन अति संवेदनशील बच्चों को बहुत आवश्यक सहायता और हस्तक्षेप प्रदान नहीं कर पाएंगे।

मनोसामाजिक-मानसिक स्वास्थ्य मूल्यांकन (1) के लिए गतिविधि

विधि: अभ्यास और चर्चा

सामग्री: मूल्यांकन प्रारूप – प्रत्येक प्रतिभागी को 1 कॉपी, विशेषतः उनके उपयोग की भाषा में अनुवादित। प्रारूप (प्रोफार्मा) के लिए अनुलग्नक 1 देखें। (मूल्यांकन प्रारूप पर विस्तृत दिशानिर्देश अनुलग्नक 2 में भी उपलब्ध हैं – यह अनुशंसा की जाती है कि सुगमकर्ता उन्हें पढ़ता है और प्रतिभागियों को प्रतियां भी प्रदान करता है)।

प्रक्रिया और चर्चा:

- प्रतिभागियों को मूल्यांकन प्रारूप से परिचित कराने में मदद करें:
 - मूल्यांकन प्रारूप में प्रत्येक प्रश्न पर चर्चा करें अर्थात् इसे विस्तार से पढ़ें, और यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रतिभागी विभिन्न पहलुओं पर सवाल पूछने और जानकारी दर्ज करने के तरीके को समझते हैं।
 - प्रत्येक प्रश्न से निकलने वाली जानकारी की प्रकृति पर भी चर्चा करें और इसका उपयोग कैसे किया जा रहा है/यह हस्तक्षेप योजनाओं में कैसे महत्वपूर्ण होगा, इस पर भी चर्चा करें।
- प्रतिभागियों को मूल्यांकन प्रारूप का उपयोग करने की अनुमति दें:
 - प्रतिभागियों को जोड़े में विभाजित करें, जिसमें एक व्यक्ति काउंसलर की भूमिका में हो और दूसरा कानून से संघर्षरत बच्चे की भूमिका में।
 - काउंसलर की भूमिका निभाने वाला व्यक्ति बच्चे की भूमिका निभाने वाले व्यक्ति का मूल्यांकन प्रारूप को भरता है – यह प्रतिभागियों को प्रारूप का उपयोग करने का अभ्यास करने की अनुमति देता है।
 - आधा अभ्यास करने के बाद, भूमिकाओं को उलटा किया जा सकता है ताकि सभी प्रतिभागियों को मूल्यांकन प्रोफार्मा का उपयोग करने का अभ्यास करने का मौका मिले।
 - प्रतिभागियों को आपके साथ उन सवालों के बारे में जाँचने के लिए प्रोत्साहित करें जो पूछना मुश्किल है/स्पष्ट नहीं है।
 - प्रतिभागियों को पूर्ण प्रारूप रखने के लिए अनुरोध करें (उन्हें प्रारंभिक मूल्यांकन प्रारूप गतिविधि के लिए उनका उपयोग करने की आवश्यकता होगी)।

** यह प्रारूप मौजूदा सामाजिक जाँच रिपोर्ट (एस0आई0आर0) फॉर्म के साथ प्रयोग किया जा सकता है।*

** नोट: यह अनुशंसा की जाती है कि कार्यशाला में ऑन-द-जॉब फील्ड प्रशिक्षण किया जाता है, जिसमें प्रतिभागी सम्प्रेक्षण गृह/किसी अन्य कानून के साथ संघर्षरत बच्चों हेतु व्यवस्था में बच्चों के साथ मूल्यांकन प्रारूप का उपयोग करके अभ्यास कर सकते हैं। कक्षा में रोलप्ले (एक काल्पनिक सेटिंग), बच्चों के साथ सीधे उपयोग करने से बहुत अलग हो सकता है!*

मनोसामाजिक-मानसिक स्वास्थ्य मूल्यांकन (2) के लिए गतिविधि

विधि: फिल्म क्लिप दिखाना और चर्चा

सामग्री: प्रशिक्षण फिल्म क्लिप निम्न विषयों पर:

- 'मूल्यांकन-कैसे शुरू करें'
- 'मूल्यांकन-साथियों का प्रभाव'
- 'मूल्यांकन-आघात और शोषण'
- 'मूल्यांकन-बच्चों के अपराध का लेखा-जोखा'
- 'मूल्यांकन-अंतर्दृष्टि, प्रेरणा और कौशल'

(ये क्लिप यह दर्शाती है कि मूल्यांकन प्रारूप के कुछ अधिक जटिल अनुभागों के बारे में पूछताछ कैसे करें/जानकारी कैसे प्राप्त करें।)

प्रक्रिया:

- प्रत्येक क्लिप को स्क्रीन करें (और इस पर चर्चा करें)।
- प्रतिभागियों से मूल्यांकन प्रारूप का परामर्शदाता के द्वारा उपयोग करने का निरीक्षण करने के लिए कहें और परामर्शदाता, परामर्श कौशल (हमने जो भी सीखा है) का उपयोग करते हुए कैसे पूछताछ करती हैं।

चर्चा :

- प्रतिभागियों को अपने अवलोकन की टिप्पणियों को साझा करने के लिए आमंत्रित करें।
- उनके द्वारा अभी-अभी देखी गई फिल्म क्लिप के आधार पर मूल्यांकन प्रारूप के कुछ और अधिक जटिल खंडों को आजमाने के लिए कहें।

'नोट: यह फिल्म क्लिप देखने और चर्चा गतिविधि प्रतिभागियों को प्रारूप को आजमाने के लिए पिछली गतिविधि से पहले की जा सकती है यानी वे क्लिप देख सकते हैं और फिर प्रारूप को प्रशासित करने का प्रयास कर सकते हैं।

2.2 कानून से संघर्षरत बच्चों के लिए प्रारंभिक आंकलन

उद्देश्य

- यह समझना कि प्रारंभिक मूल्यांकन क्या कहता है (किशोर न्याय अधिनियम 2015 की धारा 15 के अंतर्गत)।
- बाल अधिकारों और बच्चों के सर्वोत्तम हितों के सिद्धांतों के अनुसार प्रारंभिक मूल्यांकन रिपोर्ट विकसित करना सीखना।

समय

2 घण्टा

अवधारणा

किशोर न्याय बोर्ड के मजिस्ट्रेट मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों से अनुरोध कर सकते हैं कि वे 16 वर्ष या उससे अधिक उम्र के सभी बच्चों की मानसिक क्षमताओं का आंकलन करें जिन्होंने कथित तौर पर नए किशोर न्याय अधिनियम, दिसंबर 2015 के तहत धारा 15 के अनुसार जघन्य अपराध किया है। इस प्रकार, किशोर न्याय बोर्ड (जे0जे0बी0) मजिस्ट्रेट के अनुरोध पर, मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर विशिष्ट बच्चों का मूल्यांकन करते हैं और बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्रदान करते हैं, यदि कोई है। {जबकि अधिनियम कहता है कि प्रारंभिक आंकलन किशोर न्याय बोर्ड द्वारा किया जाना चाहिए, संभवतः इस मूल्यांकन की कई अस्पष्टताओं के कारण, अक्सर बच्चों को मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए संदर्भित किया जाता है}।

किशोर न्याय अधिनियम 2015 के अनुसार, प्रारंभिक मूल्यांकन का उद्देश्य, 'कथित अपराध में बच्चे की भूमिका का मूल्यांकन करना है तथा साथ ही साथ उसकी मानसिक स्थिति और पृष्ठभूमि का भी पता लगाना है'।

किशोर न्याय अधिनियम (धारा 15) के अनुसार, प्रारंभिक मूल्यांकन निम्न तीन प्रश्न पूछता है:

- 1) क्या बच्चे में ऐसा अपराध करने की मानसिक क्षमता है?
- 2) क्या बच्चे में अपराध के परिणामों को समझने की क्षमता थी?
- 3) वे परिस्थितियाँ जिसमें उसने कथित रूप से अपराध किया है।

कई बाल अधिकार कार्यकर्ताओं और बाल मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों की तरह, NIMHANS टीम (जिन्होंने इस प्रारूप को विकसित किया है), नए किशोर न्याय अधिनियम में धारा 15 के पक्ष में नहीं था जिसमें प्रारंभिक मूल्यांकन का समर्थन किया गया है – क्योंकि हम यह मानते हैं कि किसी भी परिस्थिति में बच्चों को वयस्क प्रणालियों में परीक्षण के लिए स्थानांतरित नहीं किया जाना चाहिए। इसके कई कारण हैं – न्यूरो-बायोलॉजिकल से लेकर, जो यह बताते हैं कि किशोर का मस्तिष्क और उसकी कार्यप्रणाली किस प्रकार से अलग हैं, जिससे किशोर कुछ प्रकार के व्यवहार के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं... जोखिम और अनुपातिकता² के मुद्दों को पहचानने का महत्व तक; दुनिया भर में, ऐसे बच्चों के साथ अनुसंधान और अनुभव दोनों ने दिखाया है कि सुधारात्मक और पुनर्स्थापन न्याय दृष्टिकोण की तुलना में प्रतिशोधात्मक न्याय दृष्टिकोण प्रभावी नहीं है। साथ ही, कानून से संघर्षरत बच्चों के मुद्दों को संबोधित करने और उनकी सहायता करने के लिए किशोर न्याय अधिनियम के तहत पर्याप्त प्रावधान हैं।

हालाँकि, हम सहमत हैं या नहीं, परन्तु धारा 15 प्रस्तुत की गई है, और अभी के लिए, यह एक कानून है। यदि प्रारंभिक आंकलन को लागू करने के लिए कोई व्यवस्थित तरीका नहीं अपनाया गया, तो उन्हें बेतरतीब ढंग से लागू किया जाएगा, बिना किसी अपेक्षित ज्ञान और कौशल के मानसिक बाल स्वास्थ्य और/या कानून से संघर्षरत बच्चों के साथ काम करने के लिए। यहाँ तक कि मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों के अनुभव और कौशल बेहद विविध हैं। दूसरे शब्दों में, एक प्रारंभिक आंकलन रिपोर्ट जो एक मनोचिकित्सक किशोर न्याय बोर्ड को प्रदान कर सकता है जो कई प्रकारों पर निर्भर करेगा जैसे कि :

- किशोर न्याय अधिनियम की धारा 15 और उसके निहितार्थ पर उनके विचार (ऐसे लोग जो वैचारिक रूप से नए संशोधन के साथ सहमत नहीं हैं और इसलिए प्रारंभिक आंकलन के अनुपालन/कार्यान्वयन के लिए अनिच्छुक हैं);
- इन बच्चों के बारे में उनकी जरूरतों और कमजोरियों के बारे में उनकी समझ की गहराई और बारीकियां (कानून के साथ संघर्षरत बच्चे को 'समस्या' वाले बच्चों के रूप में देखना जिनमें आचरण और व्यवहार के मुद्दे हो और, जिनमें व्यवहारिक संशोधन की आवश्यकता होती है, बनाम इन बच्चों की व्यक्तिगत और सामाजिक कमजोरियों के संदर्भ में अपराध की परिस्थितियों को समझने में सक्षम है।)

²अनुपातिकता से तात्पर्य कथित अपराध की गंभीरता और बच्चे द्वारा आने वाली परिस्थितियों की गंभीरता के बीच संतुलन से है। इस तथ्य को देखते हुए कि ज्यादातर कानून से संघर्षरत बच्चे उपेक्षा, शोषण, गरीबी, गरीब अभिभावकीय पर्यवेक्षण, स्कूली शिक्षा की कमी और अन्य जटिल अवसरों की पृष्ठभूमि से आते हैं, वे मानसिक स्वास्थ्य और मनोसामाजिक मुद्दों के खतरों में हैं। इस तथ्य को प्रणालीगत निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में वैधता दिए जाने की आवश्यकता है।

- बाल मानसिक स्वास्थ्य में ज्ञान और कौशल का विस्तार (जो बाल मानसिक स्वास्थ्य में पेशेवर के काम/अभ्यास की मात्रा पर भी निर्भर करता है)।

अब प्रश्न है : हम कानून को इस तरह से कैसे लागू करते हैं कि हम अभी भी बच्चे की सहायता करने, बाल अधिकारों को बरकरार रखने की कोशिश करते हैं और इसलिए, स्थानांतरण निर्णयों को प्रभावित करते हैं अर्थात् बच्चों को परीक्षण की वयस्क प्रणालियों में स्थानांतरित करने से बचाने के लिए प्रयास करते हैं? NIMHANS द्वारा डिजाइन और कार्यान्वित प्रारंभिक मूल्यांकन इस प्रकार से कथित अपराध के लिए कानून से संघर्षरत बच्चों की क्षमता का आँकलन करने के लिए मानसिक स्वास्थ्य लेंस (अर्थात् मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से) का उपयोग करता है – और दिए गए बच्चे की कमजोरियों को उजागर करने पर ध्यान केंद्रित करता है, ताकि यह तर्क दिया जा सके कि बच्चे को मानसिक स्वास्थ्य और पुनर्वास हस्तक्षेप (स्थानांतरण नहीं) की आवश्यकता है।

मानसिक स्वास्थ्य—मनोसामाजिक मूल्यांकन और प्रारंभिक मूल्यांकन के बीच अंतर

मानसिक स्वास्थ्य—मनोसामाजिक मूल्यांकन	प्रारंभिक आंकलन
कानून के साथ संघर्ष में आने वाले सभी बच्चों को प्रशासित करना,	केवल उन लोगों के लिए प्रशासित किया जाता है, जो 16 वर्ष से 18 वर्ष के बीच के हैं, और जघन्य अपराधों के लिए किशोर न्याय बोर्ड मजिस्ट्रेट के अनुरोध पर (कानून द्वारा परिभाषित) किया जाता है।
पहले आयोजित किया जाएगा (प्रारंभिक मूल्यांकन से पहले) और सीधे बच्चे के साथ।	विस्तृत मनोसामाजिक—मानसिक स्वास्थ्य मूल्यांकन के आधार पर विकसित (भरा गया) किया गया है; और बच्चे के साथ किसी और पूछताछ की आवश्यकता नहीं है।
इसमें एक ब्यौरा है, अर्थात् बच्चे के द्वारा किये गए कथित अपराध का बच्चे का संस्करण।	इसमें अपराध की घटना का कोई विवरण शामिल नहीं है; यह केवल व्यापक मनोसामाजिक संदर्भ और परिस्थितियों या बच्चे की कमजोरियों पर ध्यान केंद्रित करता है (जिसके कारण अपराध करना एक कमजोरी हो सकती है)।
मुख्य रूप से देखरेख की योजनाओं को	मानसिक स्वास्थ्य मनोसामाजिक मूल्यांकन

<p>डिजाइन करने के उद्देश्य से उपयोग के लिए/बच्चे की सहायता के लिए हस्तक्षेप – अतः, मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से गोपनीयता बनाए रखने की आवश्यकता है।</p>	<p>में विश्वास में बच्चे ने जो भी खुलासा किया है (विशेष रूप से अपराध के संबंध में) वह प्रारंभिक मूल्यांकन रिपोर्ट में साझा नहीं किया गया है।</p>
<p>यहाँ तक कि उन मामलों में जहां प्रारंभिक आंकलन नहीं किया गया है, इस प्रोफार्मा से जानकारी एक पत्र में संक्षेप में लिख कर किशोर न्याय बोर्ड के साथ साझा की जाती है।</p>	<p>अनुरोध किए जाने पर किशोर न्याय बोर्ड में प्रस्तुत किया गया।</p>

प्रारंभिक मूल्यांकन में इन तीन सवालों को समझने या व्याख्या करने में विवरण के अभाव में संबोधित करने की आवश्यकता होती है, NIMHANS प्रोजेक्ट (जिसने प्रारंभिक मूल्यांकन प्रारूप विकसित किया) ने उनकी निम्नानुसार व्याख्या की, यानी कि प्रारंभिक आंकलन में विचार करना चाहिए या इसके आधार पर होना चाहिए:

- बच्चे के सर्वोत्तम हित अर्थात् उसे परिवर्तन और पुनर्वास का मौका देना।
- बाल अधिकार
- बाल मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों की समझ, विशेष रूप से कठिन परिस्थितियों में बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे
- उपचार, व्यवहार परिवर्तन और पुनर्वास पर विचार करें

प्रारंभिक मूल्यांकन के लिए गतिविधि

विधि: अभ्यास और चर्चा

सामग्री: मूल्यांकन प्रारूप – प्रत्येक प्रतिभागी को 1 प्रति, अधिमानतः उनके उपयोग की भाषा में अनुवादित। प्रारूप के लिए अनुलग्नक 3 देखें। (मूल्यांकन प्रारूप पर विस्तृत दिशानिर्देश अनुलग्नक 4 में भी उपलब्ध हैं – यह अनुशंसा की जाती है कि सुगमकर्ता उन्हें पढ़ता है और प्रतिभागियों को प्रतियां भी प्रदान करता है)

प्रक्रिया और चर्चा:

- प्रतिभागियों को मूल्यांकन प्रोफार्मा से परिचित कराने में सहायता करें।
- मूल्यांकन प्रोफार्मा में प्रत्येक प्रश्न पर चर्चा करें अर्थात् इसे विस्तार से पढ़ें, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रतिभागी यह समझे कि विस्तृत मनो-सामाजिक-मानसिक स्वास्थ्य प्रारूप से जानकारी का उपयोग करते हुए, इस फॉर्म में जानकारी कैसे भरें।
- प्रतिभागियों से उन जोड़ों में बने रहने के लिए कहें, जिनमें उन्होंने मनो-सामाजिक मानसिक स्वास्थ्य का प्रारूप पूरा किया था।
- अब प्रतिभागियों (उनके जोड़े में) को मानसिक स्वास्थ्य-मनोसामाजिक प्रारूप पर दी गई जानकारी का उपयोग करते हुए, प्रारंभिक मूल्यांकन को भरने के लिए कहें।
- प्रतिभागियों को आपके साथ उन सवालों के बारे में जाँचने के लिए प्रोत्साहित करें जिन्हें पूछना मुश्किल है/स्पष्ट नहीं है।
- पूर्ण रूप में कुछ प्रारंभिक आकलन साझा करने का अनुरोध करें।

‘सुगमकर्ता के लिए एक उदाहरण का उपयोग कर के यह दर्शाना कि प्रारंभिक मूल्यांकन को कैसे पूर्ण रूप से भरना है, उपयोगी हो सकता है – इससे पहले कि हर कोई जोड़े में कार्य करने का प्रयास करता है।

3. कानून से संघर्षरत बच्चों
हेतु मनोसामाजिक व
मानसिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप

3.1 मनोसामाजिक तथा मानसिक स्वास्थ्य चिंताओं पर प्रथम चरण की प्रतिक्रियायें

उद्देश्य

- प्रतिबिंब और व्यवहार परिवर्तन के साथ कानून से संघर्षरत् बच्चों की सहायता के लिए पहली प्रतिक्रिया प्रदान करने के बारे में जानने हेतु।
- विभिन्न बच्चों और समस्या संदर्भों के साथ इन प्रतिक्रियाओं का उपयोग करने का अभ्यास करना।

समय

3.5 घंटा

अवधारणा

कई समस्या संदर्भ या समस्या व्यवहार हैं जिनके कारण बच्चे कानून के साथ संघर्ष में आ जाते हैं। इनमें से कुछ सामान्य – चोरी, हिंसा और आक्रामकता, यौन शोषण और मादक द्रव्यों का (अपराध) हैं। बाल कार्यकर्ता/परामर्शदाता, विस्तृत मनोसामाजिक मूल्यांकन के प्रशासन के बाद, बच्चे को जो प्रतिक्रियायें प्रदान करते हैं वे प्रथम चरण की प्रतिक्रियाओं के रूप में जानी जाती हैं। इसमें लगभग एक घंटे का समय लग सकता है और बच्चे में व्यवहार परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू करने में मदद कर सकता है। यह निम्न चर्चा पर जोर देता है:

- ✓ अंतर्दृष्टि सुगमता
- ✓ परिवर्तन के लिए आधार और प्रेरणा (संप्रेक्षण गृह से बाहर होने के अतिरिक्त)
- ✓ भविष्य हेतु अभिमुखीकरण (उनकी भविष्य की योजनाओं/महत्वाकांक्षाओं पर वर्तमान व्यवहारों का प्रभाव)
- ✓ चोरी, हिंसा और मादक द्रव्यों के सेवन और उच्च जोखिम वाले यौन व्यवहार (कार्य के अच्छे और बुरे प्रभाव) जैसे व्यवहारों में परिणामों और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं की जांच करना – स्वास्थ्य, परिवार और दोस्तों के साथ संबंध, आय/आर्थिक स्थिति पर प्रभाव
- ✓ क्रोध प्रबंधन और नियंत्रण रणनीतियाँ
- ✓ संघर्ष समाधान (संक्षेप में/कुछ उदाहरणों के साथ)
- ✓ अन्य लोगों की भावनाओं/सहानुभूति को ध्यान में रखते हुए
- ✓ यौन निर्णय लेने के लिए रूपरेखा
- ✓ चिंता प्रबंधन और नियंत्रण रणनीतियाँ (आंतरिक विकारों वाले बच्चों के लिए)

- ✓ हानि को स्वीकारना और मान्य करना; हानि के अनुभवों की प्रारंभिक प्रक्रिया के लिए स्मृति कार्य का उपयोग करना।
- ✓ शोषण के अनुभवों को स्वीकारना और मान्य करना; शुरुवात में शोषण के आंतरिककरण का मुकाबला करने हेतु आत्मसम्मान और पहचान कार्य विधि का उपयोग।

प्रथम चरण की प्रतिक्रियाओं का मूल्यांकन सभी बच्चों के लिए किया जाता है (आदर्श रूप से, हर बच्चे के साथ जो गृह में आता है) होना चाहिए। बच्चों के साथ कोमल, उत्साहजनक, बिना किसी पूर्वाग्रह के, प्रतिबिंबित करने वाले और परिप्रेक्ष्य लेने के तरीकों का उपयोग कर बातचीत की जाती है; इसका उद्देश्य, व्यवहार परिवर्तन को सुविधाजनक बनाने हेतु आगे की चर्चा और गहन चिकित्सा कार्य (यदि आवश्यक हो) को सक्षम करने के लिए बच्चे के साथ एक तालमेल बनाना भी है।

प्रभावकारी परिवर्तन और व्यवहार परिवर्तन के लिए एक रूपरेखा

प्रशिक्षण कार्यशाला 1 की तरह, हमने बच्चों की भावनाओं और व्यवहारों (संदर्भ-अनुभव-आंतरिक आवाज-भावना-व्यवहार) के विश्लेषण के लिए एक रूपरेखा सीखी है। हम अब एक और रूपरेखा सीखने जा रहे हैं, जिसमें बच्चों को प्रतिक्रिया प्रदान किया जाना है। जो भी (समस्या) व्यवहार, परिवर्तन के लिए लक्षित होता है, उसमें हस्तक्षेप का एक ढांचा होता है जिसमें 4 चरण होते हैं, अर्थात् 1) भावनाओं/जरूरतों/इच्छाओं की प्राप्ति, 2) अंतर्दृष्टि सुगमता, 3) परिवर्तन के लिए प्रेरणा, और 4) व्यवहार परिवर्तन।

व्यवहार परिवर्तन की रूपरेखा ...

- बच्चों के लिए प्रथम चरण की प्रतिक्रियाओं के लिए उपयोग किया जाना है।
- चिकित्सक एक ही सत्र में रूपरेखा के सभी 4 चरणों को इस्तेमाल कर सकता है या यदि समयसीमा अनुमति देती है, तो एक समय में एक चरण पर ध्यान केंद्रित करें यानी प्रति सत्र एक चरण।
- जबकि 4 चरण पुनरावृत्त हैं और इसलिए एक रेखीय तरीके से (एक के बाद एक) निर्धारित किए गए हैं, और वास्तव में उन्हें उसी तरह से लागू किया जाना चाहिए, चिकित्सक को उनके बीच पीछे और आगे बढ़ना होगा और कुछ चरणों को दोहराना होगा। उदाहरण के लिए, व्यवहार परिवर्तन की विधियों पर चर्चा करते समय (चरण 4), यदि आप पाते हैं कि बच्चे में अभी भी परिवर्तन हेतु प्रेरणा संबंधी मुद्दे हैं (वास्तव में अभी तक बदलाव नहीं करना चाहता है) तो उक्त की पुनरावृत्ति होगी।

चरण 1: अभिस्वीकृति (अनुभव और भावनाओं की)

“मेरा परामर्शदाता मेरी तरफ है... और समझता है कि क्या हुआ और क्यों हुआ ... कम से कम कोई है जो मेरी भावनाओं को समझता है और सम्मान करता है और उसे नहीं लगता कि मैं एक बुरा व्यक्ति हूँ।”

बनाम

“हर कोई सोचता है कि मैं बुरा हूँ... कोई भी वास्तव में नहीं समझता कि क्या हुआ और मुझे कैसा लगा...”

यह अनिवार्य रूप से बच्चे की भावनाओं (और संभवतः कठिन अनुभवों) को पहचानने और स्वीकार करने के परामर्श कौशल को संदर्भित करता है जिसे हमने कार्यशाला 1 में सीखा है। उदाहरण के लिए, किसी दी गई स्थिति में बच्चे के गुस्से या चोरी करने के संदर्भ में इच्छा की अनुभूति करना। याद रखें, कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों के प्रकरणों में, आप (चोरी या आक्रामकता के) कृत्यों/व्यवहार को मान्य नहीं कर रहे हैं; आप भावना या उस अनुभव को मान्य कर रहे हैं जो इसके पीछे है।

यदि कोई बच्चा क्रोध प्रतिक्रिया में उकसाया गया है या उसने कुछ चुराया गया है या यौन अनुचित कार्रवाई में लिप्त है, तो कृत्य की सीधी आलोचना केवल बच्चे को रक्षात्मक और शक्की बनाने का काम करेगी (और परिणामस्वरूप एक नकारात्मक चिकित्सीय गठबंधन बना सकती है)। इसलिए यह स्वीकार करना महत्वपूर्ण है कि बच्चे के पास अपने कृत्य के लिए कुछ कारण था यानी कि कृत्य किसी भावना, आवश्यकता या इच्छा का परिणाम था, और यह भावनाएं, आवश्यकताएं और इच्छाएं वैध हैं, लेकिन हम उन्हें कैसे व्यक्त करते हैं और हमारे भाव कैसे हैं तथा कृत्यों को दूसरों द्वारा कैसे लिया जाता है वह मुद्दा है जिस पर हमें चर्चा करने की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, गुस्सा होना स्वाभाविक है (हर किसी के लिए) लेकिन हम गुस्से को कैसे व्यक्त करते हैं? क्या हम उससे भागते हैं, चिल्लाते हैं, दूसरों को मारते हैं...? क्या चिल्लाना और मारना गुस्से को व्यक्त करने के सबसे उपयोगी तरीके हैं? इसी तरह, मोबाइल फोन या धन की इच्छा रखने में भी कुछ गलत नहीं है... हम सभी कुछ चीजें पसंद करते हैं या प्राप्त करना चाहते हैं लेकिन क्या उन्हें प्राप्त करने का तरीका उन्हें चुराना है? तो विचार, भावना, आवश्यकता या इच्छा को स्वीकार करने का है, न कि इन क्रियाओं को स्वीकारने का, यानी आप मारने या चोरी करने की आवश्यकता को स्वीकार नहीं कर रहे हैं।

बच्चों की जरूरतों और भावनाओं को स्वीकार करने से उन्हें, यह महसूस करने में मदद मिलती है कि परामर्शदाता उन्हें सोचने और प्रतिबिंबित करने की क्षमता वाले उचित

व्यक्ति हैं (यानि कि 'बुरे' या 'अनुचित' व्यक्तियों के विपरीत है—जो कि दुनिया के अधिकांश लोगों ने उन्हें अब तक माना है और जो बच्चों के व्यवहार को बदलने हेतु प्रेरक नहीं है)। यह अभिस्वीकृति "चिकित्सीय गठबंधन" या काउंसलर-चाइल्ड संबंध के महत्वपूर्ण रूप में जानी जाती है, जो कि कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों के संदर्भ में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। जैसा कि आप जानते हैं, कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों को अक्सर नकारात्मक रूप से देखा जाता है और 'बुरे बच्चों' के रूप में लेबल किया जाता है, इसलिए भावनाओं का सत्यापन और स्वीकृति बच्चे के साथ विश्वास का संबंध स्थापित करने में मदद करती है, ताकि बच्चा यह समझ सके कि आप उसकी "तरफ" हैं।

चरण 2: अंतर्दृष्टि सुगमता

'अब मुझे पता है कि मैंने जो किया वह एक समस्या थी... मैं उन कारणों को समझता हूँ जो मेरे और मेरे आसपास के लोगों के लिए एक समस्या हो सकती है।'

बनाम

'मुझे वास्तव में पता नहीं है कि इस व्यवहार में क्या गलत है, तो इसे क्यों रोकें? वैसे भी क्या समस्या है?'

अधिकांशतः, कानून से संघर्षरत् बच्चे 'सही' और 'गलत' व्यवहारों के बारे में जानते हैं, उदाहरण के लिए, वे जानते हैं कि जो चीजें स्वयं से संबंधित नहीं हैं उन्हें लेना 'गलत' है। हालाँकि, यह व्यवहार 'गलत' या अस्वीकार्य क्यों है, इसकी गहन समझ उनके दिमाग में पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं है। अंतर्दृष्टि सुगमता से तात्पर्य बच्चे को गहन स्तर पर प्रतिबिंबित करने में मदद करना है, कि किसी दिए गए व्यवहार में समस्या क्यों है और उन कारणों का पता लगाएं, जिनके कारण व्यवहार स्वीकार्य नहीं है।

इनसाइट (अंतर्दृष्टि) से तात्पर्य है कि बच्चों को उनके द्वारा किए गए अपराध के बारे में क्या समझ है; क्या वे पहचानने में सक्षम हैं कि उनकी समस्या क्या है? क्या वे इसे अपने और दूसरों के लिए एक समस्या के रूप में देखते हैं? जिन बच्चों को अपने कथित अपराध की समझ होती है और वे यह स्वीकार करते हैं कि इससे स्वयं और अन्य लोगों के लिए क्या कठिनाइयाँ हुई हैं, उन्हें अंतर्दृष्टि कहा जाता है। यह समझने के दो तरीके हैं कि क्या बच्चे में अंतर्दृष्टि है:

क) एक बच्चा जिसने कथित तौर पर शराब के प्रभाव में किसी की हत्या की है और वह कह सकता है कि हत्या या मारना समस्या है। या वह कह सकता है कि हत्या कोई समस्या नहीं है – क्योंकि जब कुछ लोग उन तरीकों से व्यवहार करते हैं जो मुश्किल हैं या उन्हें गुस्सा दिलाते हैं, तो हिंसा, जिसमें हत्या भी एक है वैध प्रतिक्रिया है।

इस प्रकार, प्रथम चरण में, प्रथम दृष्टया, प्रश्न यह है कि क्या बच्चा अपने कृत्यों की प्रमुख समस्या को पहचानने में सक्षम है। यदि वह इस बात को नहीं पहचान रहा है या इससे सहमत नहीं है कि हत्या एक समस्या है, तो चिकित्सक को उसे यह महसूस कराने में सक्षम होना होगा कि समस्या क्या है (यानी अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए) – जिद और जबरदस्ती के उपदेशात्मक तरीकों (हम पुलिस नहीं हैं!) से नहीं बल्कि चर्चा और मनोरोग जांच³ के माध्यम से ('क्या कानून हमें किसी की हत्या करने की अनुमति देता है जिससे हम असहमत हैं? क्यों नहीं? यदि आप हिंसा के शिकार हैं या आपके करीबी दोस्त/आपके परिवार के सदस्य हिंसा और हत्या का शिकार हैं, तो क्या आप ऐसे कृत्य का समर्थन करेंगे?)

ख) आप एक बच्चे से जिसने शराब के प्रभाव में किसी की हत्या की है यह पूछ सकते हैं, कि आपको क्यों लगता है कि अब आप संप्रक्षेण गृह में है या पुलिस के साथ संघर्ष में है। अगर वह कहता है कि यह हत्या के लिए है – यह सच है लेकिन वास्तव में केवल आंशिक रूप से व्यावहारिक है। यदि उसे यह भी पहचानना था कि यह समस्या उसके मादक द्रव्यों के सेवन की समस्या के कारण थी और इसलिए मादक द्रव्यों का सेवन एक अन्य, और/या 'वास्तविक' समस्या है, तो उनकी अंतर्दृष्टि पूरी हो जाएगी।

चरण 2 में, सवाल यह है कि क्या बच्चा मादक द्रव्यों के सेवन के गहरे, कम स्पष्ट मुद्दे को पहचानने में सक्षम है, यानी मादक द्रव्यों के सेवन से उसे नशे की लत हो गई, जिसके कारण उसने हत्या कर दी। इसलिए क्या वह मादक द्रव्यों के सेवन को 'वास्तविक' या अंतर्निहित समस्या के रूप में पहचानने में सक्षम है, जिस पर काम करने की आवश्यकता है, जिससे भविष्य में उसे परेशानी न हो? यदि नहीं, तो चिकित्सक को अंतर्दृष्टि का निर्माण करने के लिए बच्चे के साथ काम करने की आवश्यकता है, यानी बच्चे को उसके कृत्यों (और अन्य) को पहचानने और मान्यता देने में सक्षम बनाना चाहिए। यह फिर से घटनाओं की श्रृंखला पर चर्चा के माध्यम से किया जाता है जिसके कारण अंतिम कृत्य हुआ जिसकी वजह से वह परेशानी में है, जिससे उसे यह पहचानने में सक्षम किया जाये कि उस स्थिति में और क्या हुआ (इससे पहले) जिसने उसे अपनी अंतिम कृत्य के लिये के लिए मजबूर किया।

³सोक्रैटिक पद्धति व्यक्तियों के बीच समर्थित तर्कपूर्ण बातचीत का एक रूप है, जो महत्वपूर्ण सोच को प्रोत्साहित करने और विचारों और अंतर्निहित सिद्धांतों को बाहर निकालने के लिए सवाल पूछने और जवाब देने पर आधारित है।

बच्चे द्वारा समस्या की अभिस्वीकृति/आंतर्दृष्टि प्राप्त करना, परिवर्तन हेतु पहला कदम है, अर्थात् केवल अगर बच्चा अपने कार्यों को समस्याग्रस्त होने के रूप में देखता है तो परिवर्तन के लिए हस्तक्षेप पर चर्चा प्रदान की जा सकती है, अन्यथा चिकित्सीय प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकती है। यदि बच्चों में अंतर्दृष्टि की कमी होती है, तो उन्हें अपने व्यवहार को बदलने की आवश्यकता नहीं महसूस होती है, उन्हें अकेले उन तरीकों का अभ्यास करने दें जो आप उन्हें बदलने के लिए दे सकते हैं। इस प्रकार बच्चे की अंतर्दृष्टि का उपयोग व्यवहार परिवर्तन के लिए लक्ष्य निर्धारित करने के लिए किया जाता है अर्थात् उपरोक्त उदाहरण में, बच्चे को सक्षम बनाने हेतु चिकित्सीय कार्य में व्यवहार परिवर्तन के मुद्दे होंगे: 1) क्रोध व्यक्त करने या संघर्ष को हल करने के लिए अहिंसक तरीकों का उपयोग करें; 2) मादक द्रव्यों के सेवन/लत के मुद्दों को संबोधित करना।

चरण 3: परिवर्तन के लिए प्रोत्साहन

‘अगर मैं कुछ तरीकों को बदलता हूँ जिस प्रकार मैं लोगों से और स्थितियों में व्यवहार करता हूँ या प्रतिक्रिया देता हूँ, तो मेरे और मेरे परिवार और मेरे भविष्य के लिए कई लाभ और फायदे हैं... इसलिए, मैं अपने जीवन में कुछ बदलाव करना चाहूंगा।’

बनाम

‘मुझे अपने व्यवहार या जीवन के तरीके को बदलने का कोई मतलब नहीं है ... इससे मुझे या किसी को क्या फर्क पड़ेगा? मैं चीजों को अलग तरह से नहीं करूंगा—क्योंकि इसमें कोई फायदा नहीं है।’

यहां तक कि जब बच्चे ने अपने व्यवहार में गहरी अंतर्दृष्टि विकसित की है और वह समझता है कि ऐसे व्यवहार समस्याग्रस्त क्यों हैं, तो भी यह तय नहीं है कि वे इन व्यवहारों को बदल देंगे। नए व्यवहार के किसी भी परिवर्तन या उसे अपनाने के लिये प्रेरणा की आवश्यकता होती है – परिवर्तन की स्वेच्छा, जो किसी व्यक्ति को विभिन्न व्यवहारों का अभ्यास करने में मदद करने के लिए पर्याप्त मजबूत है। इस चरण में परामर्शदाता बच्चों को व्यवहार में बदलाव लाने के लिए लाभ और फायदों का अनुभव कराने में मदद करने हेतु पिछले चरणों में तैयार करता है। उदाहरण के लिए, मादक द्रव्यों के सेवन को रोकने के क्या फायदे हो सकते हैं? वित्तीय लाभ हो सकते हैं? शायद कुछ पारस्परिक लाभ, जिसमें दूसरों को बच्चे पर भरोसा हो सकता है, इसलिए बच्चे को परिवार और अन्य महत्वपूर्ण लोगों के साथ मजबूत संबंध बनाने में सक्षम होना चाहिए? क्या भविष्य में भी इससे बच्चे के लिये छोटे और दीर्घकालिक रूप में लाभ हैं? बच्चे के साथ इस तरह के सवालों की जानी चाहिये जिससे उसे व्यवहार या जीवन शैली में परिवर्तन करने हेतु प्रेरित करने में मदद की जा सके।

यह स्वीकारना कि उसने जो कृत्य किया है, वह समस्याग्रस्त है, एक अच्छी शुरुआत है लेकिन फिर भी व्यवहार परिवर्तन के लिए यह पर्याप्त नहीं है। इस प्रकार, अंतर्दृष्टि सुगमता के बाद परामर्श प्रक्रिया में अगला चरण परिवर्तन के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करने पर काम करना है। मुसीबत से बाहर रहने की आवश्यकता के अतिरिक्त इसका क्या मतलब है, क्योंकि वे एक संस्था में नहीं रहना चाहते हैं, क्या बच्चे उन कृत्यों/व्यवहारों में शामिल नहीं होने के कारणों को प्रतिबिंबित करने में सक्षम हैं जो उन्हें प्रथम स्थान पर कानून के साथ संघर्ष में लाए थे।

यह चरण वास्तव में नैतिक विकास के उच्च स्तरों को संदर्भित करता है; सजा से बचाव और स्वयं को लाभ नैतिक विकास के अधिक बुनियादी स्तर और तर्क है जो लोगों को कुछ कृत्यों को नहीं करने के लिए प्रेरित करते हैं; लेकिन सामाजिक वांछनीयता, सहानुभूति व अंतर-वैयक्तिक संबंधों का महत्व, कानून, व्यवस्था को बनाये रखना, सामाजिक अनुबंध और सार्वभौमिक नैतिकता, नैतिक विकास और तर्क के उच्च स्तर हैं। यदि बच्चे इन मुद्दों पर प्रतिबिंबित करने में सक्षम हैं, तो वे व्यवहार बदलने हेतु उनके लिए आधार बनाते हैं।

उदाहरण के लिए, यदि कोई बच्चा कहता है कि वह चोरी करना बंद करना चाहता है और इसके लिए कारण देता है (जैसे कि दूसरे व्यक्ति कितना बुरा महसूस करेंगे या वह उसके दोस्त नहीं हो सकते हैं क्योंकि लोग उस पर भरोसा नहीं करेंगे और उसे 'चोर' कहेंगे), यह इंगित करता है कि बच्चे में परिवर्तन के लिए प्रेरणा है अर्थात् वह अपने व्यवहार को बदलने के कारण देखता है। इस प्रकार, परिवर्तन के लिए प्रेरणा का अर्थ है कि बच्चे के पास उन लाभों के बारे में अधिक गहराई से सोचने की क्षमता होनी चाहिए, जो उसे बदलने पर होंगे।

जब बच्चा यह कहता है कि 'मैं चोरी करना बंद करना चाहता हूँ क्योंकि यह गलत है', इसका मतलब है कि बच्चे को कुछ सामान्य ज्ञान है यह एक गलत/सामाजिक रूप से अस्वीकार्य व्यवहार है, लेकिन उसे इस बात की गहन समझ नहीं है कि यह गलत या सामाजिक रूप से अस्वीकार्य क्यों है – तो, ऐसे उदाहरण में, बच्चे के पास अपने व्यवहार को बदलने के स्पष्ट कारण नहीं हैं और परिणामस्वरूप, चिकित्सक को उसमें बदलाव हेतु प्रोत्साहित करने के विचार-विमर्श शुरू करने की आवश्यकता है।

नोट: यह देखने की क्षमता कि चोरी गलत है क्योंकि उससे सजा मिलती है, उसे गहरे स्तर के विचार के रूप में नहीं गिना जाता है – यह सच हो सकता है, यह उन छोटे बच्चों (बड़े बच्चों और किशोरों नहीं) के लिए उचित सोच का बहुत ही सरल तरीका है जो अपने नैतिक तर्क और विकास के प्रारंभिक चरणों में हैं।

अंतर्दृष्टि सुगमता तकनीकों के समान, परिवर्तन के लिए प्रोत्साहन भी चर्चा और सोकरैटिक तरीकों के माध्यम से दिया जाता है – अनिवार्य रूप से, बच्चे को संबंधित कृत्य कारित करने बनाम ना करने के परिणामों की जांच करने के लिए सक्षम बनाकर, और कृत्य करने से बचने के लाभ/फायदों की गणना करके। (किसी की हत्या करने के क्या परिणाम रहे हैं? आज आपकी शिक्षा, आपके परिवार/अंतर-व्यक्तिगत संबंधों के क्या परिणाम हैं? क्या आपको गुस्सा आने पर लोगों को मारना जारी रखना चाहिए, आपकी नौकरी के लिए, पारिवारिक जीवन, दोस्ती/सामाजिक जीवन में भविष्य में इसके परिणाम क्या होंगे? यदि आप अपने मादक द्रव्यों के सेवन के मुद्दे से निपटते हैं/पीने से रोकते हैं, तो इसके लाभ क्या हो सकते हैं?)

चरण 4: व्यवहार परिवर्तन के लिए रणनीतियाँ

“मैं कई अलग-अलग चीजों को जानता हूँ जिससे मैं बेहतर निर्णय लेने या लोगों और स्थितियों को उचित प्रतिक्रिया देने हेतु मैं क्या कर सकता हूँ... ताकि मैं आराम, आत्मविश्वासी और सुखी महसूस कर सकूँ।”

बनाम

“मैं बदलना चाहता हूँ कि मैं कैसे व्यवहार करता हूँ क्योंकि मैं आगे भी परेशानी में और दुखी नहीं रहना चाहता हूँ... लेकिन मुझे नहीं पता कि क्या करना है या कैसे करना है।”

पिछले चरणों के पालन करने के बाद, एक बार जब बच्चे की उसके व्यवहारों के बारे में गहन समझ बन जाती है और अंतर्दृष्टि प्राप्त हो जाती है, और उसे (समस्या) व्यवहारों को बदलने के लिए प्रेरणा महसूस होती है, तब वास्तव में वह नए या बदले हुए व्यवहारों के बारे में कुछ मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए तैयार होता है। यह सही समय है कि बच्चे को मुद्दे के अनुसार, क्रोध नियंत्रण विधियाँ, विश्राम तकनीकें, सहकर्मी दबाव का विरोध करने के लिए पटकथा आदि के प्रदान की जाये। इस प्रकार, पिछले चरणों से गुजरे बिना सीधे इन तरीकों को प्रदान करना बच्चे हेतु प्रभावी होने की संभावना नहीं है क्योंकि इससे पहले कि वास्तव में परिवर्तनों के लिए रणनीतियों का सुझाव दिया जाए बच्चे को व्यवहार परिवर्तन के लिए तैयार करने की आवश्यकता होती है; साथ ही, यदि बच्चे यांत्रिक रूप से व्यवहार परिवर्तन की रणनीतियों को बिना किसी आधार के (यानी अंतर्दृष्टि और प्रोत्साहन के बिना) करते हैं, तो इनके सफल होने या स्थायी परिवर्तन की संभावना कम है।

इस प्रकार, हस्तक्षेप प्रक्रिया में अंतिम चरण व्यवहार परिवर्तन है – जिसमें विचारों, रणनीतियों और तकनीकों को शामिल किया जाता है जिससे बच्चे को सीखने में सहायता मिलती है ताकि जब उन्हें लागू किया जाए, तो वह अवांछनीय व्यवहार में संलिप्त न हो। अनिवार्य रूप से, ये रणनीतियाँ और तकनीकें बच्चों को कठिन परिस्थितियों और भावनाओं को प्रबंधित करने में सक्षम बनाती हैं और इस तरह से निर्णय लेने में भी सक्षम होती हैं कि उन्हें कोई व्यक्तिगत नुकसान न पहुँचे और वे दूसरों को भी नुकसान या चोट न पहुँचाएँ। नीचे की गई चर्चा के अनुसार अलग-अलग समस्याएं अलग-अलग तकनीकों को दर्शा सकती हैं (इन रणनीतियों को इस मॉड्यूल के भाग के रूप में साझा किया/समझाया जा सकता है)।

व्यवहार परिवर्तन (क): क्रोध और आक्रामकता

क) क्रोध की उपयुक्त अभिव्यक्ति:

- बच्चे के खिलाफ उकसाने या आक्रामक होने वाले व्यक्ति का मौखिक टकराव ('आपने ऐसा क्यों किया? आपने जो किया, वह मुझे पसंद नहीं आया... मुझे यह दुखद लगा। शायद आप मुझे बताना चाहेंगे कि समस्या क्या है?')
- माता-पिता/शिक्षक/पुलिस/वयस्क अधिकारियों को रिपोर्ट करना या शिकायत करना और उन्हें उस व्यक्ति के खिलाफ आवश्यक उपाय करने की अनुमति देना जिससे बच्चा परेशान है (प्रकरणों को अपने हाथों में लेने और स्थिति पर प्रतिक्रिया करने के बजाय)
- बच्चों को किसी मित्र/विश्वसनीय व्यक्ति से गुस्से में आकर निराश करने वाले अनुभव के बारे में बात करने के लिए प्रोत्साहित करें – यह स्वयं और दूसरों के लिए समस्याएं पैदा किये बिना, क्रोध को हवा देने और इसे व्यक्त करने का एक और तरीका है।

ख) क्रोध नियंत्रण

ये वे तकनीकें हैं जिन्हें बच्चे तब इस्तेमाल कर सकते हैं जब उन्हें उकसाया जा रहा हो और उन्हें अपने गुस्से को नियंत्रित करने की कोशिश करनी चाहिए:

- उकसावे की स्थिति से दूर चलना।
- शांत करने के लिए विभिन्न विश्राम तकनीकों का उपयोग करना: कुछ पानी पीना, एक शांत जगह पर बैठना और 100 से 0 (पीछे की ओर) तक गिनती गिनना, गहरी सांस लेना (जैसा कि योग में सिखाया जाता है, जिसमें बच्चा केवल सांस लेने पर ध्यान केंद्रित करता है) बच्चे को समझाएं कि ऐसी तकनीकें बच्चे को जल्दबाजी में मौखिक और शारीरिक प्रतिक्रियाओं से रोकेंगी जो उसे परेशानी में डाल सकती है।

- यदि क्रोध से दूर रहने और आराम करने के बावजूद भी क्रोध जारी रहता है, तो बच्चा एक तकिया को मुक्के मार सकता है और हताशा और परेशानी को दूर कर सकता है। (ध्यान दें: बच्चों को चेतावनी दें कि वे जिस सतह पर मुक्का मारते हैं वह तकिया जैसी एक नरम वस्तु होनी चाहिए ना कि दीवार जैसी कठोर सतह, जिसे बच्चे अक्सर करने के लिए उपयुक्त होते हैं – यह समझायें कि इसका उद्देश्य हताशा/क्रोध को बाहर निकालना है, स्वयं को चोट पहुँचाना नहीं है!)

गुस्से की निगरानी: गुस्से की (एंगर) डायरी

जो बच्चे साक्षर हैं, उनसे गुस्से की डायरी बनाने के लिये कहा जा सकता है। यह एक ऐसी डायरी है जिसमें वे प्रतिदिन एक साधारण प्रविष्टि करेंगे, जो इस प्रकार है:

दिनांक:

कारण/परिस्थितियाँ जिन्होंने मुझे क्रोधित किया

आज:

मुझे 0 से 10 के पैमाने पर कितना गुस्सा आया?

मेरे गुस्से का स्तर... था

जब मैं गुस्से में था तो मैंने क्या किया?

क्या मैंने क्रोध नियंत्रण हेतु विधियाँ जो मैंने सीखी उनमें से किसी के भी उपयोग की कोशिश की? क्या उन्होंने काम किया?

यह रिकॉर्ड बच्चे (और चिकित्सक) को समय के साथ, बच्चे के गुस्से का कारण क्या हैं और उसकी प्रतिक्रियायें को ट्रैक करने की निगरानी में मदद करता है, जिसमें वे भी शामिल हैं जो उसके लिए सबसे अच्छा काम करते हैं।

ग) स्व-पहचान और भविष्य में प्रभाव

- बच्चे की व्यक्तिगत पहचान पर चर्चा करें – “आप कौन हैं? तुम क्या बनना चाहते हो? क्या आप उस व्यक्ति की तरह बनना चाहते हैं, जिससे हर कोई डरता है – लोगों का कहना है कि ‘क’ एक हिंसक, अप्रत्याशित व्यक्ति है और उसके साथ ना

उलझना या उससे दोस्ती करना सबसे अच्छा है... आप कभी नहीं जानते कि वह इसे कब आपा खोएगा और आपको मारेगा...? या क्या आप उस व्यक्ति की तरह बनना चाहते हैं जिसे हर कोई मदद करने वाले के रूप में जानता है, आप संयमित हैं, शांति से सुनेंगे और समस्याओं को इस तरह से हल करेंगे कि कोई भी परेशानी में न पड़े...?”

- बच्चे से उसके सभी अच्छे गुणों, प्रतिभाओं और कौशलों को सूचीबद्ध करने के लिए कहें – यह एक वृत्त में भी चित्र के रूप में दर्शाया जा सकता है। बच्चे से पूछें कि क्या वह क्रोध को अपने सभी अच्छे गुणों और प्रतिभाओं से भी बड़ा देखना चाहता है और इसलिये अभिभूत है? या क्रोध आपकी पहचान का एक छोटा हिस्सा होना चाहिए जिसमें उसके अच्छे गुणों/प्रतिभाओं का प्रमुख हिस्सा है।
- उसके क्रोध/हिंसक व्यवहार (क्या वे उनको जारी रखना चाहते हैं) के भविष्य पर प्रभाव की चर्चा करें... (1) उसका काम: “आप बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं?” (हम कहते हैं कि बच्चा कहता है कि वह एक कार्यालय में काम करना चाहता है)। तो आप एक कार्यालय में काम कर रहे हैं और आपके बॉस किसी बात पर आपसे नाराज हो जाते हैं, वो जो कहते हैं आपको पसंद नहीं आता है और आपको बहुत गुस्सा आ जाता है... यदि आप उठते हैं, मेज पर हाथ पटकते हैं चिल्लाते हैं और अपने बॉस पर कुछ फेंकते हैं, तो क्या होगा?... वे अभी भी आपको कार्यालय में रखेंगे?... और यदि आप कोशिश करते हैं और दूसरी नौकरी तलाशते हैं, तो वे पूछेंगे कि पिछली जगह पर क्या हुआ... वे एक संदर्भ के लिए पूछ सकते हैं...?’

उनका पारिवारिक जीवन: ‘मान लीजिए कि किसी दिन आप बड़े होते हैं और तय करते हैं कि आप किसी के साथ रहना चाहते हैं... आप शादी और बच्चे पैदा करने का भी फैसला कर लेते हैं...। मान लीजिए कि आपका गुस्सा नियंत्रण से बाहर है और जब आप परेशान हो जाते हैं तो आपको अपने परिवार को मारने/पीटने की आदत है, तो आपके पति/पत्नी और बच्चों के साथ आपके रिश्ते का क्या होगा? आपका परिवार किस तरह का होगा?’

घ) हिंसा पर राय और स्थिति लेना

यह बच्चों को रोजमर्रा की स्थितियों पर चर्चा व प्रस्तुति के माध्यम से हिंसा पर अपनी राय और स्थिति रखने में सक्षम बनाने पर ज़ोर देता है – जैसे कि घर पर होने वाली घटनाएं, सड़क हिंसो, कतार में धक्का-मुक्की, खेल के मैदान के झगड़े, सांप्रदायिक हिंसा, युद्ध (कौन प्रभावित है? कैसे?)... ताकि बच्चे हिंसा पर विचार करें और विभिन्न

स्थितियों में हिंसक कृत्यों में शामिल होने पर अपनी स्थिति तय करें, जिससे हिंसा (गैर) हिंसा पर एक विचारधारा विकसित हो।

च) धमकाने पर प्रतिक्रिया

बच्चे को समझाएं कि मुश्किल लोगों के लिए 2 प्रकार की प्रतिक्रियाएं हैं (जिनमें से कुछ आकार में हमसे बड़े हो सकते हैं, उम्र में बड़े हो सकते हैं, हमारे साथ जबरदस्ती कर सकते हैं या हमें चिढ़ा और परेशान कर सकते हैं):

आंतरिक प्रतिक्रियाएं: चीजें/बातें जो हम अपने अंतर्मन में सोचते हैं, ताकि अन्य लोग देख या जान न सकें कि ये क्या हैं – उदाहरण के लिए: 'मुझे पता है कि यह आदमी न केवल मेरे लिए बल्कि सभी के लिए क्रूर और मतलबी है इसलिए उससे क्यों परेशान हों', 'मुझे परवाह नहीं है क्योंकि मुझे पता है कि वह गलत है... सिर्फ इसलिए कि वह मेरी बहन को गाली देता है, इससे वह उन चीजों को कर नहीं सकता जो वो बोलता है' मैं उस जैसे बेवकूफ, संवेदनहीन लोगों को अनदेखा कर सकता हूँ। 'बच्चे को उसकी विशिष्ट स्थिति के लिए आंतरिक प्रतिक्रियाओं और बयानों के एक सेट के बारे में सोचने के लिए सक्षम करें'।

बाहरी प्रतिक्रियाएं: वे बातें जो हम कहते हैं या करते हैं और जो दूसरे लोग भी देख और जान सकते हैं क्योंकि वे बाहर दिखती हैं – उदाहरण के लिए, दूसरे व्यक्ति के कहे पर हँसना (कम से कम दिखावा करें कि आपने इसे गंभीरता से नहीं लिया), एक चतुर प्रतिक्रिया दें, किसी विश्वसनीय वयस्क से शिकायत करें, दूर रहें और संबंधित व्यक्ति से कोई वास्ता नहीं रखें, वे लोग जो आपको चिढ़ा रहे हैं उन्हें बतायें कि वे जो आपके साथ क्या कर रहे हैं वह आपको पसंद नहीं है कि (यह प्रतिक्रिया केवल तभी दें जब आप सुनिश्चित हों कि वे वास्तव में वे इस प्रतिक्रिया पर आपको हिंसक रूप से प्रतिशोध लेने के उद्देश्य से चोट नहीं पहुँचायेंगे, यदि आपको लगता है कि वे आपको चोट पहुँचाएंगे, तो इस प्रतिक्रिया से बचें), ऐसे लोग जो आपकी परवाह करते हैं और आपको चोट नहीं पहुँचाएँगे, से दोस्ती करें।

जब हमें लगता है कि लोग हमारे साथ कभी-कभी बुरा व्यवहार करते हैं ऐसी स्थितियों हेतु उपरोक्त सभी गुस्से और परेशानियों का जवाब देने के वैकल्पिक तरीके हैं।

छ) संघर्ष समाधान तथा समस्या को सुलझाने हेतु अभ्यास

उपरोक्त रणनीतियों के अतिरिक्त, बच्चों को प्रतिबिंबित करने और चर्चा के लिए कठिन परिस्थितियों की एक श्रृंखला देना उपयोगी होगा। चूंकि यह बच्चों को सोचने और चुनने के लिए कई दृष्टिकोण प्रदान करते हैं और समूहों में की जाने वाली सबसे अच्छी

गतिविधि हैं, यह व्यक्तिगत रूप में भी बच्चों के साथ की जा सकती है। यह बच्चों को संभावित रूप से वास्तविक जीवन की स्थितियाँ प्रदान करने पर जोर देती हैं। 'एक जाना-पहचाना धमकाने वाला पड़ोसी है, जिससे आप भी डरते हैं'। एक दिन, वह आपके दोस्तों के साथ क्रिकेट के आपके खेल को बाधित करता है और आपका बल्ला छीन लेता है। जब आप परेशान होना शुरू करते हैं, तो वह आप पर हंसता है और आपके परिवार के बारे में अपशब्द कहता है'। बच्चे से पूछें 1) उन सभी संभावित तरीकों के बारे में, जिनसे कोई भी ऐसी स्थिति का जवाब दे सकता है (उन्हें सूचीबद्ध करायें); 2) उन्हें इन प्रतिक्रियाओं के परिणामों की जांच करने के लिए कहें; 3) परिणामों के आधार पर, उनसे सबसे अच्छी प्रतिक्रिया का चयन करने के लिए कहें – वह आखिरकार क्या करेगा? (ऐसी स्थिति में उपरोक्त तकनीकों के उपयोग हेतु उसे प्रोत्साहित करें)। बच्चे जितना अधिक इस तरह की प्रतिक्रियाओं का अभ्यास करते हैं, उतना ही वे संघर्ष और समस्या समाधान जैसे महत्वपूर्ण जीवन कौशल विकसित करते हैं।

ज) क्रोध का सकारात्मक बदलाव

क्रोध ऊर्जा को समाज सहायक कृत्यों में व्यवस्थित और परिवर्तित करने का विचार जो स्वयं और दूसरों के लिए उपयोगी होगा, क्रोध हस्तक्षेपों का अधिक उन्नत स्तर है, जो आमतौर पर क्रोध पर चिकित्सीय कार्य के अंतिम चरण में किया जाता है। यह परिप्रेक्ष्य लेने की विधि उन बच्चों को अच्छी तरह से सहायता देती है जो आंतरिक रूप से निष्पक्षता की भावना रखते हैं और अक्सर अन्याय के अनुभवों से क्रोध प्रतिक्रियाओं में प्रेरित होते हैं (जब उन्हें लगता है कि उन्हें या उनके आसपास दूसरों के साथ गलत व्यवहार किया गया है, उन्हें उकसाया जाता है)।

- **बच्चे के साथ चर्चा करें:** जैसा कि पहले ही उल्लेख किया गया है, हर कोई क्रोधित होता है और अन्य भावनायें जो हम महसूस करते हैं (उदासी, निराशा, चिंता, उत्तेजना, खुशी...), की तरह क्रोध भी एक है... कुछ स्थितियों में गुस्सा आना स्वाभाविक है। अलग-अलग लोग गुस्से को अलग-अलग तरीके से व्यक्त और प्रबंधित करते हैं, यह गुस्से की वैधता पर भी निर्भर करता है।
- **जब गुस्सा उचित है:** 'गुस्सा हमेशा बुरा नहीं होता है' वास्तव में यह कुछ स्थितियों में एक मान्य और अच्छी भावना है... उदाहरण के लिए, आप एक बड़ी दुकान पर जाते हैं, आपको पता है कि दुकानदार काफी अमीर है। आप देखते हैं कि एक गरीब व्यक्ति 2 किलोग्राम चावल खरीदने आता है और आप ध्यान देते हैं कि दुकानदार गलत तरीके से चावल तौलता है और उसे केवल 1.5 किलोग्राम चावल

ही देता है। क्या आप नाराज होंगे? क्यों? (शायद बच्चा कहेगा कि वह किसी को धोखा देने के लिए दुकानदार से नाराज होगा, वो भी एक गरीब व्यक्ति को)।

इसलिए, जब आप अन्याय देखते हैं, तो आप क्रोधित हो जाते हैं... जो कि वैध है, नहीं? मान लीजिए कि आप इस तरह के अन्याय पर गुस्सा नहीं हूये, तो वह आपको किस तरह का व्यक्ति बनायेगा? एक लापरवाह उदासीन व्यक्ति जो न्याय की परवाह नहीं करता...? तो जिन लोगों को गुस्सा आता है वे लोग दूसरों की और न्याय के बारे में परवाह भी करते हैं। बच्चे से उन स्थितियों के और अधिक उदाहरण प्रदान करने के लिए कहें जिसमें उसके साथ अन्याय हुआ है और उनमें वो क्रोधित हुआ हो।

- बच्चे को समझाएं कि कैसे कुछ लोग अन्याय के अनुभवों (या तो स्वयं या दूसरों में) से उत्पन्न हुये इस क्रोध का उपयोग कुछ अच्छा और उपयोगी करने के लिए करते हैं। महात्मा गांधी और अम्बेडकर जैसे बाल प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ताओं के बारे में चर्चा करें – जो तथाकथित 'अछूतों' के साथ हुए अन्याय के से नाराज थे और इसलिए उन्होंने उनके न्याय और अधिकारों के लिए लड़ने वाले सामाजिक आंदोलनों की शुरुआत की; मदर टेरेसा ने बेघर और विकलांग बच्चों के साथ हुए अन्याय को महसूस किया और ऐसे बच्चों की देखभाल के लिए एक विश्वव्यापी संगठन (मिशनरीज ऑफ चौरिटी) शुरू किया। चर्चा करें कि कैसे यह अन्याय का गुस्सा है, जिसने इन लोगों को दूसरों को लाभ पहुंचाने के लिए कार्य करने हेतु प्रेरित किया... बच्चा अपने गुस्से को सकारात्मकता और लाभ में बदलने के लिए क्या करेगा? यकीनन यह एक बड़ा सामाजिक आंदोलन नहीं हो सकता... लेकिन अपने स्तर पर, उदाहरण के लिए, वह धमकाये जाने /शारीरिक शोषण किए जाने पर आने वाले क्रोध को कैसे परिवर्तित करेगा...?

व्यवहार परिवर्तन (ख): चोरी

क) क्रोध की उपयुक्त अभिव्यक्ति:

आवश्यकताओं को प्राप्त करने के वैकल्पिक तरीके

बच्चे को उसकी जरूरतों को प्राप्त करने के तरीकों के बारे में चर्चा करें (चोरी करने के अलावा) –जो वह चाहता है उसे खरीदने के लिये पैसे बचाने जैसी एक वित्तीय योजना के रूप में, पैसे कमाने के लिए काम करने/कमाने की योजना। कई बार, बच्चे तुरंत काम नहीं कर पाते हैं क्योंकि उन्हें इसके लिये उन्हें अपनी शिक्षा पूरी करनी पड़ सकती है। ऐसे मामलों में, आप उन नौकरियों के बारे में चर्चा कर सकते हैं जो किसी को

शिक्षा के साथ (कुछ कागजी योग्यता) या शिक्षा के बिना मिल सकती हैं और दोनों के मध्य वेतन और पारिश्रमिक का अंतर क्या होगा। इससे बच्चे को दीर्घकालिक योजना के मूल्य को देखने में मदद मिलेगी, जिसमें जरूरतों की संतुष्टि पर देरी करने के निर्णय भी शामिल हैं, यानि बच्चों को यह समझने में मदद करें कि आज हम जो करते हैं (या करना चाहते हैं) वे तुरंत परिणाम नहीं दे सकते हैं। आपको मनचाहा मोबाइल फोन मिल सकता है, लेकिन अगर यह दीर्घकालिक ध्यान केंद्रित करते हुये और परिप्रेक्ष्य के साथ योजनाबद्ध तरीके से किया जाए तो यह आपको बहुत अधिक लाभ (अपेक्षाकृत अधिक लाभ) दिला सकता है।

**ध्यान दें: जहां गंभीर अभाव व्यवहार चोरी का आधार है, वहाँ बच्चों को परामर्श की आवश्यकता नहीं है! उन्हें संस्थागत करने के संदर्भ में व्यावहारिक सहायता और सहयोग या उनके परिवारों को वित्तीय सहायता की आवश्यकता है ताकि उनकी बुनियादी जरूरतें पूरी हों।*

व्यवहार परिवर्तन (ग): मादक पदार्थों का सेवन

क) सहकर्मी दवाब से मुकाबला करना:

यह दोस्ती और मुखरता की निम्नलिखित चर्चाओं पर जोर देता है:

- यह स्वीकार करना कि दोस्त मजेदार हैं और सभी के पास दोस्त होने चाहिए, कि वे किसी के जीवन का एक अभिन्न हिस्सा हैं।
- हम अपने दोस्तों का चयन कैसे करते हैं? हम दोस्त के रूप में किस तरह के लोगों को चाहते हैं? हम अपने दोस्त में क्या गुण देखते हैं? यदि कोई व्यक्ति आपको ऐसे काम करने के लिए करता है जो आपको असहज बनाते हैं या जो आपको परेशानी में डालते हैं, तो क्या वह वास्तविक 'दोस्त माना जा सकता है? तो, एक असली दोस्त कौन है?
- भले ही कोई दोस्त हो, अगर वह हमें ऐसा काम करने के लिए मजबूर करता है जो असुविधाजनक है या जिससे परेशानी हो सकती है, तो हम कैसे 'ना' कहें? क्या उन चीजों को करने से इंकार करना ठीक है जिन्हें आप जानते हैं कि जो आपको चोट पहुँचा सकती है/आप मुसीबत में पड़ सकते हैं।

क) चिंता और अवसाद के अंतर्निहित मुद्दों को संबोधित करना

यह उदासी, चिंता और अवसाद जैसी भावनाओं को मान्यता देने और बच्चे के कठिन और आघातपूर्ण अनुभवों को स्वीकारता देने पर ज़ोर देता है। यदि ये गंभीर हैं (उदाहरण के लिए, यदि बच्चा दैनिक आधार पर ठीक से काम करने में असमर्थ है/उसे दैनिक गतिविधियों में संलिप्त होने में कठिनाई हो रही है और/या उसे खुद को नुकसान पहुंचाने का विचार है, तो बच्चे को मनोरोग उपचार के लिए तृतीयक केंद्र संदर्भित करने की आवश्यकता होगी।

ग) दवा के साथ चिकित्सा

मादक द्रव्यों के सेवन के विकार को पलटने व छूट तथा मजबूत आनुवंशिक घटक जो बिमारी के समान होता है जैसे मधुमेह और उच्च रक्तचाप⁴, के साथ एक पुरानी पलट कर आने वाली बीमारी के रूप में पहचाना जाता है। इसके अतिरिक्त, जिन व्यक्तियों ने लंबे समय तक गहन और/या अधिक बार पदार्थों का उपयोग किया है, वे मस्तिष्क मार्ग में कुछ अपरिवर्तनीय न्यूरोबायोलॉजिकल परिवर्तनों के कारण पलटने के अधिक जोखिम में हैं। यद्यपि, मनोचिकित्सात्मक और व्यवहार संबंधी हस्तक्षेप किशोरों में मादक पदार्थों के सेवन को कम कर सकते हैं। दवाइयों का उपयोग भी पुनः उस स्थिति में आने से रोकने और लंबी अवधि तक परहेज⁵ को सुगम बनाने में एक प्रमुख भूमिका निभा सकता है। उदाहरण के लिए, निकोटीन प्रतिस्थापन चिकित्सा तंबाकू के सेवन से निजात हेतु सबसे प्रभावी है; शराब निर्भरता और अन्य प्रकार के पदार्थों के सेवन से बचाव हेतु प्रभावी दवाएं भी विकसित की गई हैं।

हालांकि, यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि पसंद कभी भी मनोसामाजिक चिकित्सा हस्तक्षेप/चिकित्सा और दवाओं के बीच नहीं है; बल्कि यह केवल मनोसामाजिक चिकित्सा हस्तक्षेप/चिकित्सा या मनोसामाजिक चिकित्सा हस्तक्षेप/चिकित्सा और दवाएं हैं। इस प्रकार, दवाओं का उपयोग मनोवैज्ञानिक उपचार के लिए सहायक के रूप में किया जाता है और उपचार में फार्माकोथेरेपी की भूमिका विशिष्ट प्रकार के मादक द्रव्यों के सेवन के विकार पर निर्भर करती है।

⁴मैकलीनन ए0टी0, लुईस डी0सी0, ओ'ब्रायन सी0पी0, क्लेबर एच0डी0 (2000)। ड्र निर्भरता, एक पुरानी चिकित्सा बीमारी: उपचार, बीमा और परिणामों के मूल्यांकन हेतु निहितार्थ। जामा.284 (13): 1689–1695।

⁵बारबर डब्ल्यू0एस0, ओ'ब्रायन सी0पी0 (1999)। फार्माकोथेरेपीज़ इन: मैक क्रेडी बी0एस0, एपस्टीन ई0ई0, संपादक। लत: एक व्यापक गाइडबुक। न्यूयॉर्क, एन0वाई0: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस। पी0पी0 347–369

फार्माकोलॉजिकल या दवा के हस्तक्षेप के तीन व्यापक उद्देश्य हैं: डीटॉक्सिफिकेशन के माध्यम से तीव्र वापसी सिंड्रोम का प्रबंधन, अवैध दवाओं के उपयोग हेतु आग्रह (प्रारंभिक उबरने के चरण में) व तलब में कमी तथा नशीली दवाओं के उपयोग से बचाव हेतु रोकथाम⁶।

जैसा कि ऑकलन प्रारूप में समाहित मादक पदार्थ के सेवन संबंधी उपकरण में इंगित किया गया है, जहां एक बच्चे में गहन उपचार की आवश्यकता दिखाई देती है, वहाँ मनोचिकित्सा हस्तक्षेपों के अतिरिक्त फार्माकोथेरेपी लगभग निश्चित रूप से आवश्यक होगी। कानून से संघर्षरत् बच्चों के साथ काम करने वाली प्रणाली और सेवा प्रदाता अक्सर मनोरोग और नशामुक्ति दवाओं के उपयोग के बारे में संकोच करते हैं क्योंकि उनका मानना है कि इसके दुष्प्रभाव हो सकते हैं जिन्हें वे नियंत्रित नहीं कर सकते और/या जो बच्चे के अपराध और कार्यों के बारे में कानूनी निर्णय को प्रभावित कर सकते हैं। हालाँकि, प्रणाली और कार्मिकों को अपनी चिंताओं और सीमाओं के बारे में जागरूक करने की आवश्यकता है – जिसका उपयोग उन दवाओं के औचित्य के रूप में नहीं किया जाना चाहिये बल्कि उनसे बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और कुशलता में सुधार हो सकता है।

वास्तव में, मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के लिए औषधीय उपचारों के उपयोग की अनुमति नहीं देना बच्चों के स्वास्थ्य और उपचार के अधिकार का उल्लंघन है (किशोर न्याय अधिनियम में भी उल्लेख किया गया है)। जहाँ मान्यता प्राप्त/स्वीकृत मानसिक स्वास्थ्य अस्पतालों और संस्थानों द्वारा विस्तृत ऑकलन के बाद दवाओं की सिफारिश की जाती है जिसमें उपचार के तरीके और कोर्स का विवरण औपचारिक लिखित रूप में दिया जाता है, वहाँ बच्चे या बच्चे की देखभाल सेवा प्रणाली/कार्मिकों के लिए कोई समस्या नहीं होनी चाहिए।

⁶बारबर डब्ल्यूएस0, ओ'ब्रायन सी0पी0 (1999)। फार्माकोथेरेपीज़ इन: मैक क्रेडी बी0एस0, एपस्टीन ई0ई0, संपादक। एडिक्शनस्: ए काम्प्रीहैन्सिव गाइडबुक। न्यूयॉर्क, एन0वाई0: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस। पी0पी0 347–369

व्यवहार परिवर्तन (घ): यौन शोषण तथा लैंगिक निर्णय लेना

जैसा कि गतिविधि में नीचे उल्लिखित है, यह 'विंडो दृष्टिकोण' की चर्चा पर जोर देता है, ताकि बच्चे को प्रत्येक कारक को समझने और प्रतिबिंबित करने में मदद मिल सके जो उनके द्वारा यौन व्यवहार में लिये गए निर्णयों के लिए प्रासंगिक हैं।

मनोसामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य चिंताओं के लिए प्रथम स्तर की प्रतिक्रिया हेतु गतिविधि

विधि: अभिनय (रोल-प्ले) व चर्चा।

सामग्री: प्रथम स्तर की प्रतिक्रिया हेतु केस स्टडीज़, रूपरेखा और सामग्री – जैसा कि नीचे दिए गए बॉक्स/पृष्ठों में दिखाया गया है (प्रतिभागियों द्वारा शेयर की गई केस स्टडीज़ का भी उपयोग किया जा सकता है)।

प्रक्रिया तथा चर्चा:

- प्रतिक्रिया के दिए गए क्षेत्र (उदाहरण के लिए, क्रोध और आक्रामकता) के लिए रूपरेखा और सामग्री की व्याख्या करें।
- प्रतिभागियों को जोड़ों में विभाजित करें – एक व्यक्ति बच्चे की भूमिका निभायेगा और दूसरा परामर्शदाता की।
- प्रत्येक क्षेत्र/विषय के लिए प्रतिक्रिया की रूपरेखा और सामग्री को स्पष्ट करें, जैसा कि नीचे दिए गए बॉक्स में प्रस्तुत किया गया है (ऊपर 'अवधारणा' के अंतर्गत व्यवहार परिवर्तन रणनीतियों पर की गई चर्चा पर भी ध्यान दें):
- प्रतिक्रिया (ए): क्रोध और आक्रामकता
- प्रतिक्रिया (बी): चोरी
- प्रतिक्रिया (सी): मादक द्रव्यों का सेवन
- प्रतिक्रिया (डी): यौन शोषण और लैंगिक निर्णय लेना (पॉक्सो प्रकरण)
- जोड़ों को सुझाए गए प्रकरण दें और कहें कि (नीचे के बक्सों में) अभ्यास में रूपरेखाएं को शामिल करें – यह अभ्यास करने के लिए कि सत्र का प्रत्येक चरण कैसे आगे बढ़ेगा।

- जोड़ों से कहें कि स्वयं एक के बाद एक रोल-प्ले प्रस्तुत करें और प्रदर्शित करें कि वे बच्चों के साथ सत्र का संचालन कैसे करेंगे। स्वयंसेवकों से जोड़े को प्लेनरी में भूमिका निभाने के लिए कहें और प्रदर्शित करें कि वे बच्चे के साथ सत्र का संचालन कैसे कर सकते हैं। बड़े समूहों या समय सीमा होने पर आप अलग-अलग जोड़ों को अलग-अलग चरण प्रस्तुत करने को कह सकते हैं और इस प्रकार से समूह में हस्ताक्षरों को आकार दिया जा सकता है।
- समूहों को टिप्पणी देने, प्रश्न पूछने तथा अपने ऐसे विचार सांझा करने हेतु प्रोत्साहित करें, जो उन्होंने विभिन्न स्थितियों में प्रयोग किये हों।

** एक समय में केवल एक क्षेत्र/विषय की व्याख्या करें (एक साथ नहीं) – उदाहरण के लिए, 'हस्तक्षेप 1: क्रोध और आक्रामकता', उसके बाद गतिविधि और चर्चा करें तब अगले क्षेत्र/विषय पर आगे बढ़ें।*

प्रथम स्तर प्रतिक्रिया (ए): क्रोध और आक्रामकता

- **क्रोध को स्वीकार करना:**
 - वैध भावना... हर किसी को गुस्सा आता है... यह गलत नहीं है।
 - मुद्दा यह है कि इसे उन तरीकों से कैसे व्यक्त किया जाए जो हमें/दूसरों को चोट नहीं पहुँचाये तथा इसे प्रबंधित और नियंत्रित कैसे करें।
- **अंतर्दृष्टि सुगमता:**
 - आपको गुस्सा कब आता है? (कारणों की सूची बनाये)
 - आप कितनी बार गुस्सा करते हैं? (गुस्सा थर्मामीटर)
 - आप गुस्से के समय क्या करते हैं?
- **परिवर्तन के लिए प्रोत्साहन:**
 - क्रोध के परिणामों की जाँच करें – जब क्रोध नियंत्रित नहीं होता है तो क्या होता है?
 - भविष्य हेतु अभिमुखीकरण – यदि आपका गुस्सा प्रबंधित नहीं किया जाता है, तो 5 से 10 साल बाद क्या होगा जब 1) आप एक नौकरी में/काम कर रहे होंगे 2) आपका परिवार होगा?
 - आपको क्या लगता है कि अगर आप अपने गुस्से को नियंत्रित करते हैं तो यह आपके लिए फायदेमंद होगा?
 - आक्रामकता पर आपकी विचारधारा या स्थिति क्या है?

जो आपको उन चीजों को करने के लिए कहता है जो आपके लिए फायदेमंद हैं या आपके लिए हानिकारक हैं? यदि कोई आपसे हानिकारक चीजें करने के लिए कहता है, तो क्या वह वास्तव में आपका दोस्त है? और इसलिए, क्या हमें उनकी राय पर विचार करना चाहिए?

- मुखरता पर रोल प्ले/साथियों के 'ना' कहना।
- दवा और चिकित्सा विधियों के माध्यम से बच्चे की चिंता/अवसाद को दूर करने में मदद करें (यदि वह पदार्थ उपयोग का आधार है)
- मादक द्रव्यों के सेवन की रोकथाम/बचाव के लिए दवा पर विचार करें (जब लालसा बहुत अधिक हो/वापसी के लक्षणों का सामना करना मुश्किल हो)।
- पर्यावरण संशोधन: बच्चे को बंद संस्था/सुरक्षात्मक वातावरण में रखें (प्रतिकूल सहकर्मी समूह प्रभावों/गिरोहों से दूर), जहां संरचित दैनिक कार्यक्रम हो (शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण)।

(कैसे प्रतिक्रिया दी जाये इस पर अधिक विचार प्रदान करने हेतु 'अवधारणा' के अंतर्गत व्यवहार परिवर्तन की रणनीतियों सेक्शन संदर्भित करने को कहें)।

केस स्टडी सी 1:

'स' एकल-अभिभावक परिवार से 15 वर्षीय किशोर है; उसके पिता (जिनकी मृत्यु हो गई) शराबी थे और घर पर घरेलू हिंसा थी, जिसका बच्चा भी शिकार था। उसने विद्यालय छोड़ने का फैसला किया और मादक द्रव्यों का सेवन मुख्य रूप से शराब और सौल्यूशन लेना और मादक पदार्थों की खरीद हेतु, उसने अपने साथियों के साथ चोरी करना शुरू कर दिया। उसके पास अपने साथियों के साथ, उन मादक पदार्थों को साझा करने की एक प्रणाली थी जो वे खरीदने में कामयाब होते थे। ऐसे में एक बार उनमें आपस में संघर्ष हुआ। बच्चे ने अपने दो साथियों को उसे मारने की साजिश रचते हुए सुना; इसलिए, जब वे सो गए, तो उसने उन्हें वास्तव में बुरी तरह से चोट पहुंचाने का फैसला किया ताकि वे उससे डरें। लेकिन ऐसा करने में, उसने उन्हें मार दिया। जिसके बाद वह हत्या के लिए कानून के साथ संघर्ष में आया।

केस स्टडी सी 2:

'श' एक मध्यम वर्गीय परिवार से है जिसमें कोई महत्वपूर्ण पारिवारिक समस्या नहीं है (यानी कोई घरेलू हिंसा/माता-पिता का वैवाहिक संघर्ष/मानसिक तनाव नहीं)। बच्चे की कोई बौद्धिक या विकासात्मक अक्षमता नहीं है और न ही उसे कोई भावनात्मक समस्या है; उसे शोषण और आघात का कोई कठिन अनुभव भी नहीं था। उसके पास चोरी, आक्रामकता, कामचोरी और अन्य नियम तोड़ने वाले व्यवहारों के साथ-साथ मादक द्रव्यों के सेवन (जैसे शराब, तंबाकू और भांग) से संबंधित व्यवहार की समस्याओं का एक लंबा इतिहास है। वह एक बड़े किशोर द्वारा अक्सर परेशान किया गया था – जो पड़ोस में बच्चों और युवाओं को धमकाने के लिए जाना जाता था। इस प्रकार, 'ह' ने उसे 'खत्म' करने का फैसला किया और एक दिन, शराब के प्रभाव में (जिसे उसने 'अधिक साहस' के लिए पिया था), किशोर को मार डाला, जिसके बाद वह कानून के साथ विवाद में आ गया।

हस्तक्षेप (बी): चोरी

*कोई पूर्वाग्रह नहीं बनाना— ('बिना अनुमति के दूसरे लोगों की चीजें लेना' ('चोरी नहीं करना')

- आवश्यकताओं को स्वीकार करना:

- आइए पहले हम अपनी जरूरत की वैधता की जाँच करें (आपने किसी से क्या लिया)।
- हर किसी की जरूरतें और इच्छाएं होती हैं – चीजों को चाहत गलत नहीं।
- मुद्दा यह है कि हम मुसीबत में पड़े बिना/दूसरों को चोट पहुंचाये बिना, किन तरीकों से उन्हें प्राप्त करें।

- अंतर्दृष्टि सुगमता:

- बिना अनुमति के दूसरों की चीजें लेना गलत क्यों है... सामान किससे संबंधित है? उन्होंने इसे कैसे हासिल किया? (इसे खरीदने के लिए काम करके/कमाई करके...)
- क्या हम वह ले सकते हैं जो हमारा नहीं है? (पात्रता की भावना)
- आपको कैसे लगता है कि किसी व्यक्ति को जब पता चलता है उसका सामान ले लिया गया है/खो गया है तो उसे कैसे महसूस होता है? अगर कोई आपके साथ ऐसा करे तो आपको कैसा लगेगा? (सहानुभूति दिखाना)

- परिवर्तन के लिए प्रोत्साहन:

- दूसरों की अनुमति के बिना चीजों को लेने के परिणामों की जाँच करें – जब हम ऐसा करते हैं तो क्या होता है?
- भविष्य हेतु अभिमुखीकरण – यदि यह व्यवहार जारी रहता है (आदत बन जाता है), 5 से 10 साल बाद क्या होगा जब 1) आप नौकरी में/काम कर रहे होंगे; 2) आपकी दोस्ती 3) लोग आपके/आपकी विश्वसनीयता के बारे में क्या कहेंगे?
- आपको क्या लगता है कि यदि आप अपना व्यवहार बदलते हैं तो यह आपके लिए फायदेमंद होगा?

- व्यवहार परिवर्तन :

- क्या ऐसे तरीके हैं जिनसे आप योजनाबद्ध तरीके से जो चाहें प्राप्त कर सकते हैं? (काम करना, पैसा बचाना...)

(कैसे प्रतिक्रिया दी जाये इस पर अधिक विचार प्रदान करने हेतु 'अवधारणा' के अंतर्गत व्यवहार परिवर्तन की रणनितियों सेक्शन संदर्भित करने को कहें)।

केस स्टडी बी 1:

'ज' चोरी करने के कारण कानून के साथ संघर्ष में आ गया (मोबाइल फोन चोरी) –यह चौथी बार था जब वह संप्रेक्षण गृह आया है। वह विद्यालय छोड़ चुका है तथा उसने छठवीं कक्षा तक पढ़ाई की है, जिसके बाद वह 2 साल घर पर खाली रहा। तब से, जब उसे 'पैसे की जरूरत होती थी', तब कभी-कभार वह काम करता था, लेकिन नियमित या निरंतर रूप में नहीं। उसके पास विभिन्न दीर्घकालिक व्यवहार की समस्याएं हैं – मादक पदार्थों का सेवन, प्रोत्साहन की कमी, असावधानी, अति सक्रियता और आवेगशीलता, (इस प्रकार उसमें ए0डी0एच0डी0 पुष्टि है)। इससे वह विद्यालय और घर पर परेशानी में आ गया, उसके पिता अक्सर उसका शारीरिक शोषण करते थे। घर पर उसे अनुशासित करने के सभी प्रयास विफल रहे। लगभग 1.5 साल पहले, उनकी माँ का निधन हो गया (बच्चा इस बात से अनभिज्ञ है कि उसे किस प्रकार की बीमारी थी) और उसने जो हानि और दुःख का अनुभव किया था, उसके कारण उसे शराब का उपयोग फिर से शुरू करना पड़ा (जिसे उसने अस्थायी रूप से छोड़ दिया था)।

केस स्टडी बी 2:

'छ' निम्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि का 16 वर्षीय लड़का है, और उसकी बहुत ही कठिन वित्तीय परिस्थितियां हैं। उसके पिता को दिल की बीमारी है। उसने परिवार को सहयोग करने और निर्माण कार्य में एक दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम करने हेतु विद्यालय छोड़ दिया। उसने अपने एक दोस्त को बताया कि उसके पिता बहुत बीमार थे और माँ आवश्यक चिकित्सा उपचार की व्यवस्था करने के लिए संसाधनों को इकट्ठा करने के लिए अत्यधिक चिंतित थी। उसके दोस्त ने उस दिन बाद में उससे मिलने के लिए कहा, यह कहते हुए कि वह उसे कुछ पैसे की मदद कर सकेगा। जब 'घ' मिलने की जगह पर गया, तो उसे अपने दोस्त की योजनाओं के बारे में पता नहीं था और पहली बार में चौंक गया जब उसका दोस्त उसे एक खाली घर में ले गया और उसने वहाँ ताला तोड़ दिया। हालांकि, बच्चे ने उस घर में अपने दोस्त को पैसे और कीमती सामान खोजने में मदद की, जो उन्होंने आपस में बाँट लिया। बच्चा घर गया और उसने अपनी माँ को अपने पिता के इलाज के लिए पैसे दिए। बाद में, उसके दोस्त को पकड़ने वाली पुलिस उसके घर भी आई और उसे भी लूट में शामिल होने हेतु गिरफ्तार कर लिया।

हस्तक्षेप (सी): मादक द्रव्यों का सेवन

● भावनाओं/सुखों को स्वीकार करना:

- कई लोग अलग-अलग सीमाओं तक पदार्थों का उपयोग करते हैं... कुछ लोग इसका उपयोग कभी-कभी/सामाजिक रूप से करते हैं, अन्य लोग इसे बहुत बार उपयोग करते हैं जब तक कि यह उन्हें इसकी आदत नहीं बन जाती है और वे इसके बिना कुछ कर नहीं सकते हैं/यह उनके स्वास्थ्य/जीवन/कार्य को प्रभावित करना शुरू करती है।
- पदार्थ का उपयोग करने के लाभ हैं यह भी सच है ... यह आनंद दे सकते हैं, जीवन के कठिन और दुखद घटनाओं को भूलने में मदद करते हैं...
- मुद्दा यह नहीं है कि यह अच्छा है या बुरा है/आप पदार्थ का उपयोग करते हैं इसलिये खराब हैं... यह एक निर्णय के बारे में है जिसे आप करना चाहते हैं – चाहे इसका उपयोग करें या अभी... आपके जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव के आधार पर... और आप आनंद लेने वाले पदार्थ से प्राप्त होने वाले आनंद (क्षण भर शायद) बनाम इससे आपके जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव के बीच निर्णय कैसे लेने जा रहे हैं?

● अंतर्दृष्टि सुगमता:

- पदार्थ के उपयोग के वित्तीय प्रभाव का अन्वेषण करें यानी बच्चे को यह गणना करने के लिए कहें कि वह प्रत्येक दिन/सप्ताह में पदार्थ पर कितना खर्च करता है, और यदि वह पैसा बच जाये तो वह उसका उपयोग कैसे कर सकता है।
- पदार्थ के उपयोग से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव संबंधी वीडियो दिखाएं/समझाएं।

● परिवर्तन के लिए प्रोत्साहन:

- भविष्य हेतु अभिमुखीकरण—यदि पदार्थ का उपयोग जारी है, तो 5 से 10 साल बाद क्या होगा जब 1) आप नौकरी में/काम कर रहे होंगे; 2) आपके पारिवारिक संबंध कैसे होंगे?
- पदार्थों का उपयोग नहीं करने के लाभ?

● व्यवहार परिवर्तन :

- मुखर कौशरल विकसित करना – दोस्तों/साथियों द्वारा दिये जाने पर मादक पदार्थों को 'नां' कहना।
- दोस्ती और सहकर्मी संबंधों के विचारों का पता लगाएं – कौन दोस्त है?

हस्तक्षेप डी: यौन शोषण और लैंगिक निर्णय लेना (पॉक्सो के प्रकरण)

	<p style="text-align: center;">यौन शोषण</p> <ul style="list-style-type: none"> ● किसी अन्य व्यक्ति के लिए हानिकारक/चोट पहुँचाने वाला जिसमें हिंसा और शोषण होता है। ● व्यवहार समस्या ● आपसी-सहमति से नहीं। ● इसलिए, एक गंभीर अपराध। 	<p style="text-align: center;">अनुचित लैंगिक निर्णय लेना</p> <ul style="list-style-type: none"> ● जो किशोर 'शादी करने' / साथ रहने के लिये भाग जाते हैं। ● जीवन कौशल का मुद्दा (निर्णय लेना)। ● अक्सर पारस्परिक रूप से निर्णय लिया जाता है, सहमति मौजूदा रोमांटिक संबंध पर आधारित। ● वास्तव में एक अपराध नहीं है – यदि किशोरों के यौन अधिकारों का सम्मान किया जाता है।
<p>भावनाओं की स्वीकृति</p>	<p>स्वीकार करें कि सभी की यौन जरूरतें और इच्छाएँ होती हैं... यौन कार्य आनंददायक हो सकते हैं।</p> <p>लेकिन उनके लिए संदर्भ होते हैं... कहां, कब, कैसे और किसके साथ हम उन्हें करते हैं... हमें अपनी आवश्यकताओं / इच्छाओं पर कार्य करने से पहले विचार करना होगा।</p>	<p>रिश्ते की गंभीरता को स्वीकार करें.. . शादी की योजना, प्रतिबद्धता भी हो सकती है... किशोर का आकर्षण/ प्यार... कम नहीं समझना चाहिए...</p> <p>लेकिन क्या योजनाबद्ध तरीके से काम करने के और भी प्रकार हो सकते थे ताकि वे आरामदायक और ऐसा करने में सफल हों?</p>
<p>अंतर्दृष्टि सुगमता / बदलाव हेतु प्रोत्साहन</p>	<p>जब आपने ऐसा किया तो दूसरे व्यक्ति को कैसा लगा होगा? क्या वे आहत, क्रोधित, डरे हुए हो सकते थे...? (सहानुभूति निर्माण)</p> <p>यदि प्रकरण में पीड़ित बच्चा था – किस उम्र में लोग आमतौर पर यौन संबंध के लिए तैयार होते हैं यानी शारीरिक रूप से और इच्छा/आकर्षण महसूस करने के मामले में? क्या छोटे बच्चों में यौन संबंध बनाने की शारीरिक/मानसिक क्षमता होती है? तो क्या हम कर सकते हैं...?</p>	<p>आपके, साथ रहने/शादी करने के बारे में आपके माता-पिता की चिंताएँ क्या हो सकती हैं? (वित्तीय स्थिरता, शिक्षा पूरी करने पर चर्चा करें)</p> <p>शारीरिक/लिव-इन रिलेशनशिप में व्यस्त रहने से लड़की गर्भवती हो सकती है... पेरेंटिंग/बच्चों के लिए आपकी तैयारी?</p> <p>विवाह के बारे में कानून – 18 वर्ष</p>

	<p>क्या आप जानते हैं कि पॉक्सो नामक एक कानून है? यह कहता है...</p> <p>भले ही वह व्यक्ति आपकी जितनी ही उम्र का हो, फिर भी क्या आप आगे बढ़ सकते हैं और अपनी इच्छाओं पर काम कर सकते हैं? दूसरे व्यक्ति की अनुमति/सहमति के बारे में क्या?</p> <p>निर्भया मामले के बाद नया जे0जे0 संशोधन/दिसंबर 2015... जघन्य अपराधों के लिए स्थानांतरण प्रणाली</p>	<p>से अधिक होना चाहिए... यह कानून अस्तित्व में क्यों आया? (महिलाओं के स्वास्थ्य/गर्भावस्था/बच्चे की भलाई...)</p>
--	--	--

<p>व्यवहार परिवर्तन</p>	<p>तो, हम किशोरों को यौन संबंधों के बारे में निर्णय लेने में कैसे मदद करते हैं? विंडो दृष्टिकोण... (प्रशिक्षण मैनुअल 2 में भी शोषण और आघात पर कार्य करना)।</p> <ul style="list-style-type: none"> ● विंडो 1: प्यार और आकर्षण/आवश्यकताओं और सुखों की प्राप्ति “किसी के लिए प्यार और आकर्षण महसूस करने में कुछ भी गलत नहीं है... हर कोई करता है और प्यार और शारीरिक अंतरंगता अद्भुत है... यह मानव जीवन के महत्वपूर्ण पहलू हैं। हम प्यार और यौन अंतरंगता की आवश्यकता हेतु इनकार नहीं कर सकते – और उनके लिए हमारे जीवन में जगह बनानी चाहिए। सवाल यह है कि क्या हम बाकी सब कुछ अलग कर सकते हैं (जैसे कि शिक्षा, रोजमर्रा की गतिविधियाँ और जीवन की योजनाएँ) और केवल प्यार और सेक्स पर केन्द्रित रहें?” ● विंडो 2: गोपनीयता “निजता का क्या अर्थ है? खिड़कियों में पर्दे क्यों होते हैं? हम दरवाजा बंद करके स्नान क्यों करते हैं? हम यौन गतिविधि में कहाँ शामिल हो सकते हैं? यहाँ कई सार्वजनिक स्थान हैं जैसे पार्क, बाजार... क्या आप कुछ निजी स्थानों के बारे में सोच सकते हैं? फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया क्या सार्वजनिक या निजी स्थान हैं? ऐसा नहीं है कि वहाँ कुछ खास तरह की (अंतरंग) तस्वीरें लगाना गलत है... लेकिन एक बार जब आप वहाँ कोई तस्वीर पोस्ट करते हैं, तो क्या आपका उस पर नियंत्रण है कि कौन उसे देख रहा है, जो आपकी निजता है? क्या हम नियंत्रित कर सकते हैं कि कुछ
--------------------------------	--

लोग क्या सोच और कर सकते हैं यदि वे एक निश्चित प्रकार की तस्वीर देखते हैं? उदाहरण के लिए, यदि कोई लड़की अपने प्रेमी के साथ यौन स्थिति में अपनी एक तस्वीर डालती है, तो हममें से कुछ लोग ऐसा सोच सकते हैं कि ऐसा करना उसका अधिकार है और इससे ज्यादा और कुछ नहीं सोचें; जबकि उसके कुछ पुरुष सहपाठी इसे देख सकते हैं और सोच सकते हैं...? कि यदि वह उस आदमी के साथ ऐसा कर सकती है, तो मैं क्यों नहीं? फिर क्या होगा यदि वे उससे संपर्क करें और उसे अपने साथ वैसा ही करने के लिए मजबूर करें...? जबकि हम में से कई महिला अधिकारों और महिलाओं की सुरक्षा के समर्थक हैं, और मानते हैं कि महिलाओं को जो वो चाहें वह पहनने और किसी भी समय बाहर आने-जाने की छूट इस विश्वास के साथ होनी चाहिये कि उन्हें परेशान नहीं किया जायेगा। दुनिया की वास्तविकताएँ क्या हैं, जहाँ हम रहते हैं?

- **विंडो 3: सहमति और सीमायें**

“अनुमति और सहमति का क्या मतलब है? किन स्थितियों में हम अनुमति मांगते हैं? उदाहरण के लिए, यदि मैं आपके कमरे में प्रवेश करना चाहता हूँ, तो मैं ऐसा कैसे करूँ? यदि मैं दरवाजा खटखटाता नहीं या पूछता नहीं, और मैं सीधे अंदर आ जाता हूँ, तो आपको कैसा महसूस होगा? क्या होता है जब सहमति नहीं मिलती और हम फिर भी आगे बढ़ते हैं और कुछ करते हैं... चाहे हम किसी का सामान लें या उनके घर/स्थान में प्रवेश करें...? यह संभावना है कि एक रिश्ते में यदि लोग जबरदस्ती महसूस करें तो वहाँ बहुत विश्वास या सम्मान या पसंद नहीं रह जायेगी। हिंसा, बल या जबरदस्ती का एक चरम रूप है... अन्य क्या हैं? मान लीजिए कि आपने किसी को फिल्म के लिए पूछा और उसने “नहीं” कह दिया, आपफिर भी टिकट खरीदते हैं और उसे बताते हैं कि उसे आना चाहिए...? जब वह मना करना जारी रखता है, यदि आप कहते हैं (मधुर स्वर में) – कृपया, कृपया... क्या आप मेरे दोस्त नहीं हैं? क्या आप मुझसे प्यार नहीं करते? यदि आप सचमुच मुझसे प्यार करते हैं, तो आपको आना चाहिये... यह जबरदस्ती का एक रूप होगा? तो, बल के सभी प्रयोग गुस्सैल या हिंसक नहीं हैं; यह उन तरीकों से भी किया जा सकता है जो नरम हैं, लेकिन इसका अभी भी मतलब जबरदस्ती ही है – जब कोई किसी व्यक्ति को वह करने के लिए मजबूर करता है जिसे वह नहीं करना चाहता है। और जब हम किसी के साथ जबरदस्ती करते हैं

तो हम सीमाओं को तोड़ते हैं...

- **विंडो 4: संबंध**

“वह व्यक्ति कौन है जिसके साथ यौन संबंध बनाने पर विचार किया जा रहा है? क्या यह एक छोटी बच्ची है – ऐसी स्थिति में यह समस्याग्रस्त हो सकता है क्योंकि एक छोटी बच्ची के लिए सहमति देना संभव नहीं है... क्योंकि वह लैंगिकता के मुद्दों को नहीं समझती है। (बच्चों के साथ यौन संबंध के खिलाफ भी कानून हैं)। क्या यह परिवार के भीतर से कोई है... जैसे अंकल/चाचा – सीमा संबंधी मुद्दों/पारिवारिक रिश्तों पर विचार करते हुये यह भी मुश्किल हो सकता है? क्या यह एक दोस्त है – यदि हां, तो कब से और कितनी अच्छी तरह से आप उसे जानते हैं? हम लोगों को कैसे जानते और उन पर विश्वास स्थापित करते हैं...? संबंधों को लेकर आपकी और उसकी क्या योजनाएं या अपेक्षाएं हैं?”

- **विंडो 5: स्वास्थ्य और सुरक्षा**

“असुरक्षित यौन संबंध के जोखिम? अनचाही गर्भावस्था... एचआईवी और अन्य यौन संचरित रोग। सुरक्षित सेक्स क्या है? कंडोम का उपयोग कैसे करें?”

- **विंडो 6: शोषण तथा संरक्षण**

“जब कोई व्यक्ति ऊपर दिये गये मुद्दों पर ध्यान दिये बिना किसी अन्य व्यक्ति के साथ संबंध रखता है, यानी, वह निजता के मुद्दों को ध्यान में नहीं रख रहा है, सहमति के विरुद्ध जाता है, जबरदस्ती का उपयोग करता है, सीमाओं को तोड़ता है और रिश्तों की उपेक्षा करता है...उनका शोषण – अपनो को बच्चों और वयस्कों का शोषण करने हेतु अलग करता है...” संक्षेप में शोषण/बलात्कार पर पॉक्सो और अन्य आपराधिक कानूनों पर चर्चा करें... और नए जेजे0 अधिनियम/2015 के संशोधन की व्याख्या करें ताकि बच्चे शोषण के कानूनी निहितार्थों को समझें।

यौन शोषण से संबंधित केस स्टडीज

केस स्टडी डी 1:

'छ' एक एकल अभिभावक वाले परिवार से 14 वर्षीय बालक है। वह कभी विद्यालय नहीं गया और एक बाल मजदूर था। वह आमतौर पर अपने पड़ोस के दोस्तों के साथ समय बिताता था, जो ज्यादातर उससे उम्र में बड़े थे। एक बार, उन्होंने उसे अश्लील वीडियो दिखाया था जिसके बाद बच्चा यौन संबंधों को लेकर उत्सुक था। अगले दिन, बच्चे ने अपने पड़ोस में रहने वाले 8 साल के एक लड़के को पास की एक खाली इमारत में ले जाकर उसके गुप्तांगों को अनुचित तरीके से छुआ, जिसके बाद वह तब कानून के साथ संघर्ष में जब छोटे बच्चे ने अपने माता-पिता से शिकायत की।

केस स्टडी डी 2:

'च' एक 17 वर्षीय लड़का था, जो 6 लोगों में से एक था जिन्होंने एक निजी बस में एक छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार किया था, जो एक पुरुष मित्र के साथ यात्रा कर रही थी। इमरजेंसी में इलाज के दौरान, तेरह दिन बाद छात्रा की मौत हो गई। दिल्ली पुलिस ने किशोर को छह आरोपियों में से सबसे क्रूर बताया। 'च' दस या ग्यारह वर्ष का था जब उसने अपना घर छोड़ा था। सात सदस्यों के एक परिवार का हिस्सा, 'च' सबसे बड़ा बच्चा था। पिता मनोरोग के मरीज थे। काम होने पर बेटियां खेत में मजदूर के रूप में प्रतिदिन 50 रुपये कमाती हैं। जबसे वह शहर में काम करने गया, 'च' की मां ने उसे पिछले छह-सात वर्षों में दो-तीन बार ही देखा था। उनकी माँ उस्पष्ट रूप से उस समय को याद करती हैं जब उसका जन्म हुआ था। गाँव का बुजुर्ग उसे याद करते हुये एक अन्य ग्रामीण को बताता है कि 'च' एक अच्छा लड़का था, जिससे उसका मतलब था कि उसे याद है कि उसे उसके बारे में याद करने लायक कुछ भी बुरा नहीं है। ढाबे के मालिक के रूप में वह व्यक्ति उसे एक लड़के के रूप में याद करता है जिसके पास मोबाइल फोन नहीं था, वह लड़कियों या क्रिकेट या फिल्मों में शामिल नहीं था। उसकी नौकरियां बिना किसी शिक्षा के एक गरीब लड़के की नौकरियां थीं – बस क्लीनर, बरतन धोने वाला, दूधवाले के लिए सहायक, ढाबा सहायक।

लैंगिक निर्णय लेने से संबंधित केस स्टडीज

केस स्टडी डी 3:

'म' मध्यम सामाजिक-आर्थिक परिवार से एक 17 वर्षीय लड़का है। उसने दसवीं की पढ़ाई पूरी की थी और एक गैराज में काम करने लगा। वह एक 16 साल की लड़की, जो उसके पड़ोस में रहती थी, के साथ एक आपसी सहमति से, रोमांटिक संबंध में था। हालाँकि दोनों परिवारों ने इस रिश्ते का विरोध किया और जिससे उन्हें यह डर था कि वे अलग हो जाएंगे, वे दूसरे शहर भाग गए और उन्होंने एक मंदिर में 'शादी कर ली' और 6 महीने तक एक साथ रहे (लड़का किसी की संपत्ति में काम कर रहा था)। लड़की के माता-पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और जब लड़का और लड़की उन्हें वापस मिले, तो लड़के पर अपहरण और बलात्कार (पॉक्सो) का आरोप लगाया गया।

केस स्टडी डी 4:

‘ज’ एक उच्च मध्यम वर्गीय परिवार का 15 वर्षीय लड़का है। वह एक महंगे निजी विद्यालय में पढ़ता था जहाँ वह अपनी सहपाठी के साथ रोमांटिक रिश्ते में था। कुछ महीनों के बाद, लड़की अब उसके साथ नहीं रहना चाहती थी, उसने उसे बताया और दूसरे लड़के के साथ बाहर जाना शुरू कर दिया। ‘ज’ बहुत गुस्से में था। उसने लड़की के ई-मेल को हैक कर लिया, जिसमें उसने पाया कि लड़की की कुछ नग्न तस्वीरें थीं (जो वह अपने नये प्रेमी के पास भेज रही थी)। ‘ज’ ने उन तस्वीरों को अपनी कक्षा में (लड़की सहित) सभी को भेज दिया। लड़की के माता-पिता ने विद्यालय और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद ‘ज’ पर पॉक्सो के अंतर्गत आरोप लगाये गये।

केस स्टडी डी 5:

‘भ’ अपनी कक्षा की एक लड़की के साथ आपसी सहमति से रोमांटिक संबंध में एक 16 वर्षीय लड़का है। उन्होंने विवाह की दीर्घकालिक योजनाएँ पहले ही बना ली थीं। लड़की ने ‘भ’ को बताया कि उसे डर था कि उसके माता-पिता उसकी शादी किसी और से कर सकते हैं। इसलिए, उसने उनकी एक साथ की नग्न तस्वीरें लेने और अपने माता-पिता को भेजने का सुझाव दिया—ताकि ‘जिससे उन्हें हमारी शादी करनी पड़े’। ‘भ’ को यकीन नहीं था कि यह सही काम है। लेकिन जब उसने मना कर दिया, तो लड़की ने कहा कि ‘अगर तुम मुझसे प्यार करते हो, और तुम सच में मुझसे शादी करना चाहते हो, तो तुम यह करोगे... वरना, इसका मतलब है कि तुम ऐसा नहीं चाहते... और मैं आत्महत्या कर लूंगी’। तो, ‘भ’ ने अंततः नग्न तस्वीरें लीं और उन्हें दोनो के माता-पिता के पास भेज दिया, जिसके बाद लड़की के माता-पिता ने शिकायत की और उस पर पॉक्सो के अंतर्गत आरोप लगाए गए।

मनोसामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य चिंताओं (2) के लिए प्रथम स्तर की प्रतिक्रियाओं हेतु गतिविधि

विधि: फिल्म देखना व चर्चा।

सामग्री: निम्न पर प्रशिक्षण फिल्म क्लिप

- 'सहकर्मी प्रभाव मुद्दों के लिए प्रथम स्तर की प्रतिक्रिया'।
- 'लैंगिकता के मुद्दों पर प्रथम स्तरीय प्रतिक्रिया'।

प्रक्रिया:

- प्रत्येक क्लिप को दिखायें (और चर्चा के साथ इसका आगे बढ़ाये)।
- प्रतिभागियों को 4-चरणीय रूपरेखा देखने के लिए कहें (भावनाओं/अनुभवों की स्वीकृति, अंतर्दृष्टि सुगमता, परिवर्तन के लिए प्रोत्साहन, व्यवहार परिवर्तन के लिए रणनीति) प्रत्येक क्लिप में परामर्शदाता द्वारा अनुसरण किया जायेगा।

चर्चा:

- प्रतिभागियों को अपनी टिप्पणियों को साझा करने के लिए आमंत्रित करें।
- परामर्शदाता (क्लिप में) द्वारा बताई गई विशिष्ट चीजों को लेने के लिए कहें जो दर्शाते हैं कि वह उस 4-चरणीय ढांचे का पालन कर रहे हैं जिस पर हमने चर्चा की है और उपयोग करने का अभ्यास किया है।

नोट: यह फिल्म क्लिप देखने और चर्चा करने की गतिविधि केस स्टडी-रोल प्ले गतिविधि से पहले भी की जा सकती है, खासकर यदि प्रतिभागियों के लिये पहले स्तर की प्रतिक्रिया रूपरेखा और उसमें शामिल चरणों को समझना मुश्किल है; यह देखते हुए कि इसे कैसे किया जा सकता है और फिर इसे करने से कुछ समूहों के लिए बेहतर काम हो सकता है।

3.2 मनोसामाजिक तथा मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों हेतु गहन हस्तक्षेप

उद्देश्य

- जीवन कौशल प्रशिक्षण विधियों का उपयोग करने के लिए।
- किशोरों को आघात से निपटने के लिए सक्षम करने के तरीकों को सीखना क्योंकि यह हानि और दुख या यौन शोषण से संबंधित है।

समय

2 घंटा (यदि सुगमकर्ता और प्रतिभागी ज्यादा गतिविधियाँ करना चाहते हैं तो इसे बढ़ाया जा सकता है – ऐसे में इसे पूरे 1 दिन तक बढ़ाया जा सकता है।)

अवधारणा

जीवन कौशल प्रशिक्षण पद्धतियों की बुनियादी अवधारणाओं को पिछली कार्यशाला (प्रशिक्षण श्रृंखला 2 में 'हानि और शोषण का आघात पर कार्य करना) में बताया तथा उनपर चर्चा की गई है। गहन हस्तक्षेप हेतु, किशोर जीवन कौशल श्रृंखला 1 की 'सामाजिक और भावनात्मक विकास' गतिविधि' के साथ-साथ किशोर जीवन कौशल श्रृंखला 2 की 'लिंग, लैंगिकता और संबंध' गतिविधि का प्रयोग किया जा सकता है। (सामुदायिक बाल एवं किशोर मानसिक स्वास्थ्य सेवा परियोजना, NIMHANS द्वारा विकसित)।

जैसा कि चर्चा की गई है, कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों की जीवन कौशल में कमी उनकी प्रमुख समस्याओं में से एक है— मुख्य रूप से यह भावनात्मक विनियमन (जैसे क्रोध, चिंता और अन्य आवेग), समस्या-समाधान, संघर्ष-समाधान और मुखरता से संबंधित। जीवन कौशल श्रृंखला की गतिविधियाँ जो आचरण, क्रोध व चिंता प्रबंधन, मादक द्रव्यों के सेवन और सहकर्मी दबाव के साथ मुकाबला करने पर आदि पर ध्यान केंद्रित करती हैं, उन्हें कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों के साथ करता उपयोगी होगा; जैसा कि पहले भी चर्चा की गई थी, लिंग, लैंगिकता और संबंधों पर जीवन कौशल श्रृंखला तथा 'विंडो दृष्टिकोण' के अनुसार तैयार की गई गतिविधियाँ न केवल यौन शोषण के पीड़ित बच्चों के साथ उपयोग करने के लिए हैं, बल्कि सीमाओं का उल्लंघन व उच्च जोखिम में यौन व्यवहार और/या यौन शोषण व्यवहार करने वाले बच्चों और किशोरों, के लिये भी उपयोगी है।

हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि आघात और कठिन मुद्दों का सामना करने वाली गतिविधियों को कानून से संघर्षरत् बच्चों के साथ नहीं किया जाना चाहिए। कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों को समझने में एक सामान्य त्रुटि तब होती है जब हम उन्हें केवल उनके नकारात्मक व्यवहारों के संदर्भ में देखते हैं। अब आप जानते हैं कि इनमें से कई बाहरी व्यवहारों (जैसे कि आक्रामकता, चोरी, मादक द्रव्यों के सेवन...) का आधार अक्सर भावनात्मक समस्याएं हो सकती हैं, जो परिवार के भीतर और बाहर शोषण, कठिन और आघातपूर्ण अनुभवों से उत्पन्न होती हैं। इसके अतिरिक्त, सिर्फ इसलिए कि बच्चे में सामाजिक रूप से अनुचित व्यवहार है, तो उसे आंतरिक विकारों या भावनात्मक समस्याओं से ग्रसित नहीं मान सकते – और उसे ऐसे आघात, शोषण और अन्य कठिन मुद्दे जो उसके लिये भावनात्मक संकट पैदा कर रहे हैं, का सामना करने हेतु सहायता प्राप्त करने का अधिकार है।

इसलिए, जीवन कौशल गतिविधियों के साथ शुरू करना उपयोगी होगा, जो भावनात्मक मुद्दों (जैसे कठिन अनुभव का सामना करना और चिंताओं और व्याग्रताओं का प्रबंधन) पर ध्यान केंद्रित करती है और फिर उन गतिविधियों पर आगे बढ़ना ठीक है जो सामाजिक रूप से अनुचित/‘समस्या’ व्यवहार पर ध्यान केंद्रित करती हैं (जैसे आचरण और मादक द्रव्यों का सेवन)। वास्तव में, यदि आप देखें हैं कि कैसे सामाजिक और भावनात्मक विकास पर जीवन कौशल श्रृंखला बनी है, तो आप पायेंगे कि यह उन गतिविधियों से शुरू होती है जो बच्चों को उनके भावनात्मक मुद्दों पर काम करने में मदद करती हैं और फिर उन्हें व्यवहार और विचारों को प्रतिबिंबित करने में मदद करने के लिए आगे बढ़ती हैं। (संदर्भ—अनुभव—आंतरिक आवाज—भावना—व्यवहार विश्लेषण फ्रेमवर्क याद रखें!)

जीवन कौशल के तरीकों का अभ्यास शुरू करने हेतु गतिविधि

विधि: अभ्यास और प्रदर्शन।

सामग्री: जीवन कौशल श्रृंखला (आवश्यक सामग्री के साथ मुद्रित)

प्रक्रिया:

- प्रतिभागियों को उप-समूहों (संख्या के आधार पर 6 प्रति समूह) में विभाजित करें।
- सामाजिक-भावनात्मक विकास पर किसी भी 1 जीवन कौशल श्रृंखला का चयन करें – या तो बच्चों या किशोरों के लिए।
- प्रत्येक उप-समूह को श्रृंखला से एक विषयगत क्षेत्र (जैसे आचरण, पदार्थ का उपयोग, सहकर्मी संबंध) आवंटित करते हुये उन्हें निम्नलिखित करने के लिए कहें:
 - एक-एक करके गतिविधियों को पढ़ें (उन्हें आवंटित विषय से संबंधित)।
 - चर्चा करें कि वे इसे बच्चों के समूह के साथ कैसे निष्पादित करेंगे।
- प्रत्येक उप-समूह से अनुरोध करें कि वे एक के बाद एक आगे आएँ और उन्हें आवंटित गतिविधियों को संक्षेप में प्रस्तुत करें— वे बड़े समूह को बाल समूह के रूप में उपयोग कर सकते हैं।

(विचार सिर्फ कार्यप्रणाली और अभ्यास से उन्हें खुद को परिचित कराने का है।)

चर्चा:

- प्रतिभागियों को गतिविधियों और तरीकों के बारे में सवाल पूछने के लिए आमंत्रित करें, और बच्चों के साथ काम करते समय आने वाली चुनौतियों का पूर्वानुमान लगाने के लिए – ताकि इन पर चर्चा की जा सके।

*इसी तरह, किशोरों (लिंग, लैंगिकता और संबंध) से संबंधित अन्य जीवन कौशल श्रृंखलाओं का भी प्रदर्शन और उनपर चर्चा की जा सकती है— इस पर कई फिल्म क्लिप हैं, जिन्हें समय के आधार पर या तो पूर्ण या चुनिंदा तरीके से दिखाया जा सकता है।

*वैकल्पिक रूप से, सुगमकर्ता कुछ गतिविधियों को भी प्रदर्शित कर सकता है।

*यह मानते हुए कि पिछले प्रशिक्षण कार्यशाला में पहले से ही कुछ जीवन कौशल गतिविधियों पर चर्चा की गई है, इस सत्र की गतिविधियां कानून से संघर्षरत् बच्चों के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर सकती हैं।

4. क्षेत्र अभ्यास

4.1 पर्यवेक्षित क्षेत्र अभ्यास

उद्देश्य

- प्रतिभागियों को कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान और कौशल को लागू करने के लिए सक्षम बनाना।
- उन्हें सैद्धांतिक ज्ञान को व्यवहार और कार्रवाई में अनुवाद करने में सक्षम बनाना।

अवधारणा

जैसा कि पहले की कार्यशालाओं में किया गया था, क्षेत्र अभ्यास का कोई विकल्प नहीं है! इस प्रकार, यह कार्यशाला भी क्षेत्र में (सुगमकर्ता के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण के अंतर्गत), कानून से संर्घषरत् बच्चों के साथ किये जाने वाले कार्य के प्रदर्शन और एक क्षेत्र अभ्यास गृहकार्य जिसे बाद में प्रतिभागियों द्वारा पूरा करने की आवश्यकता होती है, के साथ समाप्त होगी।

पर्यवेक्षित क्षेत्र अभ्यास हेतु गतिविधि

*प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिन सभी प्रतिभागियों द्वारा की जायेगी।

विधि: एक संप्रेक्षण गृह में व्यक्तिगत मूल्यांकन का व्यावहारिक क्रियान्वयन (या देखरेख और संरक्षण गृह में जहां व्यवहार और आचरण की समस्याओं के साथ चिन्हित बच्चे हैं)

सामग्री: कानून के साथ संर्घषरत् बच्चों के लिए मनोसामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य मूल्यांकन प्रारूप।

प्रक्रिया:

- (आयोजन एजेंसी के सहयोग से) संप्रेक्षण गृह या एक देखरेख व संरक्षण गृह का चयन करना जहां व्यवहार/आचरण की समस्याओं वाले बच्चों आवासित हैं।
- संस्था के कार्मिकों से बच्चों की एक सूची प्रदान करने के लिए कहें जिनके साथ आप व्यक्तिगत रूप से काम कर सकते हैं – यह वे बच्चे हो सकते हैं जिनमें उन्होंने भावनात्मक और व्यवहार संबंधी समस्याएं दिखी हैं।
- प्रतिभागियों से जोड़े में आने के लिए कहें।

- प्रत्येक प्रतिभागी-जोड़ी को एक बच्चे के साथ, लगभग एक घंटे की अवधि में निम्नलिखित काम करने को कहें
 - व्यक्तिगत मूल्यांकन प्रारूप समझायें।
 - कार्यशाला में सिखाए गई प्रथम स्तर की प्रतिक्रियाओं के उपयोग के माध्यम से कुछ बुनियादी जानकारी प्रदान करें।
 - बच्चे के मुद्दों और आवश्यकताओं (यानी व्यक्तिगत देखभाल योजना) के बारे में संस्थान के कार्मिकों/अधीक्षक को फीडबैक।
- सुगमकर्ता के पर्यवेक्षण में प्रतिभागियों द्वारा व्यक्तिगत बच्चों के साथ कार्य किया जाना है – इसलिए यह सुनिश्चित करें कि आप निरंतर सहयोग प्रदान कर रहे हैं यानी जैसे प्रतिभागियों के प्रश्नों और संदेहों का उत्तर।

चर्चा:

- फिर से एकत्रित हों (एक अलग स्थान पर) और प्रतिभागियों के अनुभव पर एक के बाद एक चर्चा करें – क्या अच्छा हुआ? क्या करने में उन्हें आत्मविश्वास महसूस किया? बच्चे के साथ उनकी बातचीत और साक्षात्कार का कौन सा हिस्सा चुनौतीपूर्ण था? तदनुसार सुझाव दें- प्रतिभागियों को समाधान के साथ एक दूसरे की सहायता करने के लिए भी प्रोत्साहित करें।

4.2 गृहकार्य

उद्देश्य

- कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान और कौशल को उपयोग करने के लिए प्रतिभागियों को सक्षम बनाने हेतु।
- उन्हें सैद्धांतिक ज्ञान को अभ्यास और निरंतर आधार पर कार्य करने में सक्षम बनाना।

अवधारणा

अपने दैनिक कार्य क्षेत्र में अभ्यास, अभ्यास, अभ्यास करें ... आपने जो कुछ भी सीखा है उसे आजमाएं!

गृहकार्य हेतु गतिविधि

*कार्यशाला के बाद के हफ्तों में प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों द्वारा पूरा किया जाना।

विधि: बाल देखरेख संस्थान/संप्रेक्षण गृह/विद्यालय में कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों के व्यक्तिगत मूल्यांकन का व्यावहारिक क्रियान्वयन।

सामग्री: मूल्यांकन प्रारूप (प्रासंगिक)

प्रक्रिया:

- प्रतिभागियों को निम्न करने के लिए कहें—
 - अपने संस्थान में 13 वर्ष से अधिक उम्र के किसी भी बच्चे का चयन करें, जिसे आक्रामकता/हिंसा, मादक द्रव्यों के सेवन, चोरी, यौन अपराध या रोमांस/लैंगिकता से संबंधित व्यवहार की समस्या है।
 - बच्चे का विस्तृत मूल्यांकन करने के लिए कार्यशाला में चर्चा किए गए मूल्यांकन प्रारूप का उपयोग करें।
 - यदि बच्चा 16 से 18 वर्ष के बीच का है, और यदि उस पर जेजे एक्ट 2015 के संशोधन के अनुसार जघन्य अपराध का आरोप लगाया गया है, तो प्रारंभिक मूल्यांकन रिपोर्ट भी भरें (कार्यशाला में चर्चा किए गए प्रारूप के अनुसार)।

- बच्चे के साथ पहले स्तर की प्रतिक्रियाओं का संचालन करें – संक्षेप में रिपोर्ट बनायें कि आपने मूल्यांकन के तुरंत बाद बच्चे को कैसे प्रतिक्रिया दी (व्यवहार परिवर्तन की रूपरेखा के लिए परिवर्तन/रणनीतियों हेतु भावनाओं/अंतर्दृष्टि सुगमता/प्रोत्साहन की अभिस्वीकृति का उपयोग करना)।
- बच्चे की समस्या को हल करने के लिए जीवन कौशल मॉड्यूल में सीखे गए/सम्मिलित/कम से कम 2 से 3 हस्तक्षेप विधियों का चयन करें और उनका उपयोग करें – संक्षेप में रिपोर्ट करें कि आपने हस्तक्षेप के इस हिस्से के बारे में कैसे सोचा।
- आपके हस्तक्षेपों के बाद बच्चे की प्रतिक्रियाओं का संक्षेप में वर्णन करें – क्या कोई बदलाव हुआ था?
- अपने काम के दौरान आने वाली कुछ चुनौतियों की सूची बनाएं।

*नोट: यह अंतिम स्तर/अंतिम कार्यशाला है – हालांकि, एक समीक्षा कार्यशाला, 2 दिनों के लिए आयोजित की जा सकती है। इस समय के दौरान, कानून के साथ संघर्ष में शामिल बच्चों से संबंधित गृहकार्य के साथ-साथ किसी भी अन्य कार्य/चिंता/सीख जो समय, प्रशिक्षण और क्षेत्र अभ्यास के दौरान सामने आई है, की समीक्षा की जा सकती है; अतिरिक्त और अधिक उन्नत इनपुट भी प्रदान किए जा सकते हैं। यह सीखने और उसको भविष्य में भी याद रखने हेतु मूल्यांकन करने का एक अधिक प्रभावी तरीका है, जिसे लोकप्रिय रूप से 'रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यशालाओं' के रूप में जाना जाता है, कई एजेंसियों के लिये पसंदीदा है, लेकिन वास्तव में, प्रतिभागियों के लिए दोहरावपूर्ण और उबाऊ हो सकता है!

अनुलग्नक 1

कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों हेतु मनोसामाजिक तथा मानसिक सवास्थ्य मूल्यांकन प्रारूप

सामुदायिक बाल एवं किशोर मानसिक स्वास्थ्य सेवा परियोजना,
बाल एवं किशोर मनोरोग विभाग, NIMHANS द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग,
कर्नाटका सरकार के सहयोग से

- इस मूल्यांकन प्रोफार्मा के सभी भागों पर जानकारी एकत्र करना आवश्यक है।
- मूल्यांकन प्रोफार्मा के भागों में जहाँ *(बच्चे से पूछें) चिह्नित हैं वहाँ आवश्यक रूप से बच्चे से बात किया जाना है; अन्य भागों की जानकारी बच्चे या संस्थान के कार्मिकों/देखरेखकर्ता या दोनों से एकत्र की जा सकती है।

भाग 1: मूलभूत जानकारी (कथित अपराध सहित)

मूल्यांकनकर्ता का नाम तथा ऐजेन्सी:

बच्चे का नाम:

मूल्यांकन दिनांक:

उम्र:

लिंग:

स्थान/उत्पत्ति का स्थान:

वर्तमान में संस्थागत होने का कारण (संस्था में आने की परिस्थितियाँ, जिसमें संस्था और पुलिस अधिकारियों के अनुसार किस अपराध में बच्चे को संस्था में लाया गया है, शामिल है)

भाग 2: सामाजिक पृष्ठभूमि (परिवार/विद्यालय/संस्था/मित्र):

2.1 परिवार में पहचाने गये मुद्दे (बच्चे के रहने की व्यवस्था/माता-पिता के रिश्ते/बच्चे के भावनात्मक संबंध और माता-पिता के प्रति लगाव/बीमारी और माता-पिता में शराब की लत/एकल-पालन-पोषण, बच्चे द्वारा महसूस किया गया कोई हानि का अनुभव...)

2.2 संस्थागत पृष्ठभूमि

यदि बच्चा परिवार के घातिरिक्त अन्य जगहों पर रहा है तो उसका विवरण (बच्चा कहाँ रहा/किस समय तक रहा है, अनुभव और कठिनाइयाँ; बच्चे के पुलिस स्टेशन या श्रम या हॉस्टल में रहना और वहाँ के अनुभव भी इसमें शामिल हैं)

2.3 विद्यालय की पृष्ठभूमि

(क्या बच्चा विद्यालय जा रहा था/पिछली कक्षा/कक्षा में शामिल हो रहा था/वर्तमान कक्षा में ग्रेड/यदि बच्चा विद्यालय नहीं जा रहा था, तो बच्चे के विद्यालय नहीं जाने के कारण, जिसमें बच्चा विद्यालय जाने से इनकार क्यों कर रहा है, यह भी शामिल है)।

2.4 कार्य अनुभव

(बाल श्रम के अनुभव: बच्चे को काम क्यों करना पड़ा/बच्चे को काम करने की जगह कैसे मिली (तस्करी?)/कहाँ बच्चा काम कर रहा था, काम के घंटे, पारिश्रम की राशि प्राप्त हुई/क्या यह नियमित था, काम के स्थान पर क्या किसी भी तरह के शोषण का सामना करना पड़ा/मालिक और दूसरों का बच्चे के प्रति व्यवहार कैसा था।)

2.5 दोस्तों का प्रभाव

क. क्या आपके बहुत सारे दोस्त हैं? (हाँ/नहीं)

ख. दोस्तों का कौन सा समूह आपके साथ अधिक समय बिताता है?

- विद्यालय/सहपाठी।
- परिवार के सदस्य— चचेरे भाई आदि।
- आपके पड़ोस में रहने वाले दोस्त।
- अन्य।

ग. साथियों के साथ समय बिताते हैं... सही या गलत?

- मैं घर पर/अपने परिवार से कहीं अधिक समय अपने दोस्तों/सहकर्मी समूह के साथ के बिताता हूँ।
- मैं कभी-कभी अपने दोस्तों के साथ बाहर जाता हूँ और पूरी रात बाहर रहता हूँ।
- मैं कभी-कभी अपने दोस्तों के साथ घर वापस आए बिना दिन बिताता हूँ।

घ. दोस्तों की उम्र?

‘उनमें से ज्यादातर’

- आपसे बड़े हैं।
- आपसे छोटे हैं
- आपके समान उमर हैं।

च. आप अपने दोस्तों के साथ किस तरह की गतिविधियाँ या खेल खेलते हैं?

छ. साथियों के प्रभाव का विस्तार

मैं आपको दोस्तों और परिवार के साथ आपके संबंधों के बारे में कुछ कथन पढ़कर सुनाऊंगा, असप बतायें कि क्या आप पूर्ण रूप से सहमत हैं, कुछ हद तक सहमत हैं या पूर्ण रूप से असहमत हैं।

क्र० सं०	कथन	पूर्ण रूप से सहमत	कुछ हद तक सहमत	पूर्ण रूप से असहमत
1	मेरे दोस्त विद्यालय जाने तथा अध्ययन जारी रखने के मेरे निर्णय को प्रभावित करते हैं			
2	मेरे दोस्त चोरी करने व नियम तोड़ने के मेरे कृत्यों को प्रभावित करते हैं			
3	मेरे दोस्त मेरे धूम्रपान के कृत्यों को प्रभावित करते हैं।			
4	मेरे दोस्त शराब के उपयोग के मेरे कृत्यों को प्रभावित करते हैं।			
5	मेरे दोस्त मादक पदार्थों के सेवन के मेरे कृत्यों को प्रभावित करते हैं।			
6	मेरे दोस्त लैंगिकता के मेरे कृत्यों को प्रभावित करते हैं।			

ज. साथियों के प्रभाव के परिणाम

क्या आप कभी अपने दोस्तों के साथ की गई गतिविधियों के कारण अपने स्कूल, माता-पिता या पुलिस/अन्य अधिकारियों के साथ परेशानी में पड़ें हैं? (मुझे इसके बारे में बताइये)।

भाग 3: आघात अनुभव: शारीरिक, यौन और भावनात्मक शोषण अनुभव* (बच्चे से पूछें)

3.1 हानि, मृत्यु और दुख

क्या आपने मृत्यु या अलगाव के माध्यम से कभी अपने परिवार में किसी को खो दिया है/कोई ऐसा व्यक्ति जिसके आप बहुत करीबी थे? क्या आप अभी भी इस व्यक्ति के बारे में बहुत सोचते हैं और बहुत दुखी और परेशान महसूस करते हैं? मुझे इसके बारे में बताएं (यह कब, कैसे हुआ/आपकी भावनाओं अब...)

3.2 शारीरिक, भावनात्मक और यौन शोषण

कभी-कभी लोग उन तरीकों से व्यवहार करते हैं जो बच्चों के लिए हानिकारक होते हैं (पुलिस/शिक्षक/परिवार के सदस्य/साथियों सहित...)। मुझे किसी ऐसे व्यक्ति/लोगों के बारे में बताएं, जिन्होंने इस तरह से व्यवहार किया हो:

क) शारीरिक रूप से आपको चोट पहुँचाई हो और आपको चोट लगी हो?

ख) आपको आहत/दुखी/गुस्सा/अपमानित महसूस कराने के लिए कुछ बातें कहीं हों?

ग) आपको उन तरीकों से छुआ हो जिनसे आप असहज महसूस करते हैं या आपको यौन रूप से अश्लील चित्र/वीडियो दिखाये हों?

भाग4: परिवर्तन की संभावना* (बच्चे से पूछें)

क) बच्चे द्वारा कथित अपराध करने के बारे में (संस्था में आने की परिस्थितियों, वह अपराध जिसके लिए वह संस्था में है)

ख) बच्चे की अंतर्दृष्टि: (आपके अनुसार क्या समस्या है/आप यहाँ क्यों हैं, इस पर आपकी क्या समझ है?)

ग) परिवर्तन हेतु प्रोत्साहन

- मुसीबत से बचने का एक कारण यह हो सकता है कि आप किसी संस्था में नहीं जाना चाहते। उन कार्यों/व्यवहारों में शामिल न होने के और क्या अन्य कारण हैं जिनकी वजह से आप पहली बार में संस्था में आए थे?)
- यदि कोई जिन्न प्रकट होता है और आपको 3 इच्छाएं प्रदान करता है... कह रहा है कि आपके पास कुछ भी हो सकता है... आप क्या माँगना चाहेंगे? आपके सपने और दीर्घकालिक लक्ष्य...(यदि इस घटना/अपराध के पहले और बाद में वे अलग हैं)।

घ) (पुनः) अपराध से बचने के लिए कौशल: मुसीबत से बाहर रहने के संदर्भ में आपकी भविष्य की योजनाएं क्या हैं? यह सुनिश्चित करने के लिए आप क्या कर सकते हैं?

भाग 5: मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं* (बच्चे से पूछें)

5.1 चिंता

यू1 (जाँच हेतु प्रश्न)

पिछले छह महीनों से...

क्या आप बहुत चिंतित हैं या नर्वस हैं?	नहीं	हाँ
क्या आप कई चीजों के बारे में चिंतित या घबराए हुए हैं, (जैसे स्कूल, आपका स्वास्थ्य, या कुछ और बुरा हो रहा है)?	नहीं	हाँ
क्या आप अन्य बच्चों की तुलना में आपकी उम्र से अधिक चिंतित हैं?	नहीं	हाँ
क्या आप ज्यादातर चिंतित रहते हैं?	नहीं	हाँ

यदि यू1 का कोई भी उत्तर 'हाँ' है, तो यू2 व यू3 पर आगे बढ़ें, यदि 'नहीं' है, तो रुकें और डिप्रेशन पर अगले भाग पर जाएं।

यू2		
क्या आपको चिंता करना मुश्किल लगता है? क्या चिंताएँ की वजह से आपको अपने काम पर ध्यान देने में कठिनाई होती है?	नहीं	हाँ
यू3		
क्या आप ज्यादातर चिंतित रहते हैं?		
जब आप चिंतित होते हैं, तो आप ज्यादातर समय:		
क. लगता है कि आप अभी भी बैठ नहीं सकते हैं?	नहीं	हाँ
ख. अपनी मांसपेशियों में तनाव महसूस करते हैं?	नहीं	हाँ
ग. आसानी से थका हुआ और कमजोर महसूस करते हैं?	नहीं	हाँ
घ. यह एक कठिन समय है कि आप क्या कर रहे हैं इस पर ध्यान दे? क्या आपका कुछ समझ नहीं आता है?	नहीं	हाँ
च. दर्द या गुस्सा महसूस होता है?	नहीं	हाँ
छ. सोने में परेशानी होती है ("नींद आने में परेशानी" का अर्थ है ठीक से नींद ना आना, रात के बीच में जागना, जल्दी जागना या बहुत ज्यादा सोना)?	नहीं	हाँ

यदि 1 या अधिक यू3 उत्तरों 'हाँ' हैं, तो सामान्यीकृत चिंता विकार निदान के लिए 'हाँ' को चिह्नित करें।

सामान्यीकृत चिंता विकार: हाँ/नहीं

5.2 अवसाद संबंधी मुद्दे

सी1. जॉच संबंधी प्रश्न		
क्या आपने पिछले वर्ष में अधिकांश समय, उदास या अवसाद, या कमजोर या खालीपन या गंभीर दर्द या गुस्सा महसूस किया है?	नहीं	हाँ
यदि 'हाँ' तो सी2 व सी3 संचालित करें यदि 'नहीं' तो रूकें और ए0डी0एच0डी0 पर अगले भाग पर आगे बढ़ें।		
सी2. पिछले एक साल में, क्या आपने दो महीने या उससे अधिक समय के लिए एक साथ ठीक महसूस किया है (मतलब हमेशा गंभीर नहीं होना या अवसाद से मुक्त)।	नहीं	हाँ
सी3 पिछले वर्ष के दौरान, अधिकांश समय:		
क. क्या आप आम दिनों की अपेक्षा कम भूखे महसूस कर रहे थे? क्या अपेक्षाकृत ज्यादा भूख महसूस कर रहे थे?	नहीं	हाँ
ख. क्या आपको नींद आने में दिक्कत है ("नींद आने में परेशानी" का अर्थ है ठीक से नींद ना आना, रात के बीच में जागना, जल्दी जागना या बहुत ज्यादा सोना)?	नहीं	हाँ
ग. क्या अपेक्षाकृत आप अधिक थका हुआ महसूस करते थे?	नहीं	हाँ
घ. क्या आपको खुद पर कम भरोसा महसूस हुआ? क्या आपको अपने बारे में बुरा लगा?	नहीं	हाँ
च. क्या आपको ध्यान देने में परेशानी होती है? क्या आपको अपना मन बनाने में परेशानी होती है? क्या आपको लगा कि चीजें कभी बेहतर नहीं होंगी?	नहीं	हाँ

यदि 2 या अधिक सी3 उत्तर 'हाँ' हैं, तो अवसाद निदान के लिए 'हाँ' को चिह्नित करें।

अवसाद निदान: हाँ/नहीं

यदि 'अवसाद निदान' हाँ में चिह्नित हुआ है तो निम्न दो प्रश्न पर आगे बढ़ें

- क्या आपने कभी महसूस किया है कि आप जीना नहीं चाहते हैं? हाँ/नहीं
- यदि हाँ, तो क्या आपने कभी ऐसा करने की कोशिश की है कि आप जीवित न रहें? हाँ/नहीं

आत्मघाती विचार: हाँ/नहीं

आत्मघाती प्रयास: हाँ/नहीं

5.3 ध्यान के अभाव में सक्रियता विकार (ए0डी0एच0डी0)

ओ2 पिछले 6 माहों में ...		
क. क्या आपने अक्सर विवरणों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया है? स्कूल में लापरवाही भरी गलतियों की हैं?	नहीं	हाँ
ख. क्या आपको अक्सर स्कूली पढ़ाई करते समय या खेलने में अपना ध्यान केंद्रित करने में परेशानी होती है?	नहीं	हाँ
ग. क्या आपको अक्सर यह कहा जाता है जब दूसरे आपसे सीधे बात करते हैं तो आप उनकी बात नहीं सुनते?	नहीं	हाँ
घ. क्या आपको अक्सर इस बात से परेशानी होती है कि आपको क्या करने के लिए कहा गया है (जैसे कि स्कूल की पढ़ाई या काम के दौरान पालन नहीं करना)?	नहीं	हाँ
च. क्या यह तब हुआ/भी होता है जब आप समझते हैं कि आपको क्या कतना ह?	नहीं	हाँ
छ. क्या यह तब हुआ/भी होता है जब आप मुश्किल होने की कोशिश नहीं कर रहे थे?	नहीं	हाँ
ज. क्या आपने अक्सर संगठित होने में कठिनाई होती है?	नहीं	हाँ
झ. क्या आप अक्सर उन चीजों से बचने की कोशिश की है जो आपको ध्यान केंद्रित करने या जिनमें बहुत सोचना पड़ता है (जैसे स्कूलवर्क)? क्या आप ऐसी चीजों से नफरत या उन्हें नापसंद करते हैं?	नहीं	हाँ
न. क्या आप अक्सर जरूरत की चीजें भूल जाते हैं/खो देते हैं? जैसे गृहकार्य, पेंसिल, या खिलौने?	नहीं	हाँ
य. क्या आप अक्सर छोटी बातों/चीजों से आसानी से विचलित हो जाते हैं (जैसे कमरे के बाहर की आवाज या चीजें)?	नहीं	हाँ
र. क्या आप अक्सर उन चीजों को करना भूल जाते हैं जिन्हें आपको हर दिन करने की जरूरत होती है (जैसे अपने बालों को कंघी करना या अपने दाँत ब्रश करना)?	नहीं	हाँ

ओ3 पिछले 6 माहों में ...		
क्या आप अक्सर अपने हाथों या पैरों में कुलबुलाहट महसूस करते हैं? या आपको अपनी सीट पर घबराहट होती है?	नहीं	हाँ
क्या आप अक्सर कक्षा में अपनी सीट छोड़कर बाहर जाते थे जो कि नहीं होना चाहिये? क्या आप इधर-उधर भागना चाहते थे या उन चीजों पर चढ़ना चाहते थे, जबकि आप चढ़ भी नहीं पाते हैं?	नहीं	हाँ
क्या चुपचाप खेलने में आपको अक्सर कठिनाई होती है?	नहीं	हाँ
क्या आप हमेशा “चलते-फिरते” रहते थे?	नहीं	हाँ
क्या आपने अक्सर बहुत ज्यादा बात की है?	नहीं	हाँ
क्या आपने अक्सर व्यक्ति या शिक्षक के प्रश्न को पूरा करने से पहले ही उत्तर दे दिए हैं?	नहीं	हाँ
क्या आपको अक्सर अपनी बारी का इंतजार करने में परेशानी होती है?	नहीं	हाँ
क्या आपने अक्सर अन्य लोगों को बाधित किया है? जैसे कि जब दूसरे लोग बात कर रहे हों या व्यस्त हों या फोन पर हों, तब उनकी बातों में दखल देना?	नहीं	हाँ
ओ4 क्या आपको 7 साल की उम्र या उससे पहले से अति उत्साहित, या आवेगी या ध्यान केंद्रित करने में समस्या होती है?	नहीं	हाँ
ओ5 क्या इन बातों से स्कूल में समस्याएँ पैदा हुईं? घर पर? अपने परिवार के साथ? तुम्हारे मित्रों के साथ?	नहीं	हाँ

यदि ओ2 या ओ3में 6 या अधिक उत्तर ‘हां’ में हैं और तो ए0डी0एच0डी0 निदान के लिए ‘हां’ को चिह्नित करें। (हस्तक्षेप उद्देश्यों के लिए ओ4 और ओ5 भी पूछें)।

ध्यान अभाव सक्रियता विकार (ए0डी0एच0डी0): हाँ/नहीं

5.4 आचरण विकार

पी2 पिछले 6 माहों में ...		
क. क्या आपने अन्य लोगों (भाई-बहनों को छोड़कर) को डराया या धमकाया है?	नहीं	हाँ
ख. क्या आपने दूसरों के साथ झगड़े शुरू कर दिए (भाई-बहनों को छोड़कर)?	नहीं	हाँ
ग. क्या आपने किसी को चोट पहुंचाने के लिए हथियार का इस्तेमाल किया है जैसे चाकू, बंदूक, बैट या अन्य वस्तु?	नहीं	हाँ
घ. क्या आपने सोच समझकर किसी को (भाई-बहनों को छोड़कर) चोट पहुँचाई है (शारीरिक रूप से)?	नहीं	हाँ
च. क्या आपने सोच समझकर जानवरों को चोट पहुँचाई है?	नहीं	हाँ
छ. क्या आपने बल प्रयोग करके चीजें चुराई हैं? जैसे हथियार का इस्तेमाल करके किसी को लूटना या पर्स छीनना।	नहीं	हाँ
ज. क्या आपने नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से आग लगायी है?	नहीं	हाँ
झ. क्या आपने सोच समझ कर उन चीजों को नष्ट कर दिया है जो अन्य लोगों से संबंधित थीं?	नहीं	हाँ
त. क्या आपने किसी के घर या कार को तोड़ा है?	नहीं	हाँ
थ. क्या आपने लोगों से चीजें प्राप्त करने के लिए कई बार झूठ बोला है? या उन्हें पाने के लिये अन्य लोगों को धोखा दिया है?	नहीं	हाँ
द. क्या आपने कीमती चीजों को चुराया है (जैसे कि दुकान में चोरी करना या गलत चेक देना)?	नहीं	हाँ
ध. क्या आप अक्सर अपने घर से बाहर रहते थे जिसके बाद आपके माता-पिता ने आपको ऐसा करने दिया? क्या यह 13 साल की उम्र से पहले शुरू हुआ था?	नहीं	हाँ
न. क्या आप घर से दो बार या अधिक भाग गए हैं?	नहीं	हाँ
य. क्या आपने अक्सर विद्यालय बंका किया है/छोड़ दिया है? क्या यह आपके सामने शुरू हुआ, क्या यह 13 साल की उम्र से पहले शुरू हुआ था?	नहीं	हाँ
र. क्या आपने किसी को अपने साथ सेक्स करने के लिए मजबूर किया है?	नहीं	हाँ

यदि पी2 में, 3 या अधिक उत्तर 'हाँ' में हैं साथ ही कम से कम 1 पिछले 6 महीनों में मौजूद हैं, तो आचरण विकार निदान के लिए 'हां' को चिह्नित करें।

आचरण विकार: हाँ/नहीं

5.5 मादक पदार्थों का सेवन

नोट: प्रश्नों में 3 महीने की अवधि पिछले 3 महीनों को संदर्भित करती है, जिसमें बच्चा संप्रेक्षण गृह के बाहर था यानी उसे /जब अभी भी वह घर के संरक्षित वातावरण में नहीं था, और इच्छानुसार उसकी मादक पदार्थों तक पहुंच थी। यह समय अवधि इसलिए मूल्यांकन से पहले तत्काल 3 महीने में हो सकती है यानी यदि बच्चा हाल ही में संप्रेक्षण गृह में आया है; यदि यह मूल्यांकन उसके संप्रेक्षण गृह आने के कई महीनों बाद किया जा रहा है तो, यह अधिक दूर अतीत से हो सकते हैं।

प्रश्न 1: (जाँच हेतु प्रश्न)

आपके जीवन में, निम्नलिखित में से कौन सा पदार्थ आपके जीवन में है, आपने निम्नलिखित में से किस पदार्थ का उपयोग किया है (केवल गैर-चिकित्सीय उपयोग)	नहीं	हाँ
तम्बाकू उत्पाद (सिगरेट, चबाने वाले तम्बाकू, सिगार आदि)		
मादक पेय (बीयर, वाइन, स्प्रिट, आदि)	0	3
कैनबिस (मारिजुआना, पॉट, घास, हैश, आदि)	0	3
कोकीन (कोक, क्रैक आदि)	0	3
एम्फैटेमिन प्रकार उत्तेजक (स्पीड, डाइट गोलियाँ, एक्सटैसी, आदि)	0	3
इनहेलेंट (नाइट्रस, ग्लू, पेट्रोल, पेंट थिनर आदि)	0	3
पेनकिलर या स्लीपिंग पिल्स (वलियम, सेरेपैक्स, रोहिप्नोल, आदि)	0	3
हेल्यूसिनोजनस् (एलएसडी, एसिड, मशरूम, पीसीपी, विशेष के, आदि)	0	3
ओपियोइड्स (हेरोइन, मॉर्फिन, मेथाडोन, कोडीन, आदि)	0	3
अन्य स्पष्ट करें:	0	3

पुनः पूछें यदि सभी उत्तर नकारात्मक हैं: पुनः पूछें यदि सभी उत्तर नकारात्मक हैं: 'तब भी नहीं जब आप स्कूल में थे?' 'तब भी नहीं जब आप स्कूल में थे?' यदि सभी पदार्थों के लिए उत्तर 'नहीं' है तो साक्षात्कार बंद करें।

यदि इनमें से किसी भी पदार्थ के लिए 'हां' है, तो उपयोग किए गए प्रत्येक पदार्थ के लिए प्रश्न 2 पूछें।

प्रश्न 2:

पिछले 3 माहों में आप द्वारा बताये गये मादक पदार्थ का सेवन कितनी बार किया है (प्रथम ड्रग, द्वितीय ड्रग, आदि)?	कभी नहीं	एक या दो बार	हफ्ते में	मसिक	रोज़ या लगभग रोज़
तम्बाकू उत्पाद (सिगरेट, चबाने वाले तम्बाकू, सिगार आदि)	0	2	3	4	6
मादक पेय (बीयर, वाइन, स्प्रिट, आदि)	0	2	3	4	6
कैनबिस (मारिजुआना, पॉट, घास, हैश, आदि)	0	2	3	4	6
कोकीन (कोक, क्रैक आदि)	0	2	3	4	6
एम्फैटेमिन प्रकार उत्तेजक (स्पीड, डाइट गोलियाँ, एक्सटैसी, आदि)	0	2	3	4	6
इनहेलेंट (नाइट्रस, ग्लू, पेट्रोल, पेंट थिनर आदि)	0	2	3	4	6
पेनकिलर या स्लीपिंग पिल्स (वलियम, सेरेपैक्स, रोहिप्नोल, आदि)	0	2	3	4	6
हेल्यूसिनोजनस् (एलएसडी, एसिड, मशरूम, पीसीपी, विशेष के, आदि)	0	2	3	4	6
ओपियोइड्स (हेरोइन, मॉर्फिन, मेथाडोन, कोडीन, आदि)	0	2	3	4	6
अन्य स्पष्ट करे:	0	2	3	4	6
यदि प्रश्न 2 के सभी उत्तर 'कभी नहीं' हैं तो प्रश्न 6 पर आगे बढ़ें					

यदि पिछले 3 महीनों में प्रश्न 2 के किसी भी पदार्थ का उपयोग किया गया था, तो उपयोग किए गए प्रत्येक पदार्थ के लिए प्रश्न 3, 4 और 5 जारी रखें।

प्रश्न 3:

पिछले तीन महीनों के दौरान, आपको कितनी बार पदार्थ का सेवन करने की तीव्र इच्छा हुई (प्रथम ड्रग, द्वितीय ड्रग, आदि)?	कभी नहीं	एक या दो बार	हफ्ते में	मसिक	रोज़ या लगभग रोज़
तम्बाकू उत्पाद (सिगरेट, चबाने वाले तम्बाकू, सिगार आदि)	0	2	3	4	6
मादक पेय (बीयर, वाइन, स्प्रिट, आदि)	0	2	3	4	6
कैनबिस (मारिजुआना, पॉट, घास, हैश, आदि)	0	2	3	4	6
कोकीन (कोक, क्रैक आदि)	0	2	3	4	6
एम्फैटेमिन प्रकार उत्तेजक (स्पीड, डाइट गोलियाँ, एक्सटैसी, आदि)	0	2	3	4	6
इनहेलेंट (नाइट्रस, ग्लू, पेट्रोल, पेंट थिनर आदि)	0	2	3	4	6
पेनकिलर या स्लीपिंग पिल्स (वैलियम, सेरेपैक्स, रोहिप्नोल, आदि)	0	2	3	4	6
हेल्यूसिनोजेनस् (एलएसडी, एसिड, मशरूम, पीसीपी, विशेष के, आदि)	0	2	3	4	6
ओपियोइड्स (हेरोइन, मॉर्फिन, मेथाडोन, कोडीन, आदि)	0	2	3	4	6
अन्य स्पष्ट करे:	0	2	3	4	6

प्रश्न 4:

पिछले तीन महीनों के दौरान, आपको कितनी बार (प्रथम ड्रग, द्वितीय ड्रग, आदि) पदार्थ का सेवन करने के कारण स्वास्थ्य संबंधी, सामाजिक, कानूनी या वित्तीय समस्या हुई ?	कभी नहीं	एक या दो बार	हफ्ते में	मसिक	रोज़ या लगभग रोज़
तम्बाकू उत्पाद (सिगरेट, चबाने वाले तम्बाकू, सिगार आदि)	0	2	3	4	6
मादक पेय (बीयर, वाइन, स्प्रिट, आदि)	0	2	3	4	6
कैनबिस (मारिजुआना, पॉट, घास, हैश, आदि)	0	2	3	4	6
कोकीन (कोक, क्रैक आदि)	0	2	3	4	6
एम्फैटेमिन प्रकार उत्तेजक (स्पीड, डाइट गोलियाँ, एक्सटैसी, आदि)	0	2	3	4	6
इनहेलेंट(नाइट्रस, ग्लू, पेट्रोल, पेंट थिनर आदि)	0	2	3	4	6
पेनकिलर या स्लीपिंग पिल्स (वलियम, सेरेपैक्स, रोहिप्नोल, आदि)	0	2	3	4	6
हेल्यूसिनोजनस् (एलएसडी, एसिड, मशरूम, पीसीपी, विशेष के, आदि)	0	2	3	4	6
ओपियोइड्स (हेरोइन, मॉर्फिन, मेथाडोन, कोडीन, आदि)	0	2	3	4	6
अन्य स्पष्ट करे:	0	2	3	4	6

प्रश्न 5:

पिछले तीन महीनों के दौरान, पदार्थ का सेवन करने के कारण कितनी बार आपको जो सामान्यतः करना चाहिये उसे करने में आप विफल हुये (प्रथम ड्रग, द्वितीय ड्रग, आदि)?	कभी नहीं	एक या दो बार	हफ्ते में	मसिक	रोज़ या लगभग रोज़
तम्बाकू उत्पाद (सिगरेट, चबाने वाले तम्बाकू, सिगार आदि)	0	2	3	4	6
मादक पेय (बीयर, वाइन, स्पिरिट, आदि)	0	2	3	4	6
कैनबिस (मारिजुआना, पॉट, घास, हैश, आदि)	0	2	3	4	6
कोकीन (कोक, क्रैक आदि)	0	2	3	4	6
एम्फैटेमिन प्रकार उत्तेजक (स्पीड, डाइट गोलियाँ, एक्सटैसी, आदि)	0	2	3	4	6
इनहेलेंट(नाइट्रस, ग्लू, पेट्रोल, पेंट थिनर आदि)	0	2	3	4	6
पेनकिलर या स्लीपिंग पिल्स (वलयम, सेरेपैक्स, रोहिप्नोल, आदि)	0	2	3	4	6
हेल्युसिनोजनस् (एलएसडी, एसिड, मशरूम, पीसीपी, विशेष के, आदि)	0	2	3	4	6
ओपियोइड्स (हेरोइन, मॉर्फिन, मेथाडोन, कोडीन, आदि)	0	2	3	4	6
अन्य स्पष्ट करे:	0	2	3	4	6

सभी उपयोग किये गये पदार्थों हेतु प्रश्न 6 और 7 पूछें (यानि जो प्रश्न एक में अनुलेखित हैं)

प्रश्न 6:

क्या किसी दोस्त या रिश्तेदार या किसी अन्य ने कभी भी तुम्हारे (प्रथम ड्रग, द्वितीय ड्रग, आदि) पदार्थों के सेवन पर चिंता व्यक्त की है?	कभी नहीं	एक या दो बार	हफ्ते में	मसिक	रोज़ या लगभग रोज़
तम्बाकू उत्पाद (सिगरेट, चबाने वाले तम्बाकू, सिगार आदि)	0	2	3	4	6
मादक पेय (बीयर, वाइन, स्प्रिट, आदि)	0	2	3	4	6
कैनबिस (मारिजुआना, पॉट, घास, हैश, आदि)	0	2	3	4	6
कोकीन (कोक, क्रैक आदि)	0	2	3	4	6
एम्फैटेमिन प्रकार उत्तेजक (स्पीड, डाइट गोलियाँ, एक्सटैसी, आदि)	0	2	3	4	6
इनहेलेंट(नाइट्रस, ग्लू, पेट्रोल, पेंट थिनर आदि)	0	2	3	4	6
पेनकिलर या स्लीपिंग पिल्स (वैलियम, सेरेपैक्स, रोहिप्नोल, आदि)	0	2	3	4	6
हेल्यूसिनोजनस् (एलएसडी, एसिड, मशरूम, पीसीपी, विशेष के, आदि)	0	2	3	4	6
ओपियोइड्स (हेरोइन, मॉर्फिन, मेथाडोन, कोडीन, आदि)	0	2	3	4	6
अन्य स्पष्ट करें:	0	2	3	4	6

प्रश्न 7:

क्या आपने कभी भी (प्रथम ड्रग, द्वितीय ड्रग, आदि) पदार्थ को नियंत्रित, कम करने या सेवन बंद करने की कोशिश की है और जिसमें आप विफल रहें हों?	कभी नहीं	एक या दो बार	हफ्ते में	मसिक	रोज़ या लगभग रोज़
तम्बाकू उत्पाद (सिगरेट, चबाने वाले तम्बाकू, सिगार आदि)	0	2	3	4	6
मादक पेय (बीयर, वाइन, स्प्रिट, आदि)	0	2	3	4	6
कैनबिस (मारिजुआना, पॉट, घास, हैश, आदि)	0	2	3	4	6
कोकीन (कोक, क्रैक आदि)	0	2	3	4	6
एम्फैटेमिन प्रकार उत्तेजक (स्पीड, डाइट गोलियाँ, एक्सटैसी, आदि)	0	2	3	4	6
इनहेलेंट(नाइट्रस, ग्लू, पेट्रोल, पेंट थिनर आदि)	0	2	3	4	6
पेनकिलर या स्लीपिंग पिल्स (वलियम, सेरेपैक्स, रोहिप्नोल, आदि)	0	2	3	4	6
हेल्यूसिनोजनस् (एलएसडी, एसिड, मशरूम, पीसीपी, विशेष के, आदि)	0	2	3	4	6
ओपियोइड्स (हेरोइन, मॉर्फिन, मेथाडोन, कोडीन, आदि)	0	2	3	4	6
अन्य स्पष्ट करें:	0	2	3	4	6
क्या आपने कभी भी कोई भी पदार्थ इंजेक्शन के माध्यम से लिया है? (गैर-चिकित्सीय अपयोग हेतु)	नहीं कभी नहीं	हाँ पिछले 3 माह में		हाँ पर पिछले 3 माह में नहीं	

महत्वपूर्ण नोट: जिन रोगियों ने पिछले 3 महीनों में दवाओं के इंजेक्शन लिये हैं, उन्हें इस अवधि के दौरान इंजेक्शन लगाने के उनके पैटर्न के बारे में पूछा जाना चाहिए, ताकि उनके जोखिम के स्तर और हस्तक्षेप हेतु सबसे अच्छा कोर्स निर्धारित किया जा सके।

इंजेक्शन लेने के पैटर्न	हस्तक्षेप मार्गदर्शिका
साप्ताहिक या उससे कम या एक साथ 3 दिन से कम	'इंजेक्शन लगाने से जुड़े जोखिम' कार्ड सहित संक्षिप्त हस्तक्षेप
सप्ताह में एक से अधिक बार या एक साथ कई दिन	आगे का मूल्यांकन और अधिक गहन उपचार

एक विशिष्ट पदार्थ की उपस्थिति का स्कोर कैसे कैल्कुलेट करें। प्रत्येक पदार्थ के लिए (ए से जे में लेबल किये हुए) 7 प्रश्नों के समावेश के माध्यम से प्रश्न 2 के लिए प्राप्त अंकों को

जोड़ें। इस स्कोर में क्यू1 या क्यू8 के परिणाम शामिल न करें। उदाहरण हेतु भांग के लिए एक अंक की गणना की जाएगी: क्यू2सी+क्यू3सी+क्यू4सी+क्यू5सी+क्यू6सी+क्यू7सी।

नोट करें कि तंबाकू के लिए क्यू5 कोडेड नहीं है। और इसकी गणना इस प्रकार की जाती है: क्यू2ए+क्यू3ए+क्यू4ए+क्यू6ए+क्यू7ए।

हस्तक्षेप का प्रकार, रोगी के विशिष्ट पदार्थ भागीदारी स्कोर द्वारा निर्धारित होता है।

	विशिष्ट पदार्थ का स्कोर दर्ज करे	कोई हस्तक्षेप नहीं	संक्षिप्त हस्तक्षेप प्राप्त	अधिक गहन हस्तक्षेप
तंबाकू		0-3	4-26	27+
शराब		0-10	11-26	27+
भांग		0-3	4-26	27+
कोकीन		0-3	4-26	27+
एम्फैटेमिन		0-3	4-26	27+
इनहेलेन्ट्स		0-3	4-26	27+
पेनकिलर या स्लीपिंग पिल्स		0-3	4-26	27+
हैलुसिनोजन		0-3	4-26	27+
नशीले पदार्थ		0-3	4-26	27+
अन्य		0-3	4-26	27+

भाग 6: जीवन कौशल अभाव और बच्चे के अन्य अवलोकन

6.1 जीवन कौशल आवश्यकतायें और अभाव

6.2 अन्य अवलोकन

(समय-स्थान अभिविन्यास/संज्ञानात्मक/विचार प्रक्रियायें/सहकारिता, तालमेल, सामाजिक जवाबदेही/चौकसी और गतिविधि स्तर/भाषण और भाषा कौशल)।

	भावनात्मक विनियमन (क्रोध और चिंता का प्रबंधन और नियंत्रण)	
	सहानुभूति का विकास/पारस्परिक संबंधों को बढ़ाना	
	तनाव के साथ मुकाबला करना (घर पर वित्तीय कठिनाइयों के साथ मुकाबला करना/घर या स्कूल से भागने के विकल्प तलाशना।)	
	मुखरता (जब आवश्यक हो तो साथियों को 'नहीं' कहने की क्षमता।)	
	समस्या और संघर्ष का समाधान (जब कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, तो विकल्प उत्पन्न करना/उनका मूल्यांकन करना और उचित विकल्प का चयन करना)।	
	विभिन्न जीवन संदर्भों में निर्णय लेना (उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन करें और किसी दी गई स्थिति में उपयुक्त का चयन करें)।	
	रोमांस/रिश्तों/लैंगिकता के संदर्भों में निर्णय लेना (स्वास्थ्य, सुरक्षा, सहमति, रिश्तों के भावनात्मक संदर्भ पर विचार करने के साथ यौन/संबंधपरक मुद्दों के बारे में निर्णय लेना)	

भाग 7: सारांश और हस्तक्षेप योजना

7.1 सारांश

उपरोक्त मूल्यांकन के आधार पर, बच्चे की मुख्य समस्याओं और चिंताओं को संक्षेप में प्रस्तुत करें, जिसमें जोखिम⁷, पैथोलॉजी⁸ और परिणाम⁹ शामिल हैं। तत्काल सहायता/प्रतिक्रिया के लिए क्षेत्रों को हाइलाइट करें।

7.2 देखरेख योजना

बच्चे की सहायता के लिए मूल्यांकन एजेंसी/केस वर्कर द्वारा की गई तैयार कार्यों को सूचीबद्ध करें, जैसे कि मनोसामाजिक हस्तक्षेप, आपातकालीन कार्रवाही/तत्कालिक चिंताओं को दूर करने के उपाय, अन्य एजेंसियों को किए गए संदर्भन। (प्रलेखन जारी रखने के लिए अतिरिक्त पत्रक संलग्न करें)।

⁷जोखिम: शोषण/उपेक्षा/परिवारिक विकृति/स्कूल ड्रॉप-आउट के मुद्दे जो बच्चों को भावनात्मक और व्यवहार संबंधी समस्याओं के प्रति जोखिम में डालते हैं।

⁸पैथोलॉजी: बाहरी विकार – ए0डी0एच0डी0/आचरण विकार/सीमित अभियोजित भावनाओं सहित आचरण विकार लिमिटेड; ~~आंतरिक विकार~~ ~~अवसादग्रस्तता~~ ~~बिक्कस~~/चिंता विकार (ओ0सी0डी0 व पी0टी0एस0डी0 सहित) जो आघात से संबंधित हैं; गंभीर मानसिक बीमारी – मनोविकृति/मनोदशा विकार; जीवन कौशल अभाव – लक्षण जो नैदानिक मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं, लेकिन जीवन कौशल से संबंधित हैं।

⁹परिणाम – संस्थागत करना और 'आपराधिकरण: हेतु मार्ग

अनुलग्नक 2

कानून के साथ संघर्षरत बच्चों हेतु मनोसामाजिक तथा मानसिक स्वास्थ्य मूल्यांकन पर मार्गदर्शी नोटस्

सामुदायिक बाल एवं किशोर मानसिक स्वास्थ्य सेवा परियोजना,
बाल एवं किशोर मनोरोग विभाग, NIMHANS द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग,
कर्नाटका सरकार के सहयोग से

1. कानून के साथ संघर्षरत बच्चों के लिए मूल्यांकन प्रारूप का विकास करना।

कानून के साथ संघर्षरत बच्चों को मनोसामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की प्रक्रिया में पहला कदम एक मूल्यांकन प्रारूप विकसित करना है। प्रारूप के उद्देश्य हैं:

- उन परिस्थितियों की गंभीरता की जाँच करना जिनसे बच्चे आते हैं और उनमें उपेक्षा/दुर्व्यवहार और आघात के मुद्दों को संबोधित करना।
- मनोरोग और/या व्यक्तित्व सम्बन्धी मुद्दों वाले बच्चों की पहचान करना और तदनुसार हस्तक्षेप को लागू करना।
- बच्चों में पुनर्स्थापनात्मक और परिवर्तन की प्रक्रिया को सुनिश्चित करने के लिए:
 - उन्हें जवाबदेह ठहराते हुए और उन्हें अपने किये गए कार्यों की जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रोत्साहित करना।
 - पीड़ितों/समुदाय पर उनके कार्यों के प्रभाव को समझने में मदद करना और इसके द्वारा हुए नुकसान का उपचार करने की कोशिश करना।

कानून के साथ संघर्षरत बच्चों के मनोसामाजिक मुद्दों को समझने के लिए लागू जोखिम-विकृति-परिणाम के ढाँचे का उपयोग करते हुए प्रारूप (पुनरावृत्ति और संशोधन की एक प्रक्रिया के माध्यम से) विकसित किया जाए। इस ढाँचे के अनुसार, i) जोखिम जोखिम कारकों को संदर्भित करती है जो बच्चों को अपराध करने या कानून के साथ संघर्ष में आने के लिए प्रेरित करती है – ये कारक परिवार की शिथिलता, शोषण और आघात, शिक्षा और शिक्षाविदों से संबंधित मुद्दों, और व्यक्तिगत कारकों जैसे विकास अभाव और मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों के लिए जोखिम से संबंधित हैं। ii) विकृति विज्ञान मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं दोनों आंतरिक विकार (चिंता/अवसाद) और बाह्य विकारों (ए0डी0एच0डी0, आचरण विकार और मादक द्रव्यों के सेवन) और उसमें होने वाली प्रक्रियाओं (जैसे भावनात्मक विकृति, सामाजिक न्याय के मुद्दे) को संदर्भित करता

है। iii) परिणाम किये गए अपराध को संदर्भित करते हैं, जिसमें आक्रामकता, चोरी और कानून के साथ संघर्ष में आना शामिल है।

यह मार्गदर्शिका उन सभी को सहायता प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई है जो कानून के साथ संघर्ष में बच्चों के साथ काम करते हैं। यह विभिन्न प्रश्नों और प्रभावित करने वाले कारकों के उद्देश्य का वर्णन करता है, जो बताता है कि कुछ विशेष प्रकार की सूचनाओं को अलग करने की आवश्यकता क्यों है; यह कुछ निश्चित प्रश्नों (संवेदनशील) को पूछने और आने वाली प्रतिक्रियाओं की व्याख्या करने के तरीके पर भी मार्गदर्शन प्रदान करता है, जिसमें हस्तक्षेप के लिए उनके क्या निहितार्थ शामिल हैं।

इस मूल्यांकन प्रारूप के सभी वर्गों पर जानकारी एकत्र करना आवश्यक है। मूल्यांकन प्रारूप के जो अनुभाग *(बच्चे से पूछें) के रूप में चिह्नित हैं उन्हें केवल बच्चों के साथ प्रशासित किया जाना है; अन्य अनुभागों के लिए जानकारी बच्चे या संस्थान के कर्मचारियों/देखरेखकर्ता या दोनों से ही एकत्र की जा सकती है।

2. मार्गदर्शी नोट (गाइडेंस नोट्स)

भाग 1: बुनियादी जानकारी

मूल्यांकन के द्वारा किया गया (व्यक्ति और एजेंसी का नाम):

बच्चे का नाम:

मूल्यांकन की तिथि:

उम्र:

लिंग:

स्थान/उत्पत्ति का स्थान:

कथित अपराध (बच्चे के वर्तमान में संस्थागतकरण के कारण/संस्था में आने की तात्कालिक परिस्थितियाँ, या कथित अपराध जिसके लिए बच्चा संस्था में है – संस्था के कर्मियों और पुलिस शिकायत/एफ0आई0आर0 के अनुसार)

मार्गदर्शी नोट

सबसे पहले, यह भाग उम्र, लिंग और मूल स्थान सहित बुनियादी जनसांख्यिकीय जानकारी इकट्ठा करता है। हालाँकि यह जानकारी बच्चे के जीवन काल के दौरान एकत्र की जाती है, लेकिन इसमें से कुछ, जैसे कि भावनात्मक और व्यवहार संबंधी समस्याएं और मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे, प्रकृति में क्रॉस-अनुभागीय (क्रॉस सेक्शनल) हैं,

इसलिए मूल्यांकन की तारीख को नोट करना महत्वपूर्ण है। स्थान या उत्पत्ति स्थल से तात्पर्य उस स्थान से है जहाँ बच्चा वर्तमान में रहता है या वो स्थान जिसे वह घर कहता है, आमतौर पर जहाँ उसका परिवार है।

कथित अपराध उस शिकायत को संदर्भित करता है जिसके संबंध में बच्चे को सम्प्रेक्षण गृह में रखा गया है। यह जानकारी बच्चे की फाइलों/एफ0आई0आर0 या संस्थान के कर्मियों से प्राप्त की जानी चाहिए। इसकी तुलना बाद के चरण में बच्चे के अपराध के ब्यौरे से की जा सकती है, जहाँ से वह कई बार अलग हो सकता है।

भाग 2: सामाजिक पृष्ठभूमि (परिवार/विद्यालय/संस्था/मित्र):

2.1 परिवार में पहचाने गये मुद्दे (बच्चे के रहने की व्यवस्था/माता-पिता के रिश्ते/बच्चे के भावनात्मक संबंध और माता-पिता के प्रति लगाव/बीमारी और माता-पिता में शराब की लत/एकल-पालन-पोषण, बच्चे द्वारा महसूस किया गया कोई हानि का अनुभव...)

मार्गदर्शी नोट

बच्चे के सामाजिक इतिहास के इस भाग में 5 उपभाग शामिल हैं, जिसमें बच्चे की पारिवारिक स्थिति, स्कूल और शिक्षा के मुद्दे, किसी भी पिछले संस्थागत किये जाने के बच्चे के अनुभव, हो सकता है बच्चे के पास काम के अनुभव और साथियों के साथ रिश्ते हो। किशोर न्याय अधिनियम से तात्पर्य है कि कानून से संघर्षरत बच्चे के आंकलन से अपराध की परिस्थितियों को कैसे समझना चाहिए। तात्कालिक परिस्थितियों को समझ लेना भर या अपराध के समय जो हुआ उसे समझ लेना पर्याप्त नहीं है बच्चे की परिस्थितियों के बारे में एक अनुदैर्घ्य समझ होना आवश्यक है, उन रास्तों की पहचान करने में सक्षम होना जो बच्चे को अपराध की ओर ले जाते हैं, इसकी बहुत अधिक संभावना है कि लंबे समय तक किसी सामाजिक मुद्दे ने बच्चे को अपराध करने के जोखिम में डाल दिया।

परिवार के इतिहास में परिवार की रचना शामिल है, जिसमें परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति और माता-पिता की शैक्षिक स्थिति और व्यवसाय शामिल हैं। इसमें बच्चे के प्रत्येक माता-पिता के साथ भावात्मक जुड़ाव, माता-पिता या भाई बहन में किसी बीमारी, विकलांगता या शराब पर निर्भरता शामिल है माता-पिता की वैवाहिक समस्याएं, घरेलू हिंसा और माता-पिता में आपराधिकता भी दर्ज की जानी चाहिए। यदि बच्चे ने अपने माता-पिता में से किसी या दोनों को खोया है, तो यह अवश्य बताया जाना चाहिए, साथ ही वो उम्र जिसमें बच्चे ने माता-पिता को खो दिया है।

सामाजिक-आर्थिक स्थिति इस बात की व्याख्या करती है कि बच्चा किस तरह की वंचित परिस्थितियों से आता है – और कुछ मामलों में तो, जरूरतों का न पूरा होना और अभाव के अपराध की ओर ले जाते हैं। अस्वीकृति और/या कठोर और दंडात्मक पालन-पोषण के कारण माता-पिता के लिए भावनात्मक लगाव की कमी बच्चों को निम्नलिखित तरीकों से असामाजिक व्यवहार विकसित करने की ओर ले जाती है: 1) कम उम्र से ही माता-पिता से कम लगाव तथा माता – पिता और बच्चे के खराब सम्बन्ध भावनात्मक विकृति का कारण बनते हैं यानी क्रोध और चिंता जैसी कठिन भावनाओं को नियंत्रित करने वाले बच्चों में कठिनाई महसूस होना; 2) माता-पिता, जो हिंसक प्रवृत्ति के/शराब पर निर्भर हैं/आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त हैं, अपने बच्चों के लिए प्रेरणा श्रोत के रूप में काम करते हैं, और आगे चल कर बच्चे इन व्यवहारों को सीखते हैं और अभ्यास करते हैं; 3) माता-पिता द्वारा उपेक्षा और खराब पर्यवेक्षण (चाहे समय की कमी, बीमारी या विकलांगता के कारण) जिस कारण बच्चे उचित जीवन कौशल विकसित नहीं कर पाते हैं।

जब कठिन पारिवारिक परिस्थितियाँ और दुविधापूर्ण परिवार बच्चों के अपराधों के कारणों में से एक रहे हैं, तो हस्तक्षेप के कुछ निहितार्थ हैं: बच्चे के कठिन पारिवारिक अनुभवों को सत्यापित करने और हानि तथा दुरुपयोग के अनुभवों को स्वीकार करना; परिवार के अन्य सदस्यों में घरेलू हिंसा और मादक द्रव्यों के सेवन के मुद्दों सहित परिवार परामर्श हस्तक्षेप प्रदान करने के लिए और बच्चे की सहायता के लिए बड़े सामाजिक और पर्यावरण संशोधन हस्तक्षेप के हिस्से के रूप में बच्चे के वैकल्पिक रहने की व्यवस्था पर चर्चा करें।

2.2 संस्थागत पृष्ठभूमि

यदि बच्चा परिवार के अतिरिक्त अन्य जगहों पर रहा है तो उसका विवरण (बच्चा कहाँ रहा/किस समय तक रहा है, अनुभव और कठिनाइयों; बच्चे के पुलिस स्टेशन या श्रम या हॉस्टल में रहना और वहाँ के अनुभव भी इसमें शामिल हैं)

मार्गदर्शी नोट

यह उप भाग उस समय के बारे में जानकारी देता है जब बच्चा घर से दूर हो गया था, उन जगहों पर उसके अनुभवों को समझने के लिए और किन किन कारकों (साथियों और अन्य) ने बच्चे को प्रभावित किया। इसमें बच्चे का रिश्तेदार के घर में वास, छात्रावास और अन्य स्थानों में बच्चे का रहना शामिल हो सकता है जहाँ बच्चा अध्ययन करने या काम करने के लिए रहा हो। इस इतिहास को परिवार के इतिहास के साथ जोड़ कर देखा जाना है क्योंकि आमतौर पर, बच्चे या तो परिवार में सामाजिक-आर्थिक कमजोरी के कारण घर छोड़ देते हैं, या परिवार की स्थिति उन्हें काम करने के लिए मजबूर करती है या अन्य पारिवारिक समस्याएं होती हैं, जो उन्हें कभी-कभी जबरन या

कभी कभी स्वेच्छा से घर को छोड़ कर कहीं और रहने चले जाने को मजबूर करती हैं। घर और परिवार से दूर होने के कारण बच्चों में भावनात्मक और लगाव के मुद्दों का जोखिम होता है, जो उसे प्रतिकूल सहकर्मी प्रभावों के प्रति अधिक संवेदनशील बना देता है, और इसके परिणामस्वरूप व्यवहारिक समस्याएं पैदा होती हैं जो संभावित रूप से अपराध का कारण बनती हैं।

इस जानकारी में बच्चे के रहने की व्यवस्था, शैक्षिक अवसरों के प्रावधान और बच्चे की रुचि के अनुसार किसी संस्थान में व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण के संदर्भ में सामाजिक हस्तक्षेप के निहितार्थ हैं। इसके अतिरिक्त, मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप की भी आवश्यकता होगी यदि बच्चे को इन अन्य रहने के स्थानों पर भेदभाव और दुर्व्यवहार का अनुभव होता है, जिसमें उसे रहना पड़ा है।

हालांकि, किशोर न्याय अधिनियम में एफ0आई0आर0 दर्ज होने के 24 घंटे से अधिक समय तक बच्चों को पुलिस थाने में हिरासत में रखने की अनुमति नहीं है, और बच्चे को मजिस्ट्रेट या किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किए जाने की आवश्यकता है, लेकिन इस मामले का दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य यह है कि उन्हें अक्सर कई दिनों तक पुलिस स्टेशन में हिरासत में लिया जाता है, जिस दौरान उनका शारीरिक शोषण किया जाता है। बच्चों ने यह भी बताया कि उनके साथ गंभीर रूप से शारीरिक शोषण किया गया है और उन्हें एक ऐसे अपराध को स्वीकार करने के लिए मजबूर किया गया है जो उन्होंने नहीं किया, उन्होंने वास्तविक अपराधी को पकड़ने में असमर्थ होने पर झूठा आरोप लगाने सहित ऐसा किया है।

2.3 विद्यालय की पृष्ठभूमि

(क्या बच्चा विद्यालय जा रहा था/पिछली कक्षा/कक्षा में शामिल हो रहा था/वर्तमान कक्षा में ग्रेड/यदि बच्चा विद्यालय नहीं जा रहा था, तो बच्चे के विद्यालय नहीं जाने के कारण, जिसमें बच्चा विद्यालय जाने से इनकार क्यों कर रहा है, यह भी शामिल है)।

मार्गदर्शी नोट

यह उपभाग बच्चे के स्कूली शिक्षा और शैक्षिक इतिहास के बारे में जानकारी प्राप्त करता है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि जो बच्चे विद्यालय में थे, वे विद्यालय से बाहर क्यों गए, क्या ऐसा वित्तीय समस्याओं या प्रेरक मुद्दों के कारण हुआ था। उत्तरार्द्ध में बच्चों के द्वारा विद्यालय जाने से मना करना बच्चों को धमकाने के अनुभवों या सीखने की कठिनाइयों और/या शिक्षकों द्वारा दबाव/शोषण के कारण हो सकता है, जिसके कारण वे स्कूल जाने से डरते हो। यह जानकारी एक सौम्य, गैर-न्यायिक तरीके से प्राप्त की जानी चाहिए क्योंकि बच्चों की अक्सर स्कूल न जाने के लिए आलोचना की जाती है लेकिन इस फैसले के उनके कारणों को अक्सर गलत समझा जाता है।

निष्कासित या निलंबित किए जाने के कारण भी व्यवहार की समस्याओं (जैसे कामचोरी और ए0डी0एच0डी0) पर प्रकाश डालते हैं, जिन्हें हस्तक्षेप योजना में संबोधित करने की आवश्यकता होती है।

विद्यालय से बाहर हो जाना अपराध के रास्ते पर अग्रसर होने में से एक है। विद्यालय और शिक्षा की गुणवत्ता जो भी हो, विद्यालय अभी भी बच्चों के लिए सुरक्षित स्थान हैं। यह देखते हुए कि बच्चे अपने दिन का एक अच्छा हिस्सा वहाँ बिताते हैं, विद्यालय बच्चों को नियमित और लाभकारी व्यवसाय प्रदान करते हैं। जो बच्चे विद्यालय नहीं जाते हैं, उनके पास पड़ोस और शहर के आसपास और अपनी इच्छा अनुसार भटकने के लिए बहुत अधिक मात्रा में असंरचित समय होता है, अक्सर अन्य साथियों के साथ जो विद्यालय नहीं जाते हैं। चूँकि वे किसी लाभप्रद काम में संलग्न नहीं होते हैं, इसलिए उच्च जोखिम वाले व्यवहारों जैसे मादक पदार्थ के उपयोग में संलग्न होने का अधिक जोखिम होता है – जो बच्चों को अन्य आक्रामक व्यवहारों जैसे चोरी और गिरोह में शामिल होने के लिए अग्रसर करते हैं। यानी मादक पदार्थ का उपयोग हिंसा और चोरी जैसे अन्य असामाजिक व्यवहारों का कारण और परिणाम दोनों है।

हस्तक्षेप के निहितार्थ हैं: बच्चे में प्रेरणा और भविष्य-उन्मुखता का निर्माण करना, बच्चे की सीखने की क्षमताओं (अक्षमताओं) के आधार पर आगे की शिक्षा और/या व्यावसायिक प्रशिक्षण के बारे में निर्णय लेने में बच्चे की सहायता करना और व्यवहार संबंधी और औषधीय विधियों का उपयोग करके ए0डी0एच0डी0 जैसी विकारों का उपचार करना; साथियों के प्रतिकूल प्रभाव और उच्च जोखिम वाले व्यवहार जो काम न करने की इच्छा (कामचोरी) और स्कूल छूट जाने के मुद्दों के संबंध में सामने आते हैं, को भी संबोधित किया जाना चाहिए।

2.4 कार्य अनुभव

(बाल श्रम के अनुभव: बच्चे को काम क्यों करना पड़ा/बच्चे को काम करने की जगह कैसे मिली (तस्करी?)/कहाँ बच्चा काम कर रहा था, काम के घंटे, पारिश्रम की राशि प्राप्त हुई/क्या यह नियमित था, काम के स्थान पर क्या किसी भी तरह के शोषण का सामना करना पड़ा/मालिक और दूसरों का बच्चे के प्रति व्यवहार कैसा था।)

मार्गदर्शी नोट

यह उप-भाग कार्य स्थल पर बच्चों के अनुभवों के बारे में जानकारी प्राप्त करता है (किसी भी मामले में) जबरन तस्करी, कठिन परिस्थितियों में लंबे समय तक कार्य लेना, अपर्याप्त पारिश्रमिक, हिंसा और शोषण के अन्य सभी रूपों में आघात और शोषण के सभी प्रकार के अनुभव। आघात के अनुभव भी भावनात्मक विकृति और क्रोध और आक्रामकता के व्यवहार को जन्म देते हैं, जिसके परिणामस्वरूप अपराध होता है; या

आघात चिंता और अवसाद के रूप में आंतरिक विकारों में परिवर्तित होता जाता है जोकि बच्चे को इन सब से उबरने के लिए मादक पदार्थ के उपयोग जैसे दुर्व्यवहार (और इस से होने वाले अपराधों) की ओर ले जाता है।

इसके अतिरिक्त, बाल श्रमिकों के संदर्भ में बच्चों को अपने से बड़े साथियों और युवा वयस्कों के संपर्क में आने का मौका मिलता है जो आपराधिक व्यवहार में संलग्न हैं और बच्चों को विकृत मनोरंजन या आनंद के लिए ऐसे व्यवहार में संलग्न होने के लिए मजबूर करते हैं और ए या यह सुनिश्चित करने के लिए कि बच्चे अपराध में पकड़े जायें और वे खुद सजा से बच निकल जाते हैं। बच्चे परिवार से बहुत दूर हो सकते हैं, परिवारों के साथ बहुत कम जुड़ाव होता है – वे बच्चे उपेक्षा का अनुभव/रिश्तों में लगाव की कमी का अनुभव करें... ऐसी परिस्थिति आस-पास के असामाजिक वयस्कों के लिए उन्हें प्रभावित करना आसान बनाता है।

इस प्रकार, बाल श्रम के अनुभव अपराध का मार्ग बन सकते हैं। हस्तक्षेप के दृष्टिकोण से, यह जानकारी उस शोषण और आघात के भावनात्मक परिणामों को संबोधित करने में मदद करती है जिनका बच्चे ने सामना किया है, और जीवन की विभिन्न स्थितियों में साथियों से बेहतर प्रदर्शन के दबाव से उबरने के साथ मुखरता, निर्णय लेने और मुकाबला करने जैसे जीवन कौशल विकसित करने के लिए सक्षम हो।

2.5 दोस्तों का प्रभाव

क. क्या आपके बहुत सारे दोस्त हैं? (हाँ/नहीं)

ख. दोस्तों का कौन सा समूह आपके साथ अधिक समय बिताता है?

- विद्यालय/सहपाठी।
- परिवार के सदस्य— चचेरे भाई आदि।
- आपके पड़ोस में रहने वाले दोस्त।
- अन्य।

ग. साथियों के साथ समय बिताते हैं... सही या गलत?

- मैं घर पर/अपने परिवार से कहीं अधिक समय अपने दोस्तों/सहकर्मी समूह के साथ के बिताता हूँ।
- मैं कभी-कभी अपने दोस्तों के साथ बाहर जाता हूँ और पूरी रात बाहर रहता हूँ।
- मैं कभी-कभी अपने दोस्तों के साथ घर वापस आए बिना दिन बिताता हूँ।

घ. दोस्तों की उम्र?

“उनमें से ज्यादातर”

- आपसे बड़े हैं।
- आपसे छोटे हैं
- आपके समान उमर हैं।

च. आप अपने दोस्तों के साथ किस तरह की गतिविधियाँ या खेल खेलते हैं?

छ. साथियों के प्रभाव का विस्तार

मैं आपको दोस्तों और परिवार के साथ आपके संबंधों के बारे में कुछ कथन पढ़कर सुनाऊंगा, असप बतायें कि क्या आप पूर्ण रूप से सहमत हैं, कुछ हद तक सहमत हैं या पूर्ण रूप से असहमत हैं।

क्र० सं०	कथन	पूर्ण रूप से सहमत	कुछ हद तक सहमत	पूर्ण रूप से असहमत
1	मेरे दोस्त विद्यालय जाने तथा अध्ययन जारी रखने के मेरे निर्णय को प्रभावित करते हैं			
2	मेरे दोस्त चोरी करने व नियम तोड़ने के मेरे कृत्यों को प्रभावित करते हैं			
3	मेरे दोस्त मेरे धूम्रपान के कृत्यों को प्रभावित करते हैं।			
4	मेरे दोस्त शराब के उपयोग के मेरे कृत्यों को प्रभावित करते हैं।			
5	मेरे दोस्त मादक पदार्थों के सेवन के मेरे कृत्यों को प्रभावित करते हैं।			
6	मेरे दोस्त लैंगिकता के मेरे कृत्यों को प्रभावित करते हैं।			

ज. साथियों के प्रभाव के परिणाम

क्या आप कभी अपने दोस्तों के साथ की गई गतिविधियों के कारण अपने स्कूल, माता-पिता या पुलिस/अन्य अधिकारियों के साथ परेशानी में पड़ें हैं? (मुझे इसके बारे में बताइये)।

मार्गदर्शी नोट

हमारे अनुभवों से पता चला है कि साथियों के नकारात्मक प्रभाव और जीवन कौशल की कमी जैसे कि मुखरता और साथियों से दबाव का सामना करना, किशोरों द्वारा अपराध करने का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। यह अनुभाग इस प्रकार से बच्चे की प्रकृति और

साथियों के साथ बातचीत के प्रकार को समझना चाहता है। बच्चे से पहला प्रश्न की उसके कई या कुछ मित्र हैं या नहीं, यह मात्र बच्चे के साथ उसके मित्रों और साथियों पर बातचीत को शुरू करने का तरीका है।

आगे चलकर यह प्रश्न कि ये मित्र कौन हैं, निम्नलिखित तरीकों से महत्वपूर्ण हैं; यदि बच्चे के मित्र स्कूली बच्चे और सहपाठी हैं, तो संभावना है कि बच्चा सामाजिक रूप से उचित व्यवहार करने वाले साथियों के साथ समय बिता रहा है (यानी वे बच्चे जो नियमित रूप से विद्यालय जाते हैं और नियमित गतिविधियों में संलग्न होते हैं)। यदि बच्चा पड़ोस में दोस्तों के साथ अधिक समय बिताता है, तो हमारा अनुभव बताता है कि ये अक्सर वे साथी होते हैं जो खुद स्कूल नहीं जाते हैं & नखरे करने वाले व्यवहारों में लिप्त होते हैं, इस प्रकार बच्चों के आपराधिक व्यवहार में संलग्न होने की संभावना बढ़ जाती है। हालांकि, यहाँ पर यह कहना नहीं है कि साथियों के साथ संबंध हर मामले में ठीक इस तरह से ही होते हैं (यानी बच्चों के पड़ोस के मित्रों के रूप में साथियों के सकारात्मक प्रभाव या विद्यालय में साथियों के नकारात्मक प्रभाव भी हो सकते हैं); इसलिए इन सब को विद्यालय और शिक्षा (उदाहरण के लिए बच्चे की शैक्षणिक प्रदर्शन, प्रेरणा और विद्यालय में उपस्थिति की नियमितता) और बच्चे के पारिवारिक संबंधों और पर्यवेक्षण की गुणवत्ता (जो बच्चे का जीवन कौशल की पर्याप्तता निर्धारित करता है) के साथ जोड़ कर देखे जाने की आवश्यकता है।

इसी तरह, जिन बच्चों के मित्र बड़े होते हैं, उन्हें सतर्कता और गिरोह की गतिविधियों में बच्चे की भागीदारी पर संभावित जांच करनी चाहिए। जिन बच्चों के मित्र (बहुत अधिक) छोटे हैं, उन्हें बच्चे की बौद्धिक क्षमताओं (बौद्धिक अक्षमता वाले बच्चों में, क्योंकि मानसिक आयु कालानुक्रमिक आयु से कम है, और इसलिए वे छोटे बच्चों के साथ अधिक आराम से घुल मिल जाते हैं) पर जाँच करने आवश्यकता है।

परिवार के वनस्पत साथियों के साथ अधिक बिताया समय बच्चे पर साथियों का कितना प्रभाव है यह समझने में सहायता करता है; जो बच्चे अपने साथियों के साथ अधिक समय बिताते हैं और परिवारों की तुलना में अपने साथियों के साथ अधिक समय बिताते हैं वे साथियों के प्रभाव के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि पूरी रात मित्रों के साथ रहना और मित्रों के साथ घर के बाहर दिन बिताना ऐसे समय को संदर्भित करता है जब बच्चा माता-पिता को सूचित नहीं करता है या इन गतिविधियों के लिए माता-पिता की अनुमति नहीं है (मित्रों के ज्ञान और अनुमति के साथ मित्रों के साथ कभी-कभी बहार जाने से भ्रमित नहीं होना चाहिए)।

बच्चे से उसकी साथियों के साथ गतिविधियों और खेलों के प्रकार पर खुला प्रश्न पूछने का आश्रय यह पता लगाना है कि क्या बच्चा किसी ऐसे साथियों के समूह का

हिस्सा हैं जो पदार्थ का उपयोग करने के लिए मिलते हैं। यदि बच्चे मादक पदार्थ के उपयोग का उल्लेख नहीं करते हैं, तो यह पूछने के लिए एक सौम्य जाँच का उपयोग किया जा सकता है कि क्या उनका समूह मिलने पर धूम्रपान करते हैं या शराब पीते हैं।

अपने साथियों के साथ बच्चे के संबंध की प्रकृति को समझने के लिए, और जिन विशिष्ट क्षेत्रों में बच्चा साथियों से प्रभावित है, उन मुद्दों के बारे में बयानों की श्रृंखला के साथ एक सवाल है, जिस पर वे अपने साथियों से प्रभावित हैं – उदाहरण के लिए मादक पदार्थ के उपयोग और यौनिकता से संबंधित व्यवहार के रूप में क्योंकि ये कुछ सामान्य उच्च जोखिम वाले व्यवहार हैं जो उन्हें अपराध की ओर ले जाते हैं। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि इस प्रश्न को पूछने का उद्देश्य इन क्षेत्रों में बच्चे पर साथियों के प्रभाव में आने के जोखिम को समझना है यानी अगर बच्चा धूम्रपान नहीं करता है, तो भी वह अपने साथियों के साथ ऐसा करने के लिए कितने जोखिम में है।

अंत में, साथियों के प्रभाव के परिणाम पर एक सवाल है, इस बात का आँकलन करने के लिए कि क्या इस अवसर पर बच्चे को सम्प्रेषण गृह में आने से पहले की परिस्थितियों में बच्चे को परेशानी हुई है या नहीं यानी, साथियों के प्रभाव और कार्यों के कारण विभिन्न प्रकार के प्राधिकरणों के साथ मुसीबत में पड़ने की पृष्ठभूमि रही है। जिन बच्चों के कई बार/बार-बार गंभीर परिणाम होते हैं जैसे कि शिक्षक द्वारा शिकायत, स्कूल से निलंबन और नियम तोड़ने के लिए पुलिस की शिकायतें यह संकेत देती हैं कि उन्हें; वह एक लंबे समय से चली आ रही समस्या है, आचरण विकार और/या ध्यान की कमी अतिसक्रियता विकार (ए0डी0एच0डी0, दोनों का उपचार प्रभाव है)।

भाग 3: आघात अनुभव: शारीरिक, यौन और भावनात्मक शोषण अनुभव* (बच्चे से पूछें)

3.1 हानि, मृत्यु और दुख

क्या आपने मृत्यु या अलगाव के माध्यम से कभी अपने परिवार में किसी को खो दिया है/कोई ऐसा व्यक्ति जिसके आप बहुत करीबी थे? क्या आप अभी भी इस व्यक्ति के बारे में बहुत सोचते हैं और बहुत दुखी और परेशान महसूस करते हैं? मुझे इसके बारे में बताएं (यह कब, कैसे हुआ/आपकी भावनाओं अब...)

3.2 शारीरिक, भावनात्मक और यौन शोषण

कभी-कभी लोग उन तरीकों से व्यवहार करते हैं जो बच्चों के लिए हानिकारक होते हैं (पुलिस/शिक्षक/परिवार के सदस्य/साथियों सहित...)। मुझे किसी ऐसे व्यक्ति/लोगों के बारे में बताएं, जिन्होंने इस तरह से व्यवहार किया हो:

- क) शारीरिक रूप से आपको चोट पहुँचाई हो और आपको चोट लगी हो?
- ख) आपको आहत/दुखी/गुस्सा/अपमानित महसूस कराने के लिए कुछ बातें कहीं हों?
- ग) आपको उन तरीकों से छुआ हो जिनसे आप असहज महसूस करते हैं या आपको यौन रूप से अश्लील चित्र/वीडियो दिखाये हों?

मार्गदर्शी नोट

यह खंड मुख्य रूप से बच्चे के हानि, दुःख और शोषण पर उनके आघात के अनुभव के बारे में जानकारी देता है। बचपन का आघात, चाहे मृत्यु/हानि/दुःख के अनुभवों के कारण हो या शारीरिक/भावनात्मक/यौन अनुभवों के परिणामस्वरूप बच्चे में भावनात्मक विकृति का कारण बनता है तब बच्चे में व्यवहार की समस्याएं भी पैदा होती हैं; आघात के संदर्भों में होने वाली चिंता और अवसाद बच्चों को मादक पदार्थ के उपयोग जैसे उच्च जोखिम वाले व्यवहारों की ओर ले जाते हैं। जब बच्चों को घर या विद्यालय में शारीरिक शोषण किया जाता है, तो वे सीखते हैं कि ये समस्याओं का सामना करने के वैध तरीके हैं और बदले में, जीवन की विभिन्न स्थितियों और उन समस्याओं से निपटने के लिए समान तरीकों का उपयोग करते हैं, जिनसे उनका सामना होता है। इसी तरह, जिन बच्चों का यौन शोषण हुआ हो और इसके बाद उन्हें कोई सहायता नहीं मिली हो, वे व्यक्तिगत सीमाओं को जानने की भावना विकसित नहीं कर पाते हैं और कुछ मामलों में, उनके द्वारा दूसरों का यौन शोषण करने की अधिक संभावना हो सकती है। इस प्रकार, आघात के अनुभव के द्वारा बच्चे कानून के साथ संघर्ष की परिस्थितियों का हिस्सा होते हैं और यह अपराध के रास्ते में से एक हो सकता है।

हालाँकि, भले ही बच्चे के आघात के अनुभव और उसके द्वारा किए गए अपराध के बीच कोई सीधा संबंध न हो, तब भी यह जानकारी अभी भी हस्तक्षेप के उद्देश्यों के लिए आवश्यक है यह इसलिए है क्योंकि आचरण के मुद्दे और आघात के अनुभव आवश्यक रूप से अलग नहीं हैं यानी हम यह नहीं मान सकते हैं कि कठिन व्यवहार वाले बच्चे को भी आघात पूर्ण अनुभव नहीं हो सकते हैं और इस तरह चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं को भी जन्म नहीं दे सकते हैं। नतीजतन, चाहे एक बच्चे ने अपराध किया हो या नहीं, अगर उसे आघात पूर्ण अनुभव हुआ है, तो उसे मानसिक स्वास्थ्य के लिए सहायता प्राप्त करने का अधिकार है ताकि उसे मुद्दों का सामना करने और समस्याओं का हल प्राप्त करने में मदद करे और आघात के (आगे) नकारात्मक प्रभावों को टाल दे। इस प्रकार, आघात के अनुभवों की जानकारी भी बाल अधिकार के दृष्टिकोण से एकत्रित की जाती है, इस आधार पर कि सभी बच्चों को अपने समस्यात्मक व्यवहार के बावजूद, मनोवैज्ञानिक और मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्राप्त करने का अधिकार है।

भाग4: परिवर्तन की संभावना* (बच्चे से पूछें)

क) बच्चे द्वारा कथित अपराध करने के बारे में (संस्था में आने की परिस्थितियों, वह अपराध जिसके लिए वह संस्था में है)

ख) बच्चे की अंतर्दृष्टि: (आपके अनुसार क्या समस्या है/आप यहाँ क्यों हैं, इस पर आपकी क्या समझ है?)

ग) परिवर्तन हेतु प्रोत्साहन

- मुसीबत से बचने का एक कारण यह हो सकता है कि आप किसी संस्था में नहीं जाना चाहते। उन कार्यों/व्यवहारों में शामिल न होने के और क्या अन्य कारण हैं जिनकी वजह से आप पहली बार में संस्था में आए थे?)
- यदि कोई जिन्न प्रकट होता है और आपको 3 इच्छाएं प्रदान करता है... कह रहा है कि आपके पास कुछ भी हो सकता है... आप क्या माँगना चाहेंगे? आपके सपने और दीर्घकालिक लक्ष्य...(यदि इस घटना/अपराध के पहले और बाद में वे अलग हैं)।

घ) (पुनः) अपराध से बचने के लिए कौशल: मुसीबत से बाहर रहने के संदर्भ में आपकी भविष्य की योजनाएं क्या हैं? यह सुनिश्चित करने के लिए आप क्या कर सकते हैं?

मार्गदर्शी नोट

कोई भी उपचार या चिकित्सीय हस्तक्षेप मानता है कि हर बच्चे/किशोर में परिवर्तन की क्षमता है। यदि हम इस पर विश्वास नहीं करते हैं, तो उपचार प्रदान करने की कोशिश करने की कोई आवश्यकता नहीं होगी। इस प्रकार, बच्चे और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य के संदर्भ में 'परिवर्तन के लिए संभावित' बच्चे (और परिणामस्वरूप कानून से विरुद्ध बच्चों के मामले में) वास्तव में बदल सकते हैं या नहीं, इसके बारे में कोई भी भविष्यवाणी करने की मांग नहीं करता है – हम यह नहीं जानते कि जब तक हमने अवसर और हस्तक्षेप प्रदान किए हैं जो परिवर्तन की सुविधा प्रदान करते हैं। तो, इस वाक्यांश से क्या तात्पर्य है:

क) बच्चे के अपराध का ब्यौरा बच्चे की कहानी का खुद के संस्करण को संदर्भित करता है, यानी कि घटनाएं किस प्रकार से हुईं की वह सम्प्रेषण गृह में आ गया। यह ब्यौरा प्रथम सूचना रिपोर्ट में दर्ज कथित अपराध के समान हो सकता है या नहीं भी हो सकता है, क्योंकि बच्चों से अक्सर विवरण नहीं माँगे जाते हैं या विश्वास किया जाता है कि क्या वे पुलिस को एक ब्यौरा प्रदान करना चाहते थे। निम्नलिखित कारणों से

कहानी का बच्चे का संस्करण प्राप्त करना महत्वपूर्ण है: 1) यह अक्सर प्रथम सूचना रिपोर्ट की तुलना में अधिक विस्तृत और सटीक होता है, और यह समझ प्रदान करता है कि घटनाएँ किस प्रकार से घटित हुईं/कैसे एक निश्चित समय पर लोगों और घटनाओं द्वारा बच्चे को कमजोर किया गया (जिस समय अपराध या अपराध से संबंधित घटनाएं हुईं); 2) बच्चे का ब्यौरा काउंसलर को मनोसामाजिक और चिकित्सीय जानकारी प्रदान करने के लिए एक आधार प्रदान करता है – जैसा कि अंतर्दृष्टि और प्रेरणा पर चर्चा के बाद किया जाता है (नीचे समझाया गया है)।

ख) बच्चों की समस्या के बारे में अंतर्दृष्टि— इस बात से तात्पर्य है कि बच्चों को उनके द्वारा किए गए कथित अपराध के बारे में क्या समझ है/क्या वे इसे अपने और दूसरों के लिए एक समस्या के रूप में देखते हैं? जिन बच्चों को अपने अपराध के बारे में समझ होती है और वे कथित अपराध के द्वारा स्वयं को और दूसरों को जो कठिनाईयें हुई हैं उनको स्वीकार करते हैं, तो उन्हें अंतर्दृष्टि कहा जाता है। जैसा कि पहले चर्चा की गई है, अंतर्दृष्टि में/समस्या की स्वीकार्यता; परिवर्तन के लिए पहला कदम है और परिणामस्वरूप, अंतर्दृष्टि की उपस्थिति को परिवर्तन होने की संभावना के रूप में देखा जा सकता है।

अंतर्दृष्टि के लिए बच्चे की प्रतिक्रिया पर डेटा का विश्लेषण या दर्ज कैसे करें:

- कम सीमा: यदि बच्चा इस बात का कोई कारण नहीं बता पा रहा है कि क्यों उसे लगता है कि उसके द्वारा किया गया कार्य एक समस्या है।
- कुछ हद तक: यदि बच्चा कम से कम एक कारण बता सकता है कि क्यों उसे लगता है कि उसके द्वारा किया गया कार्य एक समस्या है।
- उच्च सीमा तक— यदि बच्चा एक से अधिक कारण प्रदान करने में सक्षम है, कि क्यों उसे लगता है कि उसके द्वारा किया गया कार्य एक समस्या है।

उदाहरण: मुझे लगता है कि मैं इस समस्या में पड़ गया क्योंकि मैंने अपने मित्रों की बात सुनी और उन्होंने जो मुझे बताया मैंने वही किया... और इस तरह मैं नशे में हो गया... और मैंने जो किया वह किया।

ग) बदलाव के लिए बच्चों की प्रेरणा – मुसीबत से बाहर रहने की आवश्यकता के अलावा, क्योंकि बच्चे किसी संस्था में नहीं आना चाहते हैं, क्या बच्चे उन कार्यों/व्यवहारों में संलग्न नहीं होने के कारणों को प्रतिबिंबित करने में सक्षम हैं जो उन्हें कानून के साथ संघर्ष में लाए? यह कारक वास्तव में नैतिक विकास के उच्च स्तर को संदर्भित करता है: स्वयं को सजा और लाभ से बचना नैतिक विकास का अधिक बुनियादी स्तर है और तर्क है कि लोगों को कुछ कार्यों को नहीं करने के लिए प्रेरित

करता है; लेकिन सामाजिक वांछनीयता, सहानुभूति और अंतर-वैयक्तिक संबंधों का महत्व और कानून और व्यवस्था का रखरखाव, सामाजिक अनुबंध और सार्वभौमिक नैतिकता नैतिक विकास और तर्क के उच्चतर स्तर हैं। परिवर्तन की संभावना यह जाँचने के लिए है कि बच्चा अपने नैतिक विकास में कहाँ खड़ा है – नैतिक विकास और तर्क का स्तर जितना अधिक होगा, परिवर्तन की क्षमता उतनी ही अधिक होगी।

परिवर्तन के लिए प्रेरणा पर बच्चे की प्रतिक्रिया का विश्लेषण कैसे करें या डेटा कैसे दर्ज करें:

- कम सीमा: यदि बच्चा कोई भी कारण नहीं दे पा रहा है कि वह अपने व्यवहार को बदलने की आवश्यकता क्यों महसूस करता है।
- कुछ हद तक: यदि बच्चा कम से कम एक कारण बता पा रहा है, कि वह अपने व्यवहार को बदलने की आवश्यकता क्यों महसूस करता है।
- उच्च सीमा तक— यदि बच्चा एक से अधिक कारण प्रदान करने में सक्षम है, कि वह अपने व्यवहार को बदलने की आवश्यकता क्यों महसूस करता है।

उदाहरण: “मुझे लगता है कि मुझे अपने गुस्से की समस्या के बारे में कुछ करना चाहिए क्योंकि यदि समस्या जारी रहती है, तो मेरे पास कोई दोस्त नहीं होगा, मेरे परिवार को कठिनाई होगी... अगर मुझे कल नौकरी मिलती है, तो यह मेरे लिए मुश्किल पैदा कर सकता है।”

घ) अपराध से बचने के लिए कौशल— यह जीवन कौशल जैसे भावनात्मक विनियमन, सहानुभूति प्रतिक्रिया, समस्या को हल करने और संघर्ष समाधान को संदर्भित करता है। जिन बच्चों के पास इनमें से कुछ कौशल हैं, उनमें व्यवहार परिवर्तन की संभावना अधिक होती है।

पुनः अपराध करने से बचने के कौशल पर बच्चे की प्रतिक्रिया का विश्लेषण कैसे करें या डेटा कैसे दर्ज करें :

- कम सीमा – यदि बच्चा परेशानी से बाहर रहने के लिए कोई रास्ता नहीं दे पा रहा है।
- कुछ हद तक – यदि बच्चा कम से कम एक कदम बताने में सक्षम है यह सुनिश्चित करने के लिए कि वह परेशानी से बाहर रहेगा।
- उच्च सीमा तक – यदि बच्चा परेशानी से बाहर रहने के लिए 2 से अधिक कदम या रणनीति प्रदान करने में सक्षम है।

उदाहरण: “हो सकता है कि मैं मित्रों के एक अलग समूह के साथ समय बिता सकूँ ताकि मैं मुसीबत में न पड़ूँ।”

अंत में, जबकि प्रत्येक बच्चे का संभावित के लिए परिवर्तन के लिए मूल्यांकन किया जा चुका है, मानसिक स्वास्थ्य उद्देश्यों के लिए, परिवर्तन के लिए क्षमता को समझने का उद्देश्य केवल आधारभूत की स्थापना करना है, जिसमें हस्तक्षेप को डिजाइन करने के दृष्टिकोण के साथ, इस बात पर निर्भर करता है कि बच्चा प्रतिबिंबित करने के किस स्तर पर है और उसके पास कौन सा कौशल (कमी) है। इसलिए, एक बच्चा, जो मूल्यांकन के अनुसार, परिवर्तन की कम क्षमता रखता है, परिवर्तन के लिए बहुत कम या कोई आशा नहीं होने के रूप में नहीं आँका जा सकता है। इसका मतलब यह है कि उनकी अंतर्दृष्टि, परिवर्तन के लिए प्रेरणा और अपराध से बचने के लिए कौशल कम या कमजोर हैं, जिसका अर्थ है कि काउंसलर को चिकित्सा के हिस्से के रूप में इन क्षेत्रों पर काम करने की आवश्यकता है। दूसरे शब्दों में, परिवर्तन की संभावना केवल काउंसलर के लिए एक आधार रेखा या संकेतक है जहाँ पर बच्चे के साथ काम करने की आवश्यकता होती है यानी कि, यदि बच्चे के पास पहले से ही उच्च अंतर्दृष्टि और प्रेरणा है, उदाहरण के लिए, उसे पुनः अपराध से बचाने के लिए कौशल पर इनपुट प्रदान करने की बात है वनस्पत एक ऐसे बच्चे के बारे में, जिसके पास कोई अंतर्दृष्टि नहीं है, जिसमें चिकित्सा की प्रारंभिक चर्चाओं में समस्या को संबोधित करने के लिए रणनीतियों पर जाने से पहले बच्चे की समस्या पर गहरी समझ पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

मूल्यांकन चरण में परिवर्तन के लिए बच्चे की क्षमता की जानकारी और विश्लेषण का उपयोग केवल मनोसामाजिक और चिकित्सीय उद्देश्यों के लिए किया जाना है और कम से कम परिवर्तन के लिए हस्तक्षेप और अवसर प्रदान करने से पहले, ऐसा नहीं होना चाहिए:

- बच्चे के बारे में कानूनी निर्णय लेने में योगदान करना।
- जमानत या रिहाई के बारे में निर्णय लेने के लिए उपयोग किया जाता है।
- वयस्कों हेतु आपराधिक न्याय की प्रणालियों में स्थानांतरण के लिए उपयोग किया जाता है।

भाग 5: मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं* (बच्चे से पूछें)

5.1 चिंता

यू1 (जॉच हेतु प्रश्न)

पिछले छह महीनों से...

क्या आप बहुत चिंतित हैं या नर्वस हैं?	नहीं	हाँ
क्या आप कई चीजों के बारे में चिंतित या घबराए हुए हैं, (जैसे स्कूल, आपका स्वास्थ्य, या कुछ और बुरा हो रहा है)?	नहीं	हाँ
क्या आप अन्य बच्चों की तुलना में आपकी उम्र से अधिक चिंतित हैं?	नहीं	हाँ
क्या आप ज्यादातर चिंतित रहते हैं?	नहीं	हाँ

यदि यू1 का कोई भी उत्तर 'हां' है, तो यू2 व यू3 पर आगे बढ़ें, यदि 'नहीं' है, तो रुकें और डिप्रेशन पर अगले भाग पर जाएं।

यू2		
क्या आपको चिंता करना मुश्किल लगता है? क्या चिंताएँ की वजह से आपको अपने काम पर ध्यान देने में कठिनाई होती है?	नहीं	हाँ
यू3		
क्या आप ज्यादातर चिंतित रहते हैं?		
जब आप चिंतित होते हैं, तो आप ज्यादातर समय:		
क. लगता है कि आप अभी भी बैठ नहीं सकते हैं?	नहीं	हाँ
ख. अपनी मांसपेशियों में तनाव महसूस करते हैं?	नहीं	हाँ
ग. आसानी से थका हुआ और कमजोर महसूस करते हैं?	नहीं	हाँ
घ. यह एक कठिन समय है कि आप क्या कर रहे हैं इस पर ध्यान दे? क्या आपका कुछ समझ नहीं आता है?	नहीं	हाँ
च. दर्द या गुस्सा महसूस होता है?	नहीं	हाँ
छ. सोने में परेशानी होती है ("नींद आने में परेशानी" का अर्थ है ठीक से नींद ना आना, रात के बीच में जागना, जल्दी जागना या बहुत ज्यादा सोना)?	नहीं	हाँ

यदि 1 या अधिक यू3 उत्तरों 'हां' हैं, तो सामान्यीकृत चिंता विकार निदान के लिए 'हां' को चिह्नित करें।

सामान्यीकृत चिंता विकार: हाँ/नहीं

5.2 अवसाद संबंधी मुद्दे

सी1. जाँच संबंधी प्रश्न		
क्या आपने पिछले वर्ष में अधिकांश समय, उदास या अवसाद, या कमजोर या खालीपन या गंभीर दर्द या गुस्सा महसूस किया है?	नहीं	हाँ
यदि 'हाँ' तो सी2 व सी3 संचालित करें यदि 'नहीं' तो रुकें और ए0डी0एच0डी0 पर अगले भाग पर आगे बढ़ें।		
सी2. पिछले एक साल में, क्या आपने दो महीने या उससे अधिक समय के लिए एक साथ ठीक महसूस किया है (मतलब हमेशा गंभीर नहीं होना या अवसाद से मुक्त)।	नहीं	हाँ
सी3 पिछले वर्ष के दौरान, अधिकांश समय:		
क. क्या आप आम दिनों की अपेक्षा कम भूखे महसूस कर रहे थे? क्या अपेक्षकृत ज्यादा भूख महसूस कर रहे थे?	नहीं	हाँ
ख. क्या आपको नींद आने में दिक्कत है ("नींद आने में परेशानी" का अर्थ है ठीक से नींद ना आना, रात के बीच में जागना, जल्दी जागना या बहुत ज्यादा सोना)?	नहीं	हाँ
ग. क्या अपेक्षकृत आप अधिक थका हुआ महसूस करते थे?	नहीं	हाँ
घ. क्या आपको खुद पर कम भरोसा महसूस हुआ? क्या आपको अपने बारे में बुरा लगा?	नहीं	हाँ
च. क्या आपको ध्यान देने में परेशानी होती है? क्या आपको अपना मन बनाने में परेशानी होती है? क्या आपको लगा कि चीजें कभी बेहतर नहीं होंगी?	नहीं	हाँ

यदि 2 या अधिक सी3 उत्तर 'हाँ' हैं, तो अवसाद निदान के लिए 'हाँ' को चिह्नित करें।

अवसाद निदान: हाँ/नहीं

यदि 'अवसाद निदान' हाँ में चिह्नित हुआ है तो निम्न दो प्रश्न पर आगे बढ़ें

- क्या आपने कभी महसूस किया है कि आप जीना नहीं चाहते हैं? हाँ/नहीं
- यदि हाँ, तो क्या आपने कभी ऐसा करने की कोशिश की है कि आप जीवित न रहें? हाँ/नहीं

आत्मघाती विचार: हाँ/नहीं

आत्मघाती प्रयास: हाँ/नहीं

5.3 ध्यान के अभाव में सक्रियता विकार (ए0डी0एच0डी0)

ओ2 पिछले 6 माहों में ...		
क. क्या आपने अक्सर विवरणों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया है? स्कूल में लापरवाही भरी गलतियों की हैं?	नहीं	हाँ
ख. क्या आपको अक्सर स्कूली पढ़ाई करते समय या खेलने में अपना ध्यान केंद्रित करने में परेशानी होती है?	नहीं	हाँ
ग. क्या आपको अक्सर यह कहा जाता है जब दूसरे आपसे सीधे बात करते हैं तो आप उनकी बात नहीं सुनते?	नहीं	हाँ
घ. क्या आपको अक्सर इस बात से परेशानी होती है कि आपको क्या करने के लिए कहा गया है (जैसे कि स्कूल की पढ़ाई या काम के दौरान पालन नहीं करना)?	नहीं	हाँ
च. क्या यह तब हुआ/भी होता है जब आप समझते हैं कि आपको क्या कतना है?	नहीं	हाँ
छ. क्या यह तब हुआ/भी होता है जब आप मुश्किल होने की कोशिश नहीं कर रहे थे?	नहीं	हाँ
ज. क्या आपने अक्सर संगठित होने में कठिनाई होती है?	नहीं	हाँ
झ. क्या आप अक्सर उन चीजों से बचने की कोशिश की है जो आपको ध्यान केंद्रित करने या जिनमें बहुत सोचना पड़ता है (जैसे स्कूलवर्क)? क्या आप ऐसी चीजों से नफरत या उन्हें नापसंद करते हैं?	नहीं	हाँ
न. क्या आप अक्सर जरूरत की चीजें भूल जाते हैं/खो देते हैं? जैसे गृहकार्य, पेंसिल, या खिलौने?	नहीं	हाँ
य. क्या आप अक्सर छोटी बातों/चीजों से आसानी से विचलित हो जाते हैं (जैसे कमरे के बाहर की आवाज या चीजें)?	नहीं	हाँ
र. क्या आप अक्सर उन चीजों को करना भूल जाते हैं जिन्हें आपको हर दिन करने की जरूरत होती है (जैसे अपने बालों को कंघी करना या अपने दाँत ब्रश करना)?	नहीं	हाँ

ओ3 पिछले 6 माहों में ...		
क्या आप अक्सर अपने हाथों या पैरों में कुलबुलाहट महसूस करते हैं? या आपको अपनी सीट पर घबराहट होती है?	नहीं	हाँ
क्या आप अक्सर कक्षा में अपनी सीट छोड़कर बाहर जाते थे जो कि नहीं होना चाहिये? क्या आप इधर-उधर भागना चाहते थे या उन चीजों पर चढ़ना चाहते थे, जबकि आप चढ़ भी नहीं पाते हैं?	नहीं	हाँ
क्या चुपचाप खेलने में आपको अक्सर कठिनाई होती है?	नहीं	हाँ
क्या आप हमेशा “चलते-फिरते” रहते थे?	नहीं	हाँ
क्या आपने अक्सर बहुत ज्यादा बात की है?	नहीं	हाँ
क्या आपने अक्सर व्यक्ति या शिक्षक के प्रश्न को पूरा करने से पहले ही उत्तर दे दिए हैं?	नहीं	हाँ
क्या आपको अक्सर अपनी बारी का इंतजार करने में परेशानी होती है?	नहीं	हाँ
क्या आपने अक्सर अन्य लोगों को बाधित किया है? जैसे कि जब दूसरे लोग बात कर रहे हों या व्यस्त हों या फोन पर हों, तब उनकी बातों में दखल देना?	नहीं	हाँ
ओ4 क्या आपको 7 साल की उम्र या उससे पहले से अति उत्साहित, या आवेगी या ध्यान केंद्रित करने में समस्या होती है?	नहीं	हाँ
ओ5 क्या इन बातों से स्कूल में समस्याएँ पैदा हुईं? घर पर? अपने परिवार के साथ? तुम्हारे मित्रों के साथ?	नहीं	हाँ

यदि ओ2 या ओ3में 6 या अधिक उत्तर 'हां' में हैं और तो ए0डी0एच0डी0 निदान के लिए 'हां' को चिह्नित करें। (हस्तक्षेप उद्देश्यों के लिए ओ4 और ओ5 भी पूछें)।

ध्यान अभाव सक्रियता विकार (ए0डी0एच0डी0): हाँ/नहीं

5.4 आचरण विकार

पी2 पिछले 6 माहों में ...		
क. क्या आपने अन्य लोगों (भाई-बहनों को छोड़कर) को डराया या धमकाया है?	नहीं	हाँ
ख. क्या आपने दूसरों के साथ झगड़े शुरू कर दिए (भाई-बहनों को छोड़कर)?	नहीं	हाँ
ग. क्या आपने किसी को चोट पहुंचाने के लिए हथियार का इस्तेमाल किया है जैसे चाकू, बंदूक, बैट या अन्य वस्तु?	नहीं	हाँ
घ. क्या आपने सोच समझकर किसी को (भाई-बहनों को छोड़कर) चोट पहुँचाई है (शारीरिक रूप से)?	नहीं	हाँ
च. क्या आपने सोच समझकर जानवरों को चोट पहुँचाई है?	नहीं	हाँ
छ. क्या आपने बल प्रयोग करके चीजें चुराई हैं? जैसे हथियार का इस्तेमाल करके किसी को लूटना या पर्स छीनना।	नहीं	हाँ
ज. क्या आपने नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से आग लगायी है?	नहीं	हाँ
झ. क्या आपने सोच समझ कर उन चीजों को नष्ट कर दिया है जो अन्य लोगों से संबंधित थीं?	नहीं	हाँ
त. क्या आपने किसी के घर या कार को तोड़ा है?	नहीं	हाँ
थ. क्या आपने लोगों से चीजें प्राप्त करने के लिए कई बार झूठ बोला है? या उन्हें पाने के लिये अन्य लोगों को धोखा दिया है?	नहीं	हाँ
द. क्या आपने कीमती चीजों को चुराया है (जैसे कि दुकान में चोरी करना या गलत चेक देना)?	नहीं	हाँ
ध. क्या आप अक्सर अपने घर से बाहर रहते थे जिसके बाद आपके माता-पिता ने आपको ऐसा करने दिया? क्या यह 13 साल की उम्र से पहले शुरू हुआ था?	नहीं	हाँ
न. क्या आप घर से दो बार या अधिक भाग गए हैं?	नहीं	हाँ
य. क्या आपने अक्सर विद्यालय बंद किया है/छोड़ दिया है? क्या यह आपके सामने शुरू हुआ, क्या यह 13 साल की उम्र से पहले शुरू हुआ था?	नहीं	हाँ
र. क्या आपने किसी को अपने साथ सेक्स करने के लिए मजबूर किया है?	नहीं	हाँ

यदि पी2 में, 3 या अधिक उत्तर 'हाँ' में हैं साथ ही कम से कम 1 पिछले 6 महीनों में मौजूद हैं, तो आचरण विकार निदान के लिए 'हां' को चिह्नित करें।

आचरण विकार: हाँ/नहीं

मार्गदर्शी नोट

मिनी-इंटरनेशनल न्यूरोसाइकैट्रिक इंटरव्यू (एम0आई0एन0आई0) एक संक्षिप्त संरचित नैदानिक साक्षात्कार है, जिसे डी0एस0एम0 – 4 और आई0सी0डी0 – 10 मनोरोग विकारों के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप में संयुक्त रूप से मनोचिकित्सकों और चिकित्सकों द्वारा विकसित किया गया है। लगभग 15 मिनट के समय के साथ, यह बहुविकल्पी नैदानिक परीक्षणों और महामारी विज्ञान के अध्ययन के लिए एक संक्षिप्त लेकिन सटीक संरचित मनोचिकित्सा साक्षात्कार की आवश्यकता को पूरा करने हेतु डिजाइन किया गया है और इसका उपयोग गैर-शोध अनुसंधान सेटिंग्स में परिणाम ट्रेकिंग के पहले चरण के रूप में किया गया है।

बच्चों और किशोरों हेतु मिनी-अंतर्राष्ट्रीय न्यूरोसाइकैट्रिक साक्षात्कार (एम0आई0एन0आई0-किड) बच्चों तथा किशोरों के लिए विकसित किया गया है; इसका उपयोग 23 एक्सिस – 1 डी0सी0एम – 4 विकारों की जांच में किया जाता है। जब नकारात्मक रूप से उत्तर दिया जाता है तो एम0आई0एन0आई0 के अधिकांश मॉड्यूल हेतु, दो से चार स्क्रीनिंग प्रश्नों का उपयोग निदान तक पहुँचने हेतु किया जाता है। अन्य नैदानिक मानदंडों की आगे की जांच से स्क्रीनिंग प्रश्नों पर सकारात्मक प्रतिक्रियाओं की जांच की जाती है।

इस मूल्यांकन प्रारूप के प्रयोजनों हेतु, बच्चों के सामान्य मानसिक स्वास्थ्य विकारों के मूल्यांकन के लिये हमने एम0आई0एन0आई0-किड टूल के 4 भागों से प्रश्न तैयार किए हैं – चिंता, अवसाद, ध्यान अभाव सक्रियता विकार (ए0डी0एच0डी0) और आचरण विकार (सी0डी0)।

चिंता और अवसाद आंतरिक विकार हैं, जो भीतर केंद्रित नकारात्मक व्यवहारों या ऐसी समस्याएं जो लोग अपने भीतर रखते हैं, को संदर्भित करते हैं। उनमें भय, सामाजिक वापसी और शारिरिक शिकायत¹⁰ शामिल हैं। ए0डी0एच0डी0 और सी0डी0 दोनों को बाहरी व्यवहार के रूप में माना जा सकता है अर्थात् पर्यावरण में निर्देशित विघटनकारी, नकारात्मक व्यवहार।

चिंता और अवसाद का चयन किया गया है, क्योंकि वे भावनात्मक विकृति, पदार्थ का उपयोग और अन्य उच्च जोखिम वाले व्यवहार (विशेषकर जब वे आघात के अनुभवों की पृष्ठभूमि में होते हैं) की ओर बढ़ा सकते हैं तथा जिनके परिणामस्वरूप अपराध हो

¹⁰ जब लोगों को किसी भी चिकित्सीय समस्या के अभाव में शरीर में दर्द/पीड़ा/बेचैनी की शिकायत होती है और जब उनकी स्वास्थ्य समस्याओं का आधार मनोवैज्ञानिक और तनाव से संबंधित होता है।

सकते हैं। गंभीर चिंता और अवसाद से आत्महत्या और आत्म-हानि व्यवहार हो सकता है, जिससे संस्थागत देखभाल प्रणाली को विशेष रूप से सतर्क रहने की आवश्यकता है; हिरासत में मृत्यु एक गंभीर मामला है और एक देखरेख संस्था के प्रबंधन कार्मिक यदि गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को पहचानने में विफल रहे हैं जिससे बच्चे की मृत्यु हुई हो तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

गंभीर चिंता और अवसाद से गंभीर नींद, भूख की समस्या, शिथिलता, दैनिक आत्म-देखभाल व नियमित गतिविधियों को करने में असमर्थता तथा/या आत्म-हानि विचार और व्यवहार आ सकते हैं; ऐसे उदाहरणों में, एक बच्चे को तृतीयक स्वास्थ्य सुविधा या फार्माकोथेरेपी सहित आगे के मूल्यांकन और देखभाल के लिए विशेष मानसिक स्वास्थ्य सुविधा में भेजा जाना चाहिए।

ए0डी0एच0डी0 एक न्यूरो-विकासात्मक व बचपन के सबसे आम विकारों में से एक है, जो 8 से 10 प्रतिशत बच्चों और किशोरों को प्रभावित करता है। यह एक बचपन का विकार है जो बेचैनी, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, कार्यों में अटक जाने व पूरा करने में कठिनाई और निर्णय लेने में जल्दबाजी से चित्रित होता है। बच्चों और किशोरों दोनों में, यह अनियंत्रित आक्रामक व्यवहार और खराब भावनात्मक विनियमन का परिणाम है; जैसे-जैसे बच्चे और किशोर बढ़ते हैं और इसका उपचार नहीं किया जाता है तो, यह खराब सामाजिक कौशल, अपर्याप्त सामाजिक निर्णय और उच्च आवेगशीलता यानि जल्दबाजी में निर्णय और आवेगी कार्यों के रूप में प्रकट होता है जिससे बच्चे और अन्य के लिए हानिकारक परिणाम हो सकते हैं। ए0डी0एच0डी0 इस प्रकार मित्रों के समूहों के साथ बढ़ते संघर्षों, खराब निर्णय लेने के कौशल और सनसनी भरी गतिविधियों जैसे मादक द्रव्यों के सेवन, अनुचित यौन व्यवहार और अन्य उच्च जोखिम वाले व्यवहारों को बढ़ावा देता है, जिसके परिणामस्वरूप अपराध का रास्ता बनता है। कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों में हमेशा ए0डी0एच0डी0 का मूल्यांकन किया जाना चाहिए, जो उनके अपराध व्यवहार का एक प्रमुख कारण हो सकता है। अस्पष्ट/अनुपचारित ए0डी0एच0डी0 बच्चों में बार-बार अपराध व्यवहार को जन्म दे सकता है, इस प्रकार यह पुनरावृत्ति की उच्च दर में योगदान देता है। ए0डी0एच0डी0 हल्के, मध्यम या गंभीर स्तर पर हो सकता है। मध्यम से गंभीर ए0डी0एच0डी0 (कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों के बीच अधिक सामान्य) के मामले में, दवा के लिए विशेष मानसिक स्वास्थ्य सुविधा के साथ-साथ व्यवहार प्रशिक्षण चिकित्सा हेतु उन्हें संदर्भित किया जाना आवश्यक है (जो संस्था के कार्मिकों द्वारा, चिकित्सा सलाह और सिफारिशों के आधार पर निष्पादित किया जा सकता है)।

आचार विकार एक मनोरोगी वर्गीकरण में उपयोग किया जाने वाला अतिव्यापी शब्द है जो असामाजिक व्यवहार के एक निरंतर पैटर्न को संदर्भित करता है जिसमें एक व्यक्ति

बार-बार सामाजिक नियमों को तोड़ता और आक्रामक कार्यों को करता है जिससे अन्य लोगों को परेशानी होती है, जिसमें चोरी, हिंसा और क्रूरता के कृत्य शामिल हैं। आचरण विकारों वाले बच्चों और युवाओं का एक बड़ा अनुपात गरीब और विनाशकारी जीवन शैली के साथ असामाजिक वयस्क होने के ओर बढ़ता है। इसलिए बच्चों और किशोरों में आचरण विकार की पहचान करना महत्वपूर्ण है ताकि उन्हें हस्तक्षेप प्रदान किया जा सके जो भविष्य में भी उन्हें आपराधिकता और असामाजिक व्यवहार को रोकेंगे।

यदि बच्चे या देखरेखकर्ता/संस्था के कार्मिकों द्वारा बताए गए कोई भी (अन्य) भावनात्मक या व्यवहार संबंधी मुद्दे उपरोक्त चार मानसिक स्वास्थ्य विकार श्रेणियों में से किसी में भी फिट नहीं होते हैं, तो बच्चे को आगे के परीक्षण और मूल्यांकन के लिए एक विशेष मानसिक स्वास्थ्य सुविधा में भेजा जा सकता है।

5.5 मादक पदार्थों का सेवन

अ. ड्रग (दवा) उपयोग की पृष्ठभूमि

मेरे द्वारा बताई जा रही प्रत्येक दवा के लिए, कृपया मुझे बताएं कि क्या आपने कभी इसका उपयोग किया है। फिर, यदि आपने इसे आजमाया है, तो मुझे बताएं कि आप इसे कितनी बार उपयोग करते हैं (आपको हिरासत या उपचार में लिए जाने से पहले) केवल चिकित्सक द्वारा सलाह ना दिये जाने की स्थिति में ली गई दवाओं पर ही विचार करें; शराब के लिए, किसी और द्वारा पी जा रही शराब में सिर्फ कुछ घूंट पीना इसमें शामिल नहीं करें।

हस्तक्षेप	कोई हस्तक्षेप नहीं		संक्षिप्त हस्तक्षेप			गहन हस्तक्षेप		
	कभी उपयोग नहीं किया	उपयोग किया पर छोड़ दिया	वर्ष में कई बार	माह में कई बार	केवल सप्ताह अंत में	सप्ताह में कई बार	प्रतिदिन	दिन में कई बार
मादक पदार्थ	0	1	2	3	4	5	6	7
धूम्रपान तम्बाकू (सिगरेट, सिगार)	0	1	2	3	4	5	6	7
शराब (बीयर, वाइन)	0	1	2	3	4	5	6	7
मारिजुआना या गांजा (वीड या ग्रास)	0	1	2	3	4	5	6	7

एल0एस0डी0, एम0डी0ए0, मशरूम पेयोट,, अन्य हैलुसिनोजन (एसिड, शरूम)	0	1	2	3	4	5	6	7
एमफेटामीने (स्पीड, रिटालिन, एक्टसी, क्रिस्टल)	0	1	2	3	4	5	6	7
पाउडर कोकीन (कोक, ब्लो)	0	1	2	3	4	5	6	7
रॉक कोकीन (क्रैक, रॉक, फ्रीबेस)	0	1	2	3	4	5	6	7
बार्बिटुरेट्स, (क्वाल्यूडस्, डाउनरस्, ल्यूडस्, ब्लूयस्)	0	1	2	3	4	5	6	7
पी0सी0पी0 (एंजेल डस्ट)	0	1	2	3	4	5	6	7
हेरोइन, अन्य ओपिऐटस् (स्मैक, घोड़ा, अफीम, मॉर्फिन)	0	1	2	3	4	5	6	7
इन्हेलेंट (गोंद, गैसोलीन, स्प्रे कैन्स, व्हाइटआउट, रश, आदि)	0	1	2	3	4	5	6	7
वेलियम, प्रोजैक, अन्य ट्रैक्यूलाइजरस् (आर0एक्स0 के बिना)	0	1	2	3	4	5	6	7
अन्य दवायें (ड्रग्स)	0	1	2	3	4	5	6	7

ब. किशोर अल्कोहल और ड्रग इनवाल्वमेंट स्केल (ए0ए0डी0आई0एस0) (संशोधित संस्करण)/किशोरों का मादक दृव्यों/दवाओं के सेवन में संल्पितता स्केल

ये प्रश्न आपके शराब और अन्य दवाओं (जैसे मारिजुआना/वीड या कोकीन/रॉक) के उपयोग के संर्दभ में हैं। कृपया उपचार या हिरासत में लिये जाने के पहले के समय को ध्यान में रखते हुये उत्तर दें। कृपया मुझे बताएं कि कौन से उत्तर आपके शराब और/या अन्य नशीली दवाओं के उपयोग के बारे में सबसे अच्छा वर्णन करते हैं। यदि कोई उत्तर पूरी तरह से सही नहीं लगता है, तो कृपया उन विकल्पों चुनें जो सच/सही के सबसे करीब आते हैं। यदि कोई प्रश्न आप पर लागू नहीं होता है, तो मुझे बताएं और हम इसे खाली छोड़ देंगे।

1. उपचार या हिरासत में लिये जाने के पहले कितनी बार आपने शराब या अन्य दवाओं (जैसे वीड या रॉक) का उपयोग करते थे?

व	कभी नहीं	0
ख	एक वर्ष में एक या दो बार	2
ग	महीने में एक या दो बार	3
घ	हर सप्ताहांत	4
ड	हफ्ते में कई बार	5
च	प्रतिदिन	6
छ	एक दिन में कई बार	7

2. आपने (उपचार या हिरासत में आने से पहले) आखिरी बार शराब या ड्रग्स का उपयोग कब किया था?

व	शराब या ड्रग्स का उपयोग कभी नहीं किया	0
ख	एक वर्ष में कभी नहीं	2
ग	6 महीने से 1 वर्ष के बीच (पहले)	3
घ	हिरासत में आने से कई हफ्ते पहले	4
ड	पिछले हफ्ते (इस सप्ताह पहले)	5
च	कल (एक दिन पहले)	6
छ	आज (उसी दिन जब मुझे यहाँ लाया गया)	7

3. मैं अक्सर शराब या मादक दवाओं का सेवन करता था क्योंकि...(मुझे सब सही गलत बताइये)

क	मुझे उपयोग के बाद का अहसास पसंद है	1
ख	मेरे दोस्तों की तरह बनना	2
ग	मैं ऊब गया हूँ या सिर्फ मजे करने के लिए	3
घ	मैं तनाव, घबराहट या परेशानियों से भरा हुआ महसूस करता हूँ	4
ड	मैं खुद को दुखी, अकेला महसूस करता हूँ	5

4. जब आप शराब पीते हैं तो आप क्या पीते हैं (नीचे दिये गये विकल्पों में से सही पर गोला बनायें)

क	वइन	1
ख	बीयर	2
ग	मिक्सड पेय	3
घ	हार्ड पेय (वोडकाए व्हिस्की, आदि)	4
ड	शराब का विकल्प	5

5. आपको शराब या मादक दवायें कैसे प्राप्त होती हैं (नीचे दिये गये विकल्पों में से सही पर गोला बनायें)

क	माता-पिता या रिश्तेदारों द्वारा पर्यवेक्षित	1
ख	भाइयों या बहनों से	2
ग	माता-पिता की जानकारी के बिना घर से	3
घ	दोस्तों से	4
ड	मैं खुद खरीदता हूँ (सड़क पर से या झूठी आईडी के साथ)	5

6. आपने सबसे पहली बार शराब या मादक दवाओं का सेवन कब किया (नीचे दिये गये विकल्पों में से किसी एक पर गोला बनायें)

क	कभी नहीं	0
ख	15 वर्ष की उम्र के बाद	2
ग	14 या 15 वर्ष की आयु में	3
घ	12 या 13 वर्ष की आयु में	4
ड	10 या 11 वर्ष की आयु में	5
च	1 वर्ष की उम्र के पहले	6

7. आप दिन में किस समय शराब या मादक दवाओं का सेवन करते हैं (नीचे दिये गये विकल्पों में जो भी लागू हों उन सभी पर गोला बनायें)

क	रात में	1
ख	दोपहर में / विद्यालय के बाद	2
ग	विद्यालय या काम के दौरान या उससे पहले	3
घ	सुबह या सुबह उठते ही	4
ड	मैं अपनी नींद से दौरान अक्सर शराब या मादक दवाओं के सेवन के लिये जाग जाता हूँ।	5

8. आपने पहली बार शराब या मादक दवाओं का सेवन क्यों किया (नीचे दिये गये विकल्पों में जो भी लागू हों उन सभी पर गोला बनायें)

क	जिज्ञासावश	1
ख	माता-पिता या रिश्तेदारों की पेशकश पर	2
ग	दोस्तों ने मुझे मजा करने हेतु प्रोत्साहित किया	3
घ	मेरी समस्याओं से दूर होने के लिए	4
ड	उच्च या नशे में होने के लिये	5

9. जब आप शराब पीते हैं तो कितनी पीते हैं?

क	1 पैग	1
ख	2 पैग	2
ग	3-4 पैग	3
घ	5-9 पैग	4
ड	10 उससे ज्यादा पैग	5

10. शराब या मादक दवाओं का सेवन आप किसके साथ करते हैं (नीचे दिये गये विकल्पों में जो भी लागू हों उन सभी पर गोला बनायें)?

क	माता-पिता या वयस्क रिश्तेदार के साथ	1
ख	भाइयों या बहनों के साथ	2
ग	दोस्तों या अपनी उम्र के रिश्तेदारों के साथ	3
घ	पुराने दोस्तों के साथ	4
ड	टकेला	5

11. शराब या मादक दवाओं से आप पर क्या प्रभाव पड़ा है (नीचे दिये गये विकल्पों में जो भी लागू हों उन सभी पर गोला बनायें)?

क	हल्का, आसान लग रहा है	1
ख	मध्यम रूप से उच्च सूरुर लगता है	2
ग	नश चढ़ जाता है या सब बर्बाद हो जाता है	3
घ	बीमार हो जाता हूँ	4
ड	बीत गया या ज्यादा पी ली ऐसा लगता है	5
च	बहुत पी ली और अगले दिन याद नहीं क्या हुआ	6

12. शराब या मादक दवाओं से आपके जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा है (नीचे दिये गये विकल्पों में जो भी लागू हों उन सभी पर गोला बनायें)?

क	कोई नहीं	0
ख	किसी से बात करने में हस्तक्षेप किया	2
ग	मुझे अच्छा समय बिताने से रोका	3
घ	शराब या दवाओं के उपयोग ने मेरे विद्यालय के काम में हस्तक्षेप किया	4
ड	उपयोग के के कारण मित्रों को खो दिया	5
च	मुझे घर में मुसीबत में डाल दिया	6
छ	लड़ाई की या संपत्ति नष्ट कर दी	7
ज	दुर्घटना, चोट, गिरफ्तारी या स्कूल में दंडित हुआ	8

13. आपके द्वारा शराब या मादक दवाओं के सेवन को आप किस तरह से देखते हैं (नीचे दिये गये विकल्पों में जो भी लागू हों उन सभी पर गोला बनायें)?

क	बिल्कुल भी परेशानी नहीं है	0
ख	मैं इसे नियंत्रित और खुद की सीमाएं निर्धारित कर सकता हूँ	2
ग	मैं खुद को नियंत्रित कर सकता हूँ, लेकिन मेरे दोस्त मुझे आसानी से प्रभावित करते हैं	3
घ	मुझे अक्सर सेवन के बारें में बुरा लगता है	4
ड	मुझे खुद को नियंत्रित करने के लिए मदद चाहिए	5
च	मैंने अपने पीने या मादक दवा के उपयोग को नियंत्रित करने के लिए पेशेवर मदद ली है।	6

14. आपके द्वारा शराब या मादक दवाओं के सेवन के संदर्भ में अन्य आपको किस तरह से देखते हैं (नीचे दिये गये विकल्पों में जो भी लागू हों उन सभी पर गोला बनायें)?

क	कह नहीं सकते या मेरी उम्र के लिए सामान्य है	0
ख	जब मैं सेवन करता हूँ तो मैं अपने परिवार या दोस्तों की उपेक्षा करता हूँ	2
ग	मेरे परिवार या दोस्तों ने मुझे अपने उपयोग पर नियंत्रण या उसे कम करने की सलाह दी है	3
घ	मेरा परिवार या दोस्त मुझे मेरी शराब या नशीली दवाओं के उपयोग के लिए मदद लेने को कहते हैं	4
ङ	मेरा परिवार या दोस्त पहले ही मेरे सेवन हेतु मदद ले चुके हैं	5

ए0ए0डी0आई0एस0 स्कोरिंग के परिणाम

ए0ए0डी0आई0एस0 स्कोर: (37 या उससे ज्यादा स्कोर पर पूर्ण मूल्यांकन की आवश्यकता है)

क्या आप पूर्ण मूल्यांकन की सलाह देंगे/देंगी ((ए0ए0डी0आई0एस0 स्कोर के बावजूद भी)

0 – नहीं

1 – हाँ

टिप्पणी:

पदार्थ निर्भरता पर स्कोरिंग और निदान: (सुगमकर्ता के लिए नोट्स)

भाग ए के अंतर्गत किसी भी दिए गए पदार्थ के लिए, यदि कोई बच्चा श्रेणियों में आता है, तो :

- 'कभी उपयोग नहीं किया' / या 'उपयोग किया पर छोड़ दिया', की स्थिति में किसी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है।
- 'वर्ष में कई बार', 'महीने में कई बार' और/या 'केवल सप्ताहांत में', की स्थिति में उसे संक्षिप्त हस्तक्षेप की आवश्यकता होगी।
- 'सप्ताह में कई बार', 'दैनिक' और/या दिन में कई बार' की स्थिति में उसे गहन साक्षात्कार की आवश्यकता होगी।

भाग बी के अंतर्गत, 1-14 तक प्रत्येक आइटम हेतु, उच्चतम श्रेणी के गोल किये गये स्कोर को जोड़ें। कुल स्कोर जितना अधिक होगा, शराब/ड्रग के असर का स्तर उतना ही गंभीर होगा।

- यदि कोई बच्चा शराब पीता है, तो उसे 37 के पैमाने पर स्कोर करें। 37 या उससे अधिक के स्कोर में अधिक गहन मूल्यांकन की आवश्यकता होती है, जिसमें तृतीयक स्वास्थ्य सेवा (विशेषीकृत) सुविधाओं को संदर्भित करना शामिल है।
- यदि कोई बच्चा शराब नहीं पीता है, तो उसे 35 के पैमाने पर स्कोर करें। 35 या उससे अधिक के स्कोर में अधिक गहन मूल्यांकन की आवश्यकता होती है, जिसमें तृतीयक स्वास्थ्य सेवा (विशेषीकृत) सुविधाओं को संदर्भित करना शामिल है।

मार्गदर्शी नोट

किशोरों के अल्कोहल और ड्रग इनवॉल्वमेंट स्केल (ए0ए0डी0आई0एस0)¹¹ टूल को कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों के मनोसामाजिक मूल्यांकन प्रारूप में शामिल किया गया है ताकि बच्चे द्वारा उपयोग किए जाने वाले पदार्थों के प्रकार, पदार्थों के उपयोग के कारण, कैसे उपयोग करना शुरू हुआ और पदार्थों के उपयोग की आवृत्ति के बारे में जानकारी मिल सके। इस टूल को सवालों की सरलता (अन्य पदार्थ उपयोग मूल्यांकन टूल्स की तुलना में) और इससे एकत्रित जानकारी का उपयोग सीधे किसी दिए गए बच्चे के लिए चिकित्सा लक्ष्यों और हस्तक्षेपों को विकसित करने के लिए किया जा सकता है, इसलिये उपयोग के लिए चुना गया था।

हमने ए0ए0डी0आई0एस0 टूल को, संप्रेक्षण गृहों के संदर्भ में कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों की जरूरतों के अनुकूल बनाने हेतु इसमें कुछ मामूली परिवर्धन और संशोधन किए हैं;

(अ) भाग ए: हस्तक्षेप पर ध्यान केंद्रित करने के लिए, 'पदार्थ सेवन की पृष्ठभूमि' संबंधी तालिका में एक पंक्ति जोड़ी गई है;

- स्कोर: 0–1 ('कभी उपयोग नहीं किया' और 'उपयोग किया पर छोड़ दिया') को 'कोई हस्तक्षेप नहीं' हेतु चिह्नित किया गया क्योंकि बच्चे को इन मामलों में किसी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं होती है। वास्तव में, बाकी पदार्थों के उपयोग के सवालों को उसके बाद में पूछा नहीं जाना चाहिए।

¹¹डी. पॉल मोबर्ग, स्वास्थ्य नीति और कार्यक्रम मूल्यांकन केंद्र, विस्कॉन्सिन मेडिकल स्कूल के विश्वविद्यालय द्वारा विकसित। मेयर और फिल्स्टेड की आज्ञा से अपनाया गया—किशोर अल्कोहल इनवॉल्वमेंट स्केल 2 (जरनल ऑफ स्टडीज़ ऑन अल्कोहल 40:291–300, 1979) और मोबर्ग और हैन के किशोर ड्रग इनवॉल्वमेंट स्केल 2 (जरनल ऑफ एडॉल्सेंट केमिकल डिपेन्डेंसी 2:75–88, 1991)।

- स्कोर 2 – 4 ('वर्ष में कई बार', 'माह में कई बार' और 'केवल सप्ताहांत में') को 'संक्षिप्त हस्तक्षेप' हेतु चिह्नित किया गया है; पदार्थ के सामयिक (लेकिन नियमित और निरंतर नहीं) उपयोग के लिए संक्षिप्त हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है, जिसमें मुख्य रूप से जीवन कौशल शिक्षा और पदार्थ के उपयोग और परिप्रेक्ष्य से जुड़े जोखिम शामिल होते हैं, खासकर अगर यह एक आदत बन गई है।
- स्कोर 5–7 ('सप्ताह में कई बार', 'दैनिक' और 'दिन में कई बार') को 'गहन हस्तक्षेप' के रूप में चिह्नित किया गया है; जैसा कि यहाँ उपयोग की आवृत्ति और पैटर्न निर्भरता और लत के समान है और इस प्रकार पदार्थ के सेवन पर जीवन कौशल शिक्षा और परिप्रेक्ष्य लेने के जोखिमों के अतिरिक्त, नशामुक्ति और वापसी के लक्षणों (क्या रोकने के लिए बच्चे थे) हेतु अधिक गहन उपचार की आवश्यकता होगी।

(ब) सेक्शन बी में, मूल ए0ए0डी0आई0एस0 कें सभी प्रश्न, बच्चे के अपने वर्तमान परिवेश में शराब और अन्य दवाओं के उपयोग को संदर्भित करते हैं यानि घर या समुदाय। हालाँकि, कानून के साथ संघर्षरत् बच्चे का वर्तमान स्थान (जहाँ उनका मूल्यांकन किया जा रहा है) संप्रेक्षण गृह है, जो एक सुरक्षात्मक वातावरण है, जहाँ बच्चों की पदार्थों तक पहुँच नहीं है और इसलिए यह प्रश्न अब लागू नहीं होंगे। इसलिए, हम बच्चों से अनुरोध करेंगे कि वे पदार्थ के सेवन संबंधित प्रश्नों के जवाब उस समय के संदर्भ में दें, जब वे समुदाय में रह रहे थे यानी उन्हें हिरासत में लिये जाने या संप्रेक्षण गृह में उपचार हेतु आने से पहले। यह जानकारी तब हमें बच्चे में मादक द्रव्यों के सेवन की समस्याओं और साथ ही मादक द्रव्यों का सेवन कैसे अपराध का मार्ग बना यह को समझने में मदद करती है। पदार्थ के प्रभाव में कई अपराध भी किए जाते हैं, जिसमें प्राथमिक समस्या बच्चे का मादक पदार्थों के सेवन में संलिप्तता है; किसी पदार्थ के उपयोग की आदत या लत को पूरा करने हेतु धन की प्राप्ति के उद्देश्य से हिंसा और चोरी संबंधित अपराध भी किए जाते हैं, इसलिए यह पदार्थ के सेवन को फिर से प्राथमिक समस्या बना देते हैं।

(ग) सेक्शन बी में, आइटम संख्या 4, केवल शराब के उपयोग को संदर्भित करता है (जब आप शराब पीते हैं तो आप क्या पीते हैं?) इस आइटम सहित ए0ए0डी0आई0एस0 का कुल स्कोर 37 है, जिसके आधार पर निदान किया जाता है। हालाँकि, एक बच्चा जो शराब नहीं पीता है, उसके लिए हम इस प्रश्न को हटाकर कुल स्कोर पर विचार करते हैं, यानी जो बच्चा शराब नहीं पीता है उसके लिये कुल स्कोर 37 से 35 तक कम हो जाता है। स्कोर जितना अधिक होगा, समस्या उतनी ही गहन होगी। 35 से ऊपर के स्कोर (उन बच्चों के लिए जो शराब का उपयोग नहीं करते हैं) और 37 से

ऊपर के स्कोर (शराब का उपयोग करने वाले बच्चों के लिए) का मतलब है कि बच्चों को आगे के मूल्यांकन और उपचार के लिए संदर्भित करने की आवश्यकता है – संभवतः सभी में उन्हें गहन हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है।

भाग 6: जीवन कौशल अभाव और बच्चे के अन्य अवलोकन

6.1 जीवन कौशल आवश्यकतायें और अभाव

क	भावनात्मक विनियमन (क्रोध और चिंता का प्रबंधन और नियंत्रण)
ख	सहानुभूति का विकास/पारस्परिक संबंधों को बढ़ाना
ग	तनाव के साथ मुकाबला करना (घर पर वित्तीय कठिनाइयों के साथ मुकाबला करना/घर या स्कूल से भागने के विकल्प तलाशना।)
घ	मुखरता (जब आवश्यक हो तो साथियों को 'नहीं' कहने की क्षमता।)
ड	समस्या और संघर्ष का समाधान (जब कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, तो विकल्प उत्पन्न करना/उनका मूल्यांकन करना और उचित विकल्प का चयन करना)।
च	विभिन्न जीवन संदर्भों में निर्णय लेना (उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन करें और किसी दी गई स्थिति में उपयुक्त का चयन करें)।
छ	रोमांस/रिश्तों/लैंगिकता के संदर्भों में निर्णय लेना (स्वास्थ्य, सुरक्षा, सहमति, रिश्तों के भावनात्मक संदर्भ पर विचार करने के साथ यौन/संबंधपरक मुद्दों के बारे में निर्णय लेना)

मार्गदर्शी नोट

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू0एच0ओ0) जीवन कौशल को "अनुकूल और सकारात्मक व्यवहार के रूप में परिभाषित करता है जो व्यक्तियों को रोजमर्रा की जिंदगी की मांगों और चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने में सक्षम बनाता है"। बच्चे और किशोर मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए मुख्य जीवन कौशल में अग्रलिखित शामिल हैं शामिल हैं – निर्णय लेना, समस्या को सुलझाना, रचनात्मक सोच, प्रभावी संचार, महत्वपूर्ण सोच, प्रभावी संचार, अंतर-व्यक्तिगत संबंध कौशल, आत्म-जागरूकता, सहानुभूति, तनाव और भावनाओं के साथ मुकाबला करना¹²।

¹²डब्ल्यू0एच0ओ0, विद्यालयों में बच्चों और किशोरों के लिए जीवन कौशल शिक्षा; जीवन कौशल कार्यक्रमों के विकास और क्रियान्वयन की सुगमता हेतु परिचय और दिशानिर्देश, 1997, विश्व स्वास्थ्य संगठन; जेनेवा।

बच्चों का कानून के साथ संघर्ष में आने के मुख्य कारणों में से एक जीवन कौशल की कमी है। जीवन कौशल की कमी, असक्षम परिवारों, खराब वयस्क सहयोग व पर्यवेक्षण आघात और कठिन परिस्थितियों के एक्सपोजर, के कारण होती है। परिस्थितियों की गंभीरता का विश्लेषण उनके परिणामों के संदर्भ में किया जाना चाहिए – जो जीवन कौशल अभाव के रूप में प्रकट होते हैं।

इस प्रकार, इस उपभाग को, 1) बच्चे की परिस्थितियों 2) अपराध जिसके लिये उसे गिरफ्तार किया गया है 3) समस्या में अंतर्दृष्टि, परिवर्तन हेतु प्रोत्साहन और पुनः अपराध करने से बचने के कौशल पर परामर्शदाता की समझ और विश्लेषण के आधार पर भरा जाना है। यहाँ पर कुछ उदाहरण दिए गए हैं कि कैसे विश्लेषण किया जाता है कि बच्चों में किस प्रकार के जीवन कौशल की कमी है:

- भावनात्मक विनियमन: बच्चे जिनको क्रोध और चिंता को नियंत्रित करने में कठिनाई होती है, बच्चे जो हिंसक झगड़े में पड़ जाते हैं।
- सहानुभूति/पारस्परिक संबंधों का विकास: बच्चे जिनको अन्य लोगों की भावनाओं को पहचानने में कठिनाई होती है और जिन्हें बहुत कम या कोई अंतर्दृष्टि नहीं होती है कि उनके कृत्यों (आमतौर पर क्रूरता या हिंसा और शोषण), से कैसे दूसरों को चोट पहुँच सकती है या नुकसान हो सकता है; बच्चे जो अक्सर परिवार और सहकर्मी समूहों के साथ संघर्ष में पड़ जाते हैं, रिश्तों को उन तरीकों से बातचीत करने में असमर्थ होते हैं जो उनके और दूसरों के लिए भावनात्मक रूप से फायदेमंद होते हैं।
- तनाव के साथ मुकाबला (घर में वित्तीय कठिनाइयों के साथ मुकाबला/घर या विद्यालय से दूर भागने के विकल्प खोजना...)
- मुखरता (आवश्यकता पड़ने पर साथियों को ना कहने की क्षमता): बच्चे जो दोस्तों के दबाव के कारण पदार्थ का सेवन करते हैं, गिरोहों में शामिल रहे हैं, साथियों के प्रोत्साहन के कारण चोरी, हिंसा और अन्य असामाजिक गतिविधियों में भाग लिया है।
- समस्या को सुलझाना और संघर्ष का समाधान (जब कठिन परिस्थितियों का सामना किया, विकल्प बनाने में सक्षम होना/उनका मूल्यांकन करना और उचित विकल्प का चयन करना): बच्चे जिन्होंने चोरी या हिंसा का सहारा लिया, जब वे अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए अन्य साधनों को खोजने या उनके सामने आने वाली कठिनाइयों का समाधान करने में असमर्थ रहे।
- विभिन्न जीवन संदर्भों में निर्णय लेना (उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन करना और किसी स्थिति में उपयुक्त विकल्प का चयन करना): बच्चे जिनमें बहुत कम अंतर्दृष्टि होती है और जो उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन करते हुये, प्रत्येक विकल्प के

परिणामों को सोचकर सूचित निर्णय लेने में असमर्थ होते हैं – बच्चे जो वित्तीय कठिनाइयों में चोरी का विकल्प चुनते हैं या जिन बच्चों ने हत्या की है क्योंकि उन्होंने इस तरह के कृत्यों के सामाजिक और कानूनी परिणामों के बारे में नहीं सोचा।

रोमांस/रिश्तों/लैंगिकता के संदर्भों में निर्णय लेना (स्वास्थ्य, सुरक्षा, सहमति, रिश्तों के भावनात्मक संदर्भों पर विचार करने के साथ यौन/संबंधपरक मुद्दों के बारे में निर्णय लेना): बच्चे जिन्होंने दूसरे/छोटे बच्चों का यौन शोषण किया है, सहानुभूति और/या सामाजिक और कानूनी परिणाम जो आगे आयेंगे के आधार पर निर्णय लेने में विफल रहे; बड़े बच्चे जो अपने साथियों के साथ या बड़े किशोरों/वयस्कों के साथ शादी करने हेतु भाग गये या शारीरिक अंतरंगता में हैं और शादी या असुरक्षित यौन संबंध के परिणामों के बारे में नहीं सोचा है।

6.2 अन्य अवलोकन

(समय-स्थान अभिविन्यास/संज्ञानात्मक/विचार प्रक्रियायें/सहकारिता, तालमेल, सामाजिक जवाबदेही/चौकसी और गतिविधि स्तर/भाषण और भाषा कौशल)।

मार्गदर्शी नोट

यह परामर्शदाता द्वारा बच्चे के प्रारंभिक मूल्यांकन के दौरान बनाये गये किसी सामान्य अवलोकनो को संदर्भित करता है। समय-स्थान अभिविन्यास, अनुभूति और वैचारिक प्रक्रियाओं, भाषण और भाषा और सामाजिक जवाबदेही में कमी का मतलब हो सकता है कि या तो बच्चे को बौद्धिक विकलांगता है या मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं हैं; सावधानी और गतिविधि के स्तर (जो उच्च हैं) ध्यान अभाव सक्रियता विकार पर अवलोकन संबंधी प्रमाण जोड़ सकते हैं।

भाग 7: सारांश और हस्तक्षेप योजना

7.1 सारांश

उपरोक्त मूल्यांकन के आधार पर, बच्चे की मुख्य समस्याओं और चिंताओं को संक्षेप में प्रस्तुत करें, जिसमें जोखिम¹³, पैथोलॉजी¹⁴ और परिणाम¹⁵ शामिल हैं। तत्काल सहायता/प्रतिक्रिया के लिए क्षेत्रों को हाइलाइट करें।

7.2 देखरेख योजना

बच्चे की सहायता के लिए मूल्यांकन एजेंसी/केस वर्कर द्वारा की गई तैयार कार्यों को सूचीबद्ध करें, जैसे कि मनोसामाजिक हस्तक्षेप, आपातकालीन कार्रवाही/तत्कालिक चिंताओं को दूर करने के उपाय, अन्य एजेंसियों को किए गए संदर्भन। (प्रलेखन जारी रखने के लिए अतिरिक्त पत्रक संलग्न करें)।

मार्गदर्शी नोट

सारांश, जोखिम-विकृति विज्ञान-परिणाम ढांचे (इस दस्तावेज की शुरुआत में वर्णित) का उपयोग करके, बच्चे की मुख्य समस्याओं और चिंताओं के विवरण को संदर्भित करता है:

- जोखिम में सामाजिक पृष्ठभूमि संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी, यानी परिवार, विद्यालय, संस्थागत, दोस्त और बाल श्रम के मुद्दों के साथ-साथ शोषण और आघात के अनुभवों जिनसे बच्चे गुजरे हों, को भी शामिल करने की आवश्यकता है। (जोखिम एक अनुदैर्घ्य या जीवन चक्र परिप्रेक्ष्य से अपराध की परिस्थितियों को संदर्भित करता है)।
- विकृति विज्ञान में किसी भी मानसिक स्वास्थ्य विकार और/या पदार्थ का सेवन के मुद्दों जो बच्चे में हो सकते हैं, शामिल होने चाहिए।
- परिणाम में बच्चे द्वारा किए गए अपराध सहित बच्चे के व्यवहार/कार्य शामिल होने चाहिए।

¹³जोखिम: शोषण/उपेक्षा/परिवारिक विकृति/स्कूल ड्रॉप-आउट के मुद्दे जो बच्चों को भावनात्मक और व्यवहार संबंधी समस्याओं के प्रति जोखिम में डालते हैं।

¹⁴पैथोलॉजी: बाहरी विकार – ए0डी0एच0डी0/आचरण विकार/सीमित अभियोजित भावनाओं सहित आचरण विकार लिमिटेड; आंतरिक विकार – अवसादग्रस्तता विकार/चिंता विकार (ओ0सी0डी0 व पी0टी0एस0डी0 सहित) जो आघात से संबंधित हैं; गंभीर मानसिक बीमारी – मनोविकृति/मनोदशा विकार; जीवन कौशल अभाव – लक्षण जो नैदानिक मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं, लेकिन जीवन कौशल से संबंधित हैं।

¹⁵परिणाम – संस्थागत करना और 'आपराधिकरण: हेतु मार्ग

इस प्रकार, सारांश बच्चे की समस्या का एक संक्षिप्त विवरणात्मक विश्लेषण है।

देखरेख योजना बच्चे की समस्या के लिए परामर्शदाता की प्रतिक्रिया को संदर्भित करती है, जिसमें, मूल्यांकन के अंत में बच्चे को उसकी समस्या के संदर्भ में प्रदान किए गए तथा तत्काल/निकट भविष्य में क्रियान्वयन हेतु नियोजित किये गये प्रारंभिक इनपुट्स, दोनों के संदर्भ में, उसमें समाविष्ट हैं:

(क) प्रथम स्तर की प्रतिक्रियाएं¹⁶ जो बच्चे में व्यवहार परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू करने में मदद करती हैं। यह बच्चे के साथ बातचीत और चर्चा पर निम्न हेतु जोर देता है:

- अंतर्दृष्टि सुगमता।
- आधार और परिवर्तन के लिए प्रेरणा (सम्प्रेक्षण गृह से बाहर होने के अतिरिक्त)
- भविष्य हेतु अभिविन्यास (उनकी भविष्य की योजनाओं/महत्वाकांक्षाओं पर वर्तमान व्यवहारों का प्रभाव)
- चोरी, हिंसा और मादक द्रव्यों के सेवन और उच्च जोखिम वाले यौन व्यवहार (कार्रवाई और विपक्ष) जैसे व्यवहारों में परिणामों और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं की जांच करना – स्वास्थ्य, परिवार और दोस्तों के साथ संबंध, आय/अर्थशास्त्र पर प्रभाव।
- क्रोध प्रबंधन और नियंत्रण रणनीतियाँ।
- संघर्ष का समाधान (कुछ ही उदाहरणों के साथ/संक्षिप्त में)।
- अन्य लोगों की भावनाओं/सहानुभूति को ध्यान में रखते हुए।
- यौन निर्णय लेने की रूपरेखा।
- चिंता प्रबंधन और नियंत्रण रणनीतियाँ (आंतरिक विकारों वाले बच्चों के लिए)।
- स्वीकार करना और नुकसान को सत्यापित करना; हानि के अनुभवों के प्रारंभिक प्रसंस्करण के लिए स्मृति कार्य का उपयोग करना।
- शोषण के अनुभवों को स्वीकार और सत्यापित करना; आत्मसम्मान और पहचान कार्य की विधियों का उपयोग करके शुरू में शोषण के आंतरिककरण का मुकाबला करना।

¹⁶परावर्तन और परिप्रेक्ष्य लेने के तरीकों का उपयोग बच्चे के साथ कोमल, उत्साहजनक, गैर-न्यायिक बातचीत में किया जाता है व्यवहार परिवर्तन को सुविधाजनक बनाने के लिए आगे की चर्चा और गहन चिकित्सा कार्य (यदि आवश्यक हो) को सक्षम करने के लिए बच्चे के साथ एक तालमेल बनाने का उद्देश्य भी है।

(ख) मनोवैज्ञानिक परीक्षण सहित आगे के मूल्यांकन के लिए तृतीयक देखभाल मानसिक स्वास्थ्य सुविधाओं को संदर्भन (यदि नैदानिक और हस्तक्षेप प्रयोजनों के लिए अधिक जानकारी आवश्यक है, तो मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के प्रकार और गंभीरता के आधार पर बच्चों के लिए फार्माकोथेरेपी भी आवश्यक हो सकती है)।

(ग) बच्चे के साथ गहन चिकित्सीय कार्य के लिए सलाह और/या संदर्भन (जो परामर्शदाता के कौशल और संसाधनों के आधार पर घर में या तृतीयक देखभाल सुविधा में किया जा सकता है)।

(घ) यदि बच्चे में अन्य चिकित्सा मुद्दों (बच्चे की रिपोर्ट के आधार पर और साथ ही हाल के दिनों में उसके रहने की व्यवस्था और स्थितियों की समझ के आधार पर – उदाहरण के लिये फुटपाथ पर रहने वाले बच्चों में लंबी अवधि तक भोजन, आश्रय और स्वास्थ्य सेवा की खराब पहुंच और उच्च जोखिम वाले व्यवहार के साथ जीवन जीने की शैली होने पर कुछ संचारी रोगों का खतरा हो सकता है जिसके लिए उसे जांच करने की आवश्यकता हो सकती है) की संभावना है तो उसे अन्य चिकित्सा और स्वास्थ्य सुविधाओं को संदर्भित करना।

(ङ) पुनर्वास और प्रशिक्षण की योजनायें बच्चे के मौजूदा कौशल व रुचियों और उसकी भविष्य की आकांक्षाओं के आधार पर बनाई जा सकती है।

अनुलग्नक 3

कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों का मनोसामाजिक तथा मानसिक सवास्थ्य (16 से 18 आयुवर्ग) किशोर न्याय बोर्ड हेतु व्यक्तगत प्रारंभिक मूल्यांकन रिपोर्ट

सामुदायिक बाल एवं किशोर मानसिक स्वास्थ्य सेवा परियोजना,
बाल एवं किशोर मनोरोग विभाग, NIMHANS द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग,

किशोर न्याय अधिनियम 2015 के अनुसार, एक बच्चे के प्रारंभिक मूल्यांकन का उद्देश्य, कथित अपराध में बच्चे की भूमिका तथा उसकी मानसिक स्थिति और पृष्ठभूमि का मूल्यांकन करना है। इसे ध्यान में रखते हुए, मनोसामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य मूल्यांकन रिपोर्ट बच्चे की मानसिक स्थिति और पृष्ठभूमि, अर्थात् बच्चे के विकास के स्तर, परिवारिक पृष्ठभूमि और रिश्तों, विद्यालय और शिक्षा, बाल श्रम में भागीदारी, सहकर्मी संबंधों तथा आघात व शोषण के अनुभवों के बारे में जानकारी प्रदान करती है; यह बच्चों में मानसिक स्वास्थ्य विकार और विकास संबंधी अक्षमताओं के बारे में भी जानकारी प्रदान करता है जो बच्चे को हो सकती हैं। अंत में, रिपोर्ट बच्चे के लिए उपचार और पुनर्वास हस्तक्षेप की सिफारिशें करती है। रिपोर्ट जेजे एक्ट 2015 द्वारा प्रस्तावित रूपरेखा का उपयोग करते हुए उपरोक्त जानकारी प्रस्तुत करती है अर्थात्, क्या बच्चे के पास अपराध करने की मानसिक और शारीरिक क्षमता है, अपराध की परिस्थितियाँ, क्या बच्चे को अपराध के परिणाम पता थे।

मूल्यांकन रिपोर्ट दिनांक:

बच्चे के नाम:

आयु:

लिंग:

स्थान:

अ. अपराध करने हेतु मानसिक और शारीरिक क्षमता

बच्चे की सामाजिक निर्णय और फैसले लेने की क्षमता निम्न के कारण प्रभावित होती है:

शारीरिक विकलांगता (बच्चे में अवलोकित)	
जीवन कौशल बभाव (भावनात्मक विकृति/ कठिनाई सहकर्मी दबाव/मुखरता और बातचीत कौशल/समस्या को सुलझाने /संघर्ष-समाधान/निर्णय लेने में कठिनाई)	
उपेक्षा / खराब पारिवारिक स्थिति/परिवार द्वारा खराब पर्यवेक्षण	
शोषण और आघात के अनुभव	
मादक द्रव्यों के सेवन की समस्या	
बौद्धिक अक्षमता	
मानसिक स्वास्थ्य विकार/विकासात्मक विकलांगता	
कोई अन्य (स्पष्ट करें):	
उपरोक्त मुद्दों को संबोधित करने के लिए अब तक कोई उपचार/हस्तक्षेप प्रदान नहीं किया गया है।	
एन0ए0- लागू नहीं	

ब. कथित अपराध की परिस्थितियों

पारिवारिक पृष्ठभूमि:

विद्यालय की पृष्ठभूमि:

बाल श्रम:

दोस्तों से रिश्ते:

शोषण और आघात:

मानसिक स्वास्थ्य विकार/विकासात्मक अक्षमता:

स. कथित अपराध करने के परिणामों के बारे में बच्चे की जानकारी/समझ
अपराध के सामाजिक/परस्पर तथा कानूनी परिणामों के बारे में बच्चे की समझ

द. अन्य अवलोकन तथा मुद्दे

थ. सुझाव/सिफारिशें

(नाम/हस्ताक्षर/पद/संस्थाध्यक्ष)

अनुलग्नक 4

कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों की प्रारंभिक मूल्यांकन रिपोर्ट

सामुदायिक बाल एवं किशोर मानसिक स्वास्थ्य सेवा परियोजना,
बाल एवं किशोर मनोरोग विभाग, NIMHANS द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग,
कर्नाटका सरकार के सहयोग से

प्रारंभिक मूल्यांकन विस्तृत मनोसामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य मूल्यांकन से जानकारी का उपयोग करता है (जो पहले किया जाता है) और उस जानकारी को नीचे उल्लिखित के रूप में प्रस्तुत करता है।

अ. अपराध के लिए मानसिक और शारीरिक क्षमता

बच्चे की सामाजिक निर्णय और फैसले लेने की क्षमता निम्न कारकों से प्रभावित होती है:

(1) जीवन कौशल आभाव (भावनात्मक शिथिलता/सहकर्मी दबाव का मुकाबला करने में कठिनाई/मुखरता और मालभाव का कौशल/समस्या सुलझाने/संघर्ष-समाधान/निर्णय लेने में कठिनाई)।

(2) उपेक्षा/खराब परिवारिक स्थिति/परिवार द्वारा खराब पर्यवेक्षण

(3) शोषण और आघात के अनुभव

(4) मादक द्रव्यों के सेवन की समस्या

(5) बौद्धिक विकलांगता

(6) मानसिक स्वास्थ्य विकार/विकासात्मक विकलांगता

(7) अभी तक प्रदान उपचार/हस्तक्षेप

मार्गदर्शी नोट

इस भाग के लिए, प्रारंभिक मूल्यांकन फॉर्म भरने वाले पेशेवर को प्रत्येक आइटम हेतु चिन्ह लगाना है ('हां' को इंगित करने के लिए एक **v** मार्क और 'नहीं' को इंगित करने के लिए एक **x** मार्क) कि क्या बच्चे द्वारा एक क्षेत्र विशेष में समझौता किया गया है या

नहीं। यह जानकारी विस्तृत मनोसामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य प्रारूप के प्रासंगिक भागों से प्राप्त की जायेगी, जिसमें इस बात की जानकारी है कि बच्चे द्वारा जीवन के सामाजिक निर्णय व फैसले लेने की क्षमता कैसे (जो कृत्यों और व्यवहारों में बदल जाते हैं) बच्चे की जीवन परिस्थितियों और मानसिक स्वास्थ्य या विकासात्मक समस्याओं से प्रभावित होती है।

जीवन कौशल आभावे पर बिन्दु (1), हेतु भाग 6 'जीवन कौशल आभाव तथा बच्चे के अन्य अवलोकन' तथा भाग 6.1 'जीवन कौशल आभाव' को संदर्भित करें।

'परिवार के मुद्दों की पहचान' पर बिन्दु (2) हेतु, भाग 2, उप-भाग 2.1 को संदर्भित करें।

शोषण और आघात के अनुभवों पर बिन्दु (3) हेतु भाग 3, 'आघात अनुभव' का संदर्भ लें।

'शारीरिक, यौन और भावनात्मक शोषण के अनुभव'।

मादक द्रव्यों के सेवन की समस्याओं और मानसिक स्वास्थ्य विकारों/विकासात्मक विकलांगता पर बिन्दु (4) और (5) के लिए, भाग 5, 'मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं' का संदर्भ लें।

बौद्धिक अक्षमता पर भाग (5) के लिए, आप मनोसामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य प्रारूप के संचालन की पूरी प्रक्रिया के दौरान बच्चे के साथ बातचीत के आधार पर अपने निर्णय पर भरोसा कर सकते हैं – यदि बच्चा ज्यादातर सवालों का जवाब देने में असमर्थ था या उम्र-उपयुक्त तरीके से जवाब दिया गया था (जैसे कि एक छोटा बच्चा, पूछी गई या चर्चा की गई कई बहुत सी चीजों की थोड़ी समझ का प्रदर्शन करेगा), तो आप संदेह कर सकते हैं कि उसे बौद्धिक विकलांगता है। (इसके बाद, मानसिक स्वास्थ्य सुविधाओं में स्थित मनोवैज्ञानिकों द्वारा आयोजित प्रासंगिक आई0क्यू0 परीक्षण के माध्यम से इसकी पुष्टि करना उपयोगी और आवश्यक होगा)।

भाग (6) हेतु, आपने मूल्यांकन के दौरान बच्चे से पूछताछ की होगी कि क्या उसने किसी मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों/पारिवारिक समस्याओं या जीवन कौशल के लिए कोई पेशेवर सहायता या उपचार प्राप्त किया है या नहीं। (आम तौर पर, संप्रेक्षण गृह में बच्चों को उनकी समस्याओं के लिए कभी कोई उपचार या हस्तक्षेप नहीं मिला होता है)।

वास्तव में, हर किसी में, बौद्धिक विकलांगता या गंभीर शारीरिक विकलांगता वाले किसी व्यक्ति को छोड़कर (जिस प्रकार लोकोमोटर कौशल को गंभीर रूप से प्रभावित करता है), अपराध करने की मानसिक और शारीरिक क्षमता होती है। इसलिए, यह पूछना कि क्या

किसी दिए गए बच्चे के पास अपराध करने की मानसिक और शारीरिक क्षमता है, साधारण शब्दों में, ज्यादातर मामलों में जवाब 'हां' में प्राप्त होने की संभावना है। और सिर्फ इसलिए कि किसी के पास अपराध करने के लिए शारीरिक और मानसिक क्षमता है, इसका मतलब यह नहीं है कि वे ऐसा करेंगे या किया है। इसलिए, किशोर न्याय अधिनियम द्वारा प्रस्तुत इस प्रश्न के माध्यम से एक द्वंद्वात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त होती है, जो कानून के साथ संघर्षरत् बच्चे के संबंध में निर्णय लेने में बहुत कम उपयोग की जाती है।

इस प्रकार, शारीरिक-मानसिक क्षमता प्रश्न हेतु एक सरल द्वंद्वात्मक प्रतिक्रिया से उत्पन्न समस्याओं के जवाब में, हमने अधिक विस्तृत, वर्णनात्मक और बारीक व्याख्या को अपनाया है। हमारे द्वारा विकसित प्रारंभिक मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार, अपराध करने की मानसिक और शारीरिक क्षमता, बच्चे की सामाजिक निर्णय और फैसले लेने की क्षमता है, जो कुछ सीमाओं पर आधारित होती है। दूसरे शब्दों में, सामाजिक निर्णय और फैसले लेने की एक बच्चे की क्षमता, जीवन कौशल अभाव, खराब परिवारिक स्थिति/उपेक्षा/परिवार द्वारा खराब पर्यवेक्षण/शोषण और आघात के अनुभव, मादक द्रव्यों के सेवन की समस्याओं, बौद्धिक विकलांगता और/या मानसिक विकार के कारण प्रभावित होती है। इस तरह के मुद्दे (यदि उनका उपचार ना किया जाये) बच्चों के दुनिया के बारे में दृष्टिकोण और भौतिक और सामाजिक वातावरण के साथ उनकी बातचीत पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं, जिससे उनका असामाजिक गतिविधियों में शामिल होने का खतरा होता है।

ब. अपराध की परिस्थितियाँ

(1) परिवारिक पृष्ठभूमि और रिश्ते (बच्चे के रहने की व्यवस्था, माता-पिता के रिश्ते, बच्चे के भावनात्मक संबंध और माता-पिता के प्रति लगाव, परिवार में बीमारी और शराब की लत, घरेलू हिंसा और वैवाहिक कलह, यदि कोई हो)।

(2) विद्यालय और शिक्षा (बच्चे की विद्यालय में उपस्थिति, अंतिम कक्षा जिसमें भाग लिया हो, बच्चे के विद्यालय न जाने के कारण - चाहे वह वित्तीय मुद्दों के कारण हो या प्रोत्साहन का अभाव, विद्यालय से इनकार या शारीरिक दंड)।

(3) कार्य अनुभव/बाल श्रम (बच्चे को काम क्यों करना पड़ा/बच्चे को काम की जगह कैसे मिली, जहाँ वह कहाँ काम कर रहा था/काम के घंटे और पारिश्रमिक प्राप्त हुआ या नहीं, क्या नियोक्ता द्वारा कोई शारीरिक/भावनात्मक शोषण किया गया और यह भी कि बच्चे पर कार्यस्थल में मादक द्रव्यों के सेवन आदि के बारे में नकारात्मक प्रभाव हुआ हो)।

(4) दोस्तों के साथ संबंध (मादक पदार्थ के सेवन/नियम-तोड़ने/अनुचित यौन व्यवहार/विद्यालय में उपस्थिति के संदर्भ में दोस्तों का प्रतिकूल प्रभाव)

(5) आघात और शोषण के अनुभव (शारीरिक, यौन और भावनात्मक शोषण के अनुभव)

(6) मानसिक स्वास्थ्य विकार और विकासात्मक विकलांगतायें: (मानसिक स्वास्थ्य विकार और विकासात्मक विकलांगतायें जो बच्चे को हो सकती हैं)।

मार्गदर्शी नोट

इस भाग के लिए उपरोक्त सभी जानकारी का दस्तावेजीकरण विस्तृत मनोसामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य मूल्यांकन में इसी प्रकार से किया जाना है, विस्तृत मूल्यांकन से संबंधित अनुभागों से प्राप्त करना है, ताकि उन कारकों और परिस्थितियों को प्रस्तुत किया जा सके जो बच्चे को अपराध करने के लिए जोखिम में डालते हैं।

पहले चार शीर्षों के लिए जानकारी को मनोसामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य प्रारूप के बिन्दु 2, सामाजिक पृष्ठभूमि से लिया जाना चाहिए – जिसमें परिवार, स्कूल, संस्थान और दोस्तों संबंधी मुद्दों पर विवरण शामिल हैं; आघात पर पांचवें भाग के लिए जानकारी, भाग 3, 'आघात के अनुभव: मनोसामाजिक मूल्यांकन प्रपत्र के शारीरिक, यौन और भावनात्मक शोषण अनुभव' से प्राप्त करने की आवश्यकता है।

मानसिक स्वास्थ्य विकार के छठे बिन्दु के लिए, धारा 5, 'मानसिक स्वास्थ्य चिंताएं (मादक द्रव्यों के सेवन सहित) मनोसामाजिक मूल्यांकन प्रपत्र से उपयोग करने की आवश्यकता होगी।

यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि 'अपराध की परिस्थितियाँ' समीपवर्ती कारकों का उल्लेख नहीं करती हैं अर्थात् अपराध की घटना के ठीक पहले क्या हुआ था। ऐसा इसलिए है क्योंकि समीपस्थ कारकों की एक पृष्ठभूमि होती है, जिसे पहचानना महत्वपूर्ण होता है – ऐसे कारकों और जीवन की घटनाओं का एक पूरा समूह होता है, जो अपराध के निर्णय और अपराध के कृत्यों तक ले जाता है। इसलिए, 'परिस्थितियों' की व्याख्या जीवन परिस्थितियों के रूप में की जाती है और अपराधों के लिए कमजोरियों और मार्गों को समझने के लिए एक अनुदैर्घ्य दृष्टिकोण लिया जाता है। यह बच्चे के जन्म (या माँ के गर्भावस्था के अनुभवों से शुरू) से लेकर वर्तमान तिथि तक की घटनाओं और परिस्थितियों पर जोर देता है। यह बच्चे और किशोर मानसिक स्वास्थ्य में पृष्ठभूमि प्राप्त करने हेतु सार्वभौमिक दृष्टिकोण है जो बच्चों की भावनाओं और व्यवहार को उनके संदर्भों और अनुभवों, जैसा कि वे कई वर्षों में अनुभव करते आये हैं, के आधार पर समझने में सक्षम बनाता है (और इसलिए यह वास्तव में कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों के लिए विशिष्ट नहीं है)।

स. बच्चे में अपराध करने के परिणामों का जानकारी

(इस तरह के अपराध को करने के बारे में बच्चे की अंतर्दृष्टि के साथ-साथ सामाजिक/पारस्परिक और अपराध के कानूनी परिणामों के बारे में बच्चे की समझ के बारे में संक्षिप्त विवरण)।

मार्गदर्शी नोट

यह विस्तृत मनोसामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य मूल्यांकन में 'परिवर्तन की संभावना' भाग पर आधारित है, साथ ही यह तुरंत बाद प्रदान किए गए पहले स्तर का हस्तक्षेप भी है। मूल्यांकन के दौरान बच्चे ने कैसी प्रतिक्रिया दी यानी उसकी अंतर्दृष्टि और प्रोत्साहन के बारे में, यहाँ दस्तावेजीकरण होना चाहिए।

सामाजिक और पारस्परिक परिणाम बच्चे की सहानुभूति और उसके कार्यों की समझ के बारे में बताते हैं कि कैसे उसके कृत्यों का नकारात्मक प्रभाव उसके परिवार, दोस्तों और अन्य लोगों के साथ उसके संबंधों पर पड़ेगा; कानूनी परिणाम बच्चे की, एक सीमा उल्लंघन/दंड सहित, खुद के लिए गंभीर नकारात्मक परिणामों के साथ नियमों का उल्लंघन तथा कानून के साथ संघर्ष में आने हेतु अपने कृत्यों की समझ को संदर्भित करते हैं।

ड. अन्य अवलोकन तथा मुद्दे

मार्गदर्शी नोट

यदि, बच्चे के सामाजिक स्वभाव/संप्रेक्षण गृह में बच्चे के व्यवहार/बदलाव हेतु प्रोत्साहन कर स्तर/यदि कोई सकारात्मक व्यवहार नोट किया गया है तो उसके संबंध में मूल्यांकन के दौरान किए गये अन्य अवलोकन प्रदान किये जायेंगे। यह, मनोसामाजिक तथा मानसिक स्वास्थ्य प्रारूप भाग 6 'जीवन कौशल अभाव तथा बच्चों के अन्य अवलोकन', उपभाग 6.2 'बच्चों के अन्य अवलोकन' से प्राप्त किया जा सकता है।

यह, नकारात्मक के साथ- साथ सकारात्मक अवलोकनों को भी संदर्भित करते हैं, जो आपने मूल्यांकन के दौरान बनाये होंगे। इस प्रकार अवलोकनों में बच्चे के अवगुण, या कोई विचार या विचारधारा को शामिल किया जा सकता है, जो बच्चे ने हिंसा या शोषण जैसे समस्या व्यवहार के बारे में व्यक्त की हो सकती हैं – जो बेहतर तरीके से यह समझने में मदद कर सकती हैं कि वह कौन है (और मजिस्ट्रेट को आपराधिक व्यवहारों को विभिन्न दृष्टिकोणों से देखने में मदद करता है)। इनमें कोई अजीब व्यवहार भी शामिल हो सकता है जिसे आप मानसिक स्वास्थ्य संबंधी विकारों और विकास संबंधी अक्षमताओं के सबूतों में मदद के रूप में देखते हैं – उदाहरण के लिए, यदि बच्चे की प्रतिक्रियाएं सामाजिक और संज्ञानात्मक रूप से उसकी उम्र के अनुकूल नहीं हैं, तो आप संभावित बौद्धिक विकलांगता होना मान सकते हैं; या यदि कोई बच्चा स्थान और समय

के संदर्भ में असमंजस में दिखाई देता है या उसके शरीर पर खुद को चोट पहुँचाने के निशान हैं, तो आप सामाजिक समस्याओं पर ध्यान दे सकते हैं।

च. सिफारिशें

मार्गदर्शी नोट

अंत में, रिपोर्ट बच्चे के हितों और इच्छाओं के आधार पर, बच्चे के लिए उपचार और पुनर्वास हस्तक्षेप की सिफारिशें करती है। यह स्थानन, रहने की व्यवस्था, शिक्षा और विद्यालय, माता-पिता के लिए परामर्श, मानसिक स्वास्थ्य और मनोचिकित्सा देखभाल और उपचार के लिए तृतीयक सुविधा का संदर्भ दे सकते हैं। यह उप-भाग महत्वपूर्ण है क्योंकि यह किशोर न्याय बोर्ड मजिस्ट्रेट को स्पष्ट दिशा प्रदान करता है कि बच्चे को किस सहायता की आवश्यकता है, इस प्रकार यह बोर्ड को विकल्पों पर विचार करने और सहायक और सक्रिय प्रतिक्रिया देने हेतु सक्षम बनाता है (बनाम उसे वयस्क न्याय व्यवस्था में स्थानान्तरित करने के निर्णय लेने से)।

किशोर न्याय बोर्ड न्यायाधीशों से अनुरोध किया जा सकता है कि वे बच्चे को इलाज हेतु मनोरोग सुविधा में संदर्भित करें, ताकि परिवार और स्कूल से संबंधित अन्य मुद्दों का भी मानसिक स्वास्थ्य प्रणाली द्वारा ध्यान रखा जा सके, जो किशोर न्याय बोर्ड को बच्चे की प्रगति रिपोर्ट करने हेतु बाध्य हागी। कई उदाहरणों में, किशोर न्याय बोर्ड न्यायाधीशों ने यह सुनिश्चित करने के लिए एक सशर्त जमानत प्रदान की है कि बच्चा और परिवार आवश्यक मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं प्राप्त करें; अर्थात् बच्चे को जमानत इस शर्त पर दी जाती है कि वह मानसिक स्वास्थ्य सुविधा में प्रस्तुत हो और उपचार कराये (यदि बच्चा ऐसा करने से इनकार करता है, तो मजिस्ट्रेट जमानत रद्द कर सकते हैं)। इस प्रकार, किशोर न्याय अधिनियम में पर्याप्त प्रावधान हैं, जिन्हें यदि प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है, तो उनका उपयोग कानून से संघर्षरत् बच्चों को वयस्क प्रणालियों में स्थानान्तरण से बचाने और उनके पुनर्वास हेतु किया जा सकता है।

अनुलग्नक 5
संभावित प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रथम दिवस		
सुबह 09:00 – 9:30	परिचय	
सुबह 09:30 – 11:30	जोखिम के दृष्टिकोण से: कानून के साथ संघर्षरत् बच्चे	कानून के साथ संघर्ष में आने के रास्तों की पहचान करना
सुबह 11:30 – 11:45		कॉफी ब्रेक
सुबह 11:45 – अपराहन् 01:00		कानून से संघर्षरत् बच्चों के जोखिमों का और विश्लेषण
अपराहन् 01:00 – 02:00		दोपहर का भोजन
अपराहन् 02:00 – 04:00		कानून से संघर्षरत् बच्चों के जोखिमों का और विश्लेषण
अपराहन् 04:00 – 04:15		कॉफी ब्रेक
अपराहन् 04:15 – 06:15		फिल्म स्क्रीनिंग और चर्चा
द्वितीय दिवस		
सुबह 09:00 – 11:00	जोखिम के दृष्टिकोण से: कानून के साथ संघर्षरत् बच्चे	कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों का मनोसामाजिक तथा मानसिक स्वास्थ्य मूल्यांकन
सुबह 11:00 – 11:15		कॉफी ब्रेक
सुबह 11:15 – अपराहन् 01:15		कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों का प्रारंभिक मूल्यांकन
अपराहन् 11:15 – 02:15	कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों हेतु मनोसामाजिक तथा मानसिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप	दोपहर का भोजन
अपराहन् 02:15 – 05:00		मनोसामाजिक तथा मानसिक स्वास्थ्य चिंताओं हेतु प्रथम स्तर प्रतिक्रियाएँ
तृतीय दिवस		
सुबह 09:00 – 11:30	कानून के साथ संघर्षरत् बच्चों हेतु मनोसामाजिक तथा मानसिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप	मनोसामाजिक तथा मानसिक स्वास्थ्य चिंताओं हेतु प्रथम स्तर प्रतिक्रियाएँ
सुबह 11:30 – 11:45		कॉफी ब्रेक
सुबह 11:45 – अपराहन् 01:00		मनोसामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के लिए गहन हस्तक्षेप
अपराहन् 01:00 – 02:00		दोपहर का भोजन
अपराहन् 02:00 – 04:00		मनोसामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के लिए गहन हस्तक्षेप
चर्चुत दिवस		
सुबह 09:00 – 03:30	क्षेत्र अभ्यास	पर्यवेक्षित क्षेत्र अभ्यास गृहकार्य